हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 252, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 28 फरवरी, 2022 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहुंचे वाराणसी, गोल्फ कार्ट पर बैठकर कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

पीएम का हेलीकाप्टर पुलिस लाइन मैदान में उतरा, सड़क मार्ग से संपूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय गए

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में चुनावी शंखनाद करने रविवार दोपहर बाद पहुंचे तो कार्यकर्ता और पदाधिकारियों संग भाजपा उम्मीदवारों का भी उत्साह चरम पर पहुंच गया। वहीं वाराणसी पहुंचे पीएम नरेन्द्र मोदी बाबा दरबार में भी शाम को दर्शन पूजन करने किया। बाबा काशी विश्वनाथ को नमन कर वह यूपी में विजय का आशीष भी मांगेंगे। पीएम मोदी का हेलीकाप्टर दोपहर बाद पुलिस लाइन मैदान में उतरा और यहां से वह सड़क मार्ग से संपूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय रवाना हुए। इस दौरान उनका स्वागत करने के लिए जगह जगह भाजपा कार्यकताओं और पदाधिकारियों के साथ ही आम जनता का भी हुजूम उमड़ा। जगह जगह पोस्टर बैनर झंडों और फूलों से पीएम का स्वागत करने के लिए पार्टी के स्तर पर भी पूर्व में तैयारी की जा चुकी थी। बूथ कार्यकताओं को संबोधन के पूर्व मंच पर केशव प्रसाद मौर्य ने सबसे पहले संबोधन शुरू किया और पीएम का स्वागत करते हुए सभी का आभार भी जताया। इस दौरान पार्टी स्तर पर बूथ कार्यकताओं का भी उन्होंने उत्साह बढ़ाया। शाम चार बजे पीएम नरेन्द्र मोदी वाराणसी पुलिस लाइन में हेलिकाप्टर से शाम चार बजे उतरे तो पार्टी पदाधिकारियों ने हेलीपैड पर उनका स्वागत किया। हेलीपैड पर ही कार में सवार होकर पीएम और उनके साथ अन्य नेता 4:05 बजे रवाना हो गए। जगह- जगह पार्टी कार्यकताओं ने उनका सड़क के किनारे स्वागत किया। वहीं पीएम के फ्लीट के पहले आगवानी के तौर पर भारतीय जनता पार्टी कार्यकताओं का बाइक जुलूस गुजरा तो पीएम के स्वागत में गूंज रहे नारों से माहौल भगवामय नजर आने लगा। वहीं कार्यक्रम स्थल विवि परिसर में गोल्फ कार्ट से पीएम कार्यकताओं से मिले तो कार्यकताओं का उत्साह चरम पर पहुंच गया। मोदी मोदी के नारों से समूचा मैदान गूंजने लगा। पीएम जब तक गोल्फकार्ट पर बैठकर मंच तक पहुंचे तब तक भाजपा के प्रचार के नारों से परिसर गूंजता रहा। शाम 4:35 बजे पीएम मंच पर पर पहुंचे तो वंदे मातरम, भारत माता की जय और मोदी मोदी के नारों संग पीएम का पदाधिकारियों ने सत्कार किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने एक दिवसीय कार्यक्रम पर भाजपा के बूथ स्तर के पदाधिकारियों से संवाद करने दोपहर बाद वाराणसी पहुंचे। इसके लिए पार्टी की तरफ से 20,000 कार्यकताओं को आमंत्रित किया गया है।संपूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय के मुख्य गेट के सामने करीब 200 मीटर तक कार्यकताओं की लाइन अंदर प्रवेश करने के लिए जूझती रही। शहर की ओर से वरुणा पार इलाके से कार्यकताओं के आने का क्रम अंतिम समय तक जारी रहा। संपूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय मैदान में पीएम कार्यकताओं संग जहां सीधा संवाद करेंगे वहीं गोल्फ कार्ट पर सवार होकर हर कार्यकर्ता से मुलाकात भी प्रस्तावित है। वहीं मंच पर पहुंचने से पहले शहर के प्रबुद्धजनों संग पीएम संवाद कर बनारसियों का मिजाज भी परखेंगे। पीएम के आगमन के पूर्व पुलिस लाइन से लेकर सभा स्थल तक सुरक्षा बलों ने मोर्चा संभाल लिया। पीएम नरेन्द्र मोदी मंच से बूथ अध्यक्ष समेत सभी बूथ पदाधिकारियों को बूथ विजय का मंत्र देंगे। कार्यक्रम में वाराणसी की आठों विधानसभा से लगभग 20 हजार बूथ कार्यकर्ता शामिल हैं जिनके साथ प्रधानमंत्री संवाद करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री लगभग घंटे भर तक कार्यक्रम में शामिल रहेंगे। इस बीच पीएम का बूथ पदाधिकारियों के बीच भी जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस आयोजन में वाराणसी की आठ विधानसभाओं के 33 मंडल के 539 शक्ति केन्द्रों के 3361 बूथ के लगभग 20 हजार बूथ पदाधिकारी शामिल हुए हैं।

रोमानिया के रास्ते यूक्रेन से लौटा 240 छात्रों का एक और दल, मुम्बई में पीयूष गोयल ने किया स्वागत

मोतिहारी। यूक्रेन से रोमानिया के रास्ते स्वदेश वापस लौटे मेडिकल छात्र आशीष गिरि ने कहा अपने देश सुरक्षित लौटने की खुशी बयां नहीं कर सकता। मेरे पास अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए पर्याप्त शब्द नहीं हैं। अत्यन्त दुख या अत्यन्त खुशी की स्थिति में हम मौन हो जाते हैं, मेरी यही स्थिति है। 240 लोगों को लेकर विमान रात 8 बजे मुंबई पहुंचा। उसमें बिहार के भी दो छात्र शामिल हैं। आशीष मोतिहारी के रहने वाले हैं, जबकि रीमा सिंह मुंगेर की रहने वाली हैं। वतन सकुशल लौटने पर भावुक आशीष ने बताया कि फ्लाइट में माहौल काफी अलग था। सब अपने देश लौटने को लेकर बेहद उत्साहित थे। मुंबई एयरपोर्ट पर उतरते ही छात्र-छात्राओं ने भारत माता की जय के नारे लगाए।

मुंबई में जब फ्लाइट में उनसे मिलने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल पहुंचे तब भी सभी ने भारत माता के नारे लगाए। उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर बिहार सरकार व मुंबई सरकार की ओर से खाना उपलब्ध कराया गया। सुबह 8 बजे की फ्लाइट से वे बिहार के लिए रवाना हो गए। मोतिहारी के राजाबाजार निवासी मुन्ना गिरी के पुत्र आशीष यूक्रेन के चेरोनोविस्की शहर स्थित बुकोबियल स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र हैं। वे 3 दिसंबर को यूक्रेन गए थे। यूक्रेन के हालात को याद कर सिहर जाते हैं। आशीष के अनुसार वहां के हालात काफी भयावह हैं। उनका हॉस्टल रोमानिया से 30 किलोमीटर दूर था। उन्हें भारतीय दूतावास के द्वारा बस से रोमानिया बॉर्डर पर पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि अभी बॉर्डर पर काफी भीड़ है। लोगों में यूक्रेन से निकलने की आपाधापी मची है। 8 से 10 किलोमीटर पैदल चल कर लोग बॉर्डर पर पहुंच रहे हैं। जब वे चेरोनोविस्की से निकले तब तक रूसी फौज वहां नहीं पहुंची थी। उनके अनुसार यूक्रेन में दूसरे जगहों पर फंसे छात्र काफी विषम परिस्थिति से गुजर रहे हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले- भारत ने कभी किसी देश पर हमला नहीं किया

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते तनाव के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को एक बड़ा बयान दिया। समाचार एजेंसी एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने कभी किसी देश पर हमला नहीं किया। दुनिया में शांति कायम करने के लिए इस सिद्धांत का पालन किया जाना चाहिए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बयान के जरिए दुनिया को एक बड़ा संदेश देने की कोशिश की है। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि हमें अपने देश को 'आत्मनिर्भर' बनाने की जरूरत है...

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उत्तर प्रदेश के बैरिया में एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यूक्रेन रूस के बीच गतिरोध को कम करने की दिशा में देश की भूमिका के लिए प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में शांति चाहता है। यूक्रेन में जो कुछ हो रहा है वह चिंताजनक है। हम चाहते हैं कि शांति बनी रहे। भारत ने कभी किसी देश पर हमला नहीं किया। हमारा मानना है कि विश्व शांति के लिए सभी देशों को इस सिद्धांत का पालन करना चाहिए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यूक्रेन में फंसे सभी भारतीयों को लाने के लिए हर संभव कोशिशें की जा रही हैं। इन भारतीयों को सरकार के खर्चे पर देश वापस लाया जाएगा। इसके लिए हमने यूक्रेन के पड़ोसी देशों से उड़ानों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है... वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को बस्ती जिले के एक पालिटेक्निक मैदान में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पिछली सरकारों ने विदेश से रक्षा सामानों को मंगवाने पर जोर दिया। विपक्ष पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इन लोगों को दूसरे देश पर निर्भर रहना अच्छा लगता है। घोर परिवारवादियों ने देश के रक्षा उद्योग को बर्बाद कर दिया। अब हमारी सरकार यूपी में बहुत बड़ा डिफेंस कारिडोर बना रही है।

कर्नाटक हिजाब विवाद को उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने बताया अनावश्यक

बेंगलुरु। कर्नाटक में हिजाब विवाद के बीच, उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने शनिवार को कहा कि अनावश्यक विवादों को प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए और छात्र स्कूल की यूनिफॉर्म द्वारा निर्देशित होने चाहिए। नायडू ने बेंगलुरु में एक निजी स्कूल में 'इंडोर स्पोर्ट्स एरीना' और 'लैटरली' का उद्घाटन करने के बाद कहा, 'कर्नाटक में जारी विवाद की तरह के अनावश्यक विवादों को प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। एक स्कूल में, आप सभी स्कूल की यूनिफॉर्म द्वारा निर्देशित होते हैं, चाहे वह कोई भी यूनिफॉर्म हो। विविध भारतीय संस्कृति की सुंदरता को महसूस करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा, 'विविधता में एकता, भारत की विशेषता है। अलग भाषा, अलग वेष - फिर भी अपना एक देश।' उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को यह याद रखना चाहिए कि वे पहले भारतीय हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, 'चाहे कोई भी जाति, पंथ, लिंग, धर्म और क्षेत्र हो, इसके बावजूद हम सभी एक हैं। हम पहले भारतीय हैं। इसे सभी को याद रखना चाहिए। कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।' नायडू ने यह भी कहा कि लोगों को उन भाषाओं पर गर्व महसूस करना चाहिए जो वे बोलते हैं और उसे प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने स्कूलों में एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज पर जोर देते हुए कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति इस पहलू पर जोर देती है। उन्होंने सभी राज्य सरकारों और शैक्षणिक संस्थानों से खेल, एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज को प्राथमिकता देने और बच्चों में आध्यात्मिक सोच विकसित करने का भी आग्रह किया। उपराष्ट्रपति ने उपस्थित लोगों से कहा, आध्यात्मिकता का मतलब धर्म नहीं है। धर्म आपकी व्यक्तिगत पसंद है लेकिन हमारी संस्कृति, हमारी विरासत, हमारा धर्म (कर्तव्य) का हम सभी को अपने जीवन में पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक समय में, भारत को एक विश्व गुरु के रूप में जाना जाता था।

53.93 प्रतिशत मतदान, चित्रकूट और अयोध्या में जमकर पड़े वोट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 18वीं विधानसभा के गठन के लिए 12 जिलों के 61 क्षेत्रों में पांचवें चरण का मतदान खत्म हो चुका है। इस दौरान अयोध्या और चित्रकूट जिलों के मतदान केंद्रों पर मतदाताओं का काफी उत्साह दिखा। सुबह से ही वोटरों की लंबी-लंबी लाइनें देखने को मिलीं। इस चरण में मैदान में उतरे 693 प्रत्याशियों में 90 महिलाएं हैं। पांचवें चरण में 2.25 मतदाताओं में 1.20 करोड़ पुरुष, 1.05 करोड़ महिला और 1727 तृतीय लिंग (थर्ड जेंडर) हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पांचवें चरण के मतदान में 12 जिलों के 61 विधानसभा क्षेत्र में दस घंटे यानी सात से पांच बजे के बीच में 53.93 प्रतिशत मतदान हो गया। अभी छह बजे तक मदतान होना है। कई जिलों के पोलिंग बूथों पर लोग लाइन में लगे हैं। इस दौरान चित्रकूट में सर्वाधिक 59.50 प्रतिशत मतदान हो गया था, जबकि सबसे कम वोट 50.20 प्रतिशत वोट प्रतापगढ़ में पड़े थे। पांच बजे तक अमेठी में 52.82, अयोध्या में 58.01, बहराइच में 54.68, बाराबंकी में

54.75, चित्रकूट में 59.50, गोंडा में 54.21, कौशांबी में 56.96, प्रतापगढ़ में 50.20, प्रयागराज में 51.29, रायबरेली में 56.06, श्रावस्ती में 57.24 तथा सुलतानपुर में 54.91 प्रतिशत मतदान हुआ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पांचवें चरण के मतदान में 12 जिलों के 61 विधानसभा क्षेत्र में आठ घंटे यानी सात से 3 बजे के बीच में 46.28 प्रतिशत मतदान हो गया। इस दौरान चित्रकूट में सर्वाधिक 51.65 प्रतिशत मतदान हो गया था, जबकि सबसे कम वोट 42.62 प्रतिशत वोट प्रयागराज में पड़े थे। तीन बजे तक अमेठी में 46.42, अयोध्या में 50.66, बहराइच में 48.75, बाराबंकी में 45.53, चित्रकूट में 51.56, गोंडा में 46.62, कौशांबी में 48.66, प्रतापगढ़ में 44.29, प्रयागराज में 42.62, रायबरेली में 46.86, श्रावस्ती में 49.40 तथा सुलतानपुर में 46.43 प्रतिशत मतदान हो गया था।

कोरोना पर विजय की ओर, देश में बीते दिन 10 हजार नए केस मिले रिकवरी रेट 98.54% हुआ

नई दिल्ली। देश में बीते दिन कोरोना के 10,273 नए केस मिले और 243 मरीजों की मौत हुई। इस दौरान 20,439 लोग रिकवर हुए, जिससे अब तक ठीक होने वालों की संख्या बढ़कर 4,22,90,921 हो गई। फिलहाल 1,11,472 एक्टिव केस हैं, जिसकी दर 0.26% है। इस समय देश में डेली पॉजिटिविटी रेट 1.00% है और वीकली पॉजिटिविटी रेट 1.26% है। शनिवार को देश भर में 10,22,204 कोरोना टेस्ट हुए। अब तक 76.67 करोड़ टेस्ट हो चुके हैं। मालूम हो कि कोविड-19 के खिलाफ वैक्सीनेशन कैंपेन जारी है। देश भर में अब तक 177.44 करोड़ वैक्सीन डोज लग चुकी हैं। केरल में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 3,262 नए मामले सामने आए और महामारी से 181 मरीजों की मौत दर्ज की गई। इसके साथ ही केरल में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 64,94,680 हो गए और मृतकों की संख्या 65,161 पर पहुंच गई। राज्य में हुई 181 मौत में से नौ पिछले 24 घंटे में हुई और 56 मरीजों की मौत पिछले कुछ दिनों में हुई लेकिन दस्तावेज सौंपने में हुई देरी की वजह से इन्हें दर्ज नहीं किया गया था। बाकी 116 मौतों को केंद्र व उच्चतम न्यायालय के दिशा निर्देशों के आधार पर प्राप्त अपील के बाद कोविड-19 से हुई मौत के रूप में दर्ज किया गया। दिल्ली में शनिवार को कोरोना के 440 नए मामले सामने आए और महामारी से दो मरीजों की मौत हो गई। संक्रमण की दर 0.83 प्रतिशत दर्ज की गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में अब तक संक्रमण के 18,59,054 मामले सामने आ चुके हैं और मृतकों की संख्या 26,119 पर पहुंच गई है। दिल्ली में शुक्रवार को संक्रमण के 460 मामले सामने आए थे और संक्रमण की दर 0.81 प्रतिशत थी।

प्रियंका गांधी बोली- यूपी में बीते तीन दशक से केवल हो रही है जाति और धर्म की राजनीति

बलरामपुर। यूपी विधानसभा चुनाव में सभी पार्टियां पूरी ताकत से प्रचार में जुटी हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश की निराशाजनक स्थिति के लिए जाति और धर्म की राजनीति को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि विकास के केवल बड़े दावे किए गए लेकिन पिछले 30 वर्षों (तीन दशक) से केवल जाति और धर्म की राजनीति हो रही है। कांग्रेस नेता ने पीएम नरेंद्र मोदी पर भी कटाक्ष किया कि वह राज्य के किसानों के सामने आवारा पशुओं की वजह से उत्पन्न समस्या से अनभिज्ञ हैं। उन्होंने भाजपा पर विज्ञापनों पर करोड़ों रुपये खर्च करने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री सब भाजपा के हैं लेकिन यहां विकास के नाम पर कुछ भी नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों हुई और जवाब दिया कि इसका सीधा जवाब है कि पिछले 30 वर्षों से जाति और धर्म के नाम पर राजनीति हो रही है। उन्होंने कहा, पहले आपने बसपा को आजमाया, फिर सपा और अब भाजपा पिछले पांच सालों से सत्ता में है लेकिन कोई काम नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि सत्ता में आने वाले इन सभी दलों के नेताओं को पता है कि विकास के नाम पर नहीं सिर्फ जाति और धर्म के नाम पर वोट मिलता है, इसलिए वे जाति और धर्म की बात करेंगे और आपकी भावनाओं का शोषण करेंगे तो उन्हें बिना कोई काम किये भी वोट मिल जाएगा। उन्होंने कहा, आपने इसे उनकी (नेताओं की) आदत बना दी है कि काम करने की कोई जरूरत नहीं है। आप भावनात्मक मुद्दों पर आंखें बंद करके मतदान करेंगे, भले ही आपके बच्चे बेरोजगार हों। भाजपा नेताओं पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, "वे यहां आते हैं और पाकिस्तान, आतंकवाद, जाति और धर्म की बात करते हैं लेकिन कोई आपके बारे में बात नहीं करता है।" आवारा पशुओं की समस्या का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस मुद्दे को हल करने के लिए सुझाव दिया था कि छत्तीसगढ़ मॉडल यहां लागू किया जा सकता है लेकिन कोई जवाब नहीं आया। उन्होंने तंज करते हुए कहा, "पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री ने कहा था कि उन्हें आवारा मवेशियों की समस्या के बारे में नहीं पता है जो पिछले पांच सालों से जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीबों को जानबूझकर गरीब रखा जा रहा है क्योंकि जो नीतियां अपनाई जा रही हैं वे अमीरों के लिए हैं। वाड्रा ने अपनी पार्टी के वादों पर यह कहते हुए विस्तार से बताया कि कांग्रेस के पास विकास के लिए दृष्टि है और लोगों से विवेकपूर्ण और जिम्मेदारी से मतदान करने के लिए कहा।

जम्मू-कश्मीर में जब भी चुनाव होगा लड़ेंगे : फारूक अब्दुल्ला

जम्मू। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में जब भी चुनाव होंगे, उनकी पार्टी लड़ेगी, लेकिन वह केंद्र शासित प्रदेश में चल रही परिसीमन की प्रक्रिया पर आलोचनात्मक रुख कायम रखेगी। अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर की मुख्य धारा की पांच पार्टियों के गुपकर गठबंधन (पीएजीडी) की अपने आवास पर हुई बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में यह घोषणा की। परिसीमन आयोग की मसौदा रिपोर्ट पर चर्चा के लिए पीएजीडी की बैठक बुलाई गई थी। अब्दुल्ला ने कहा कि हम चुनाव लड़ेंगे। इसमें कोई शक नहीं है। हम इससे भागेंगे नहीं लेकिन यह (परिसीमन आयोग का मसौदा रिपोर्ट) है जो हमें पीड़ा देता है। उन्होंने अपने आरोप को दोहराया कि यह भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया है और इसका लक्ष्य केंद्र द्वारा वर्ष 2019 में अनुच्छेद-370 को निष्क्रिय करने के फैसले की वैधता को साबित करना है। पीएजीडी की बैठक के बाद गठबंधन के प्रवक्ता एम वाई तारिगमी ने कहा कि वे परिसीमन के खिलाफ नहीं है, क्योंकि यह वर्ष 2026 में होना था लेकिन मौजूदा समय में चल रही प्रकिया "असंवैधानिक" है क्योंकि यह जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के तहत हो रही है जिसे गठबंधन के घटक द्वारा उच्चतम न्यायलय में चुनौती दी गई। तारिगामी ने अनुच्छेद-370 को निष्क्रिय करने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के फैसले का हवाला देते हुए कहा, "हमारा रुख है कि पांच और छह अगस्त 2019 को संसद में जो भी हुआ था वह अंसवैधानिक है।" पीएजीडी के अध्यक्ष अब्दुल्ला ने कहा कि भाजपा को उम्मीद है कि वह परिसीमन के बाद विधानसभा की अधिकतर सीटों पर जीत दर्ज करेगी। अब्दुल्ला ने दावा किया कि वे विधानसभा में प्रस्ताव पारित कराना चाहते हैं कि जो भी अगस्त 2019 में हुआ वह स्वीकार्य है।

चिंतन मनन

यूक्रेन अलग-थलग

यूरोप में छिड़ी जंग में यूक्रेन अकेला छूट गया है। उसे रूस के गुस्से का शिकार होना पड़ रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि, अमेरिकी समर्थन वाला यूक्रेन इस जंग में इतना अलग-थलग क्यों पड़ गया? आखिर, नाटो सदस्य देश और अमेरिका सीधे तौर पर रूस से टकराने से क्यों पीछे हट रहे हैं। सीधे हमले के बजाय वे बस बयानबाजी और प्रतिबंधों तक क्यों सीमित हैं? रूस के राष्ट्रपति पुतिन से टकराना किसी भी देश के लिए आसान नहीं है। यह बात अमेरिका भी जानता है। यही कारण है कि अमेरिका ने सीधे तौर पर कहा दिया कि वह अपनी सेना यूक्रेन में नहीं भेजेंगे। ऐसा ही संदेश नाटो की ओर से भी दिया गया है। मतलब है कि, यूक्रेन को यह जंग अकेले ही लड़नी पड़ेगी। रूस जब यूक्रेन पर हमले की तैयारी कर रहा था। सीमाओं पर सैनिक तैनात किए जा रहे थे, तब अमेरिका सबसे ज्यादा उग्र था। बाइडेन ने यहां तक कह दिया था कि अगर यूक्रेन पर हमला हुआ तो नाटो सदस्य देश मिलकर रूस पर हमला करेंगे और इसके अंजाम बहुत बुरे होंगे, लेकिन रूस इन धमकियों से पीछे नहीं हटा और उसने यूक्रेन पर सैन्य अभियान शुरू कर दिया। इसके बाद से अब तक न ही अमेरिका और न ही नाटो का कोई सदस्य देश रूस से सीधे टकराने के लिए आगे आया है। रूस पर सीधे हमले से यूरोपीय देश पीछे हट रहे हैं। प्रमुख कारण है, इन देशों की रूस पर निर्भरता। दरअसल, यूरोपीय देश ऊर्जा के लिए बहुत हद तक रूस पर निर्भर हैं। यूरोपीय संघ के कई देश, जो नाटो सदस्य भी हैं अपनी प्राकृतिक गैस आपूर्ति का 40 फीसदी हिस्सा रूस से प्राप्त करते हैं। ऐसे में अगर रूस गैस और कच्चे तेल की सप्लाई रोक देता है, तो यूरोप बड़े ऊर्जा संकट की कगार पर खड़ा हो जाएगा। बिजली व पेट्रोलियम उत्पादों पर महंगाई कमर तोड़ सकती है। यह बात सभी देश जानते हैं। इसलिए यूरोपीय देश सीधे तौर पर रूस से टकराने से हिचक रहे हैं। अमेरिका व अन्य कई देशों द्वारा रूस पर प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। इसके बावजूद रूस रुकने के लिए तैयार नहीं है। दरअसल, रूस ने अपनी ताकत को इस कदर बढ़ाया है कि, यह देश किसी भी तरह के प्रतिबंध से बहुत प्रभावित होने वाला नहीं है। अमेरिका व नाटो देशों द्वारा सीधे हमला न करने का एक कारण यह भी है। दरअसल, जनवरी में रूस का अंतरराष्ट्रीय मुद्रा भंडार 630 अरब डॉलर था। इससे भी दिलचस्प बात यह है कि इसमें से महज 16 फीसदी हिस्सा ही डॉलर के तौर पर रखा है। जबकि, पांच वर्ष पहले यह 40 फीसदी था।चीन एशिया के सबसे शक्तिशाली देशों में से एक है। पिछले कुछ सालों में रूस और चीन के बीच करीबी बढ़ी है। यह बात भी अमेरिका जानता है। वहीं अमेरिका पहले से चीन से दुश्मनी मोल ले चुका है। ऐसे में अगर रूस पर सीधे हमला होता है, तो चीन का साथ उसे जरूर मिलेगा। इसलिए, शक्तिशाली देशों के बीच टकराव हर किसी के लिए नुकसानदेह होगा। रूस परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र है। इसके अलावा उसके पास हथियारों को बड़ा जखीरा है। दुनिया की सबसे बड़ी सेनाओं में से एक रूस के पास है। वहीं अपनी मिसाइल टेक्नोलॉजी से रूस किसी को भी धूल चटाने की ताकत रखता है। पुतिन पहले ही यह कह चुके हैं कि यूक्रेन मसले में किसी ने भी दखल दी तो वह इतिहास का सबसे बुरा अंजाम देखेगा। इसलिए अमेरिका व नाटो सदस्य राष्ट्र जानते हैं कि पुतिन से सीधे टकराने का मतलब भारी तबाही होगी। अमेरिका कुछ भी कहे, लेकिन रूस से टकराने की स्थिति में कोई भी यूरोपीय देश नहीं है। ऐसे में लड़ाई लंबी नहीं खिंच सकती। ये देश रूस को भड़काना नहीं चाहेंगे और यूक्रेन पर रूसी हमले का 'मुंहतोड़ जवाबझ शायद ही सामने आए। लड़ाई तब तक विश्वयुद्ध का रूप नहीं लेगी, जब तक अमेरिका या नाटो खुलकर शामिल नहीं होते। अमेरिका और नाटो दोनों ने अभी यूक्रेन में सेना नहीं भेजने की बात कही है। 21वीं सदी के सभी युद्ध अमेरिका और उसके साथी देशों ने मिलकर लड़े हैं। जंग करने और दूसरे देशों पर सैन्य इच्छा थोपने वाले देश ही बड़ी ताकतें माने जाते रहे। ऐसे में रूस ने इस हमले से खुद को असल महाशक्ति बताने की कोशिश की है।

सकुशल हैं पहुंच रहे!

वतन वापसी कितना ।
दे रही आनंद ।।
सकुशल हैं पहुंच रहे ।
खुले रास्ते बंद ।।
तड़प रहे थे आने को ।
काम पर सरकार ।।
लौटना ये घर को ।
रहना यादगार ।।
थी जरूरत जिसकी ।
मिला वो सहारा ।।
डूबते को आज ।
तिनके का सहारा ।।
असमंजस थी स्थिति ।
साफ हुई तस्वीर ।।
इंतजार तो कर लेते ।
क्यों होना अधीर ?

–कृष्णोन्द्र राय

मातृभाषा ही अभिव्यक्ति का सबसे सुगम माध्यम!

हिंदी देश में जन-जन के पारस्परिक सम्पर्क की भाषा रही है। यह केवल उत्तरी भारत की नहीं, बल्कि दक्षिण भारत के आचार्यों वल्लभाचार्य, रामानुज, रामानंद, शंकराचार्य आदि ने भी इसी भाषा के माध्यम से अपने मतों का प्रचार किया था। अहिंदी भाषी राज्यों के भक्त-संत कवियों जैसे– असम के शंकरदेव, महाराष्ट्र के ज्ञानेश्वर व नामदेव, गुजरात के नरसी मेहता, बंगाल के चैतन्य आदि ने इसी भाषा को अपने धर्म और साहित्य का माध्यम बनाया था।

जब फारसी या अंग्रेजी के माध्यम से परेशानी हुई तो अंग्रेजों ने फोर्ट विलियम कॉलेज में हिंदी विभाग खोलकर अधिकारियों को हिंदी सिखाने की व्यवस्था की। यहाँ से हिंदी पढ़े हुए अधिकारियों ने भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में उसका प्रत्यक्ष लाभ देकर मुक्त कंठ से हिंदी को सराहा। सी. टी. मेटकाफ ने 1806 ई. में अपने गुरु जॉन गिलक्राइस्ट को लिखा– 'भारत के जिस भाग में भी मुझे काम करना पड़ा है, कलकत्ता से लेकर लाहौर तक, कुमाऊँ के पहाड़ों से लेकर नर्मदा नदी तक मैंने उस भाषा का आम व्यवहार देखा है, जिसकी शिक्षा आपने मुझे दी है। मैं कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक या जावा से सिंधु तक इस विश्वास से यात्रा करने की हिम्मत कर सकता हूँ कि मुझे हर जगह ऐसे लोग मिल जाएँगे जो हिन्दुस्तानी बोल लेते होंगे।'

टॉमस रोबक ने 1807 ई. में लिखा– 'जैसे इंग्लैण्ड जाने वाले को लैटिन सेक्सन या फ्रेंच के बदले अंग्रेजी सीखनी चाहिए, वैसे ही भारत आने वाले को अरबीझफारसी या संस्कृत के बदले हिन्दुस्तानी यानि हिंदी सीखनी चाहिए।'

विलियम केरी ने 1816 ई. में लिखा– 'हिंदी किसी एक प्रदेश की भाषा नहीं बल्कि देश में सर्वत्र बोली जाने वाली भाषा है।'

एच. टी. कोलब्रुक ने लिखा– 'जिस भाषा का व्यवहार भारत के प्रत्येक प्रान्त के लोग करते हैं, जो पढ़े-लिखे तथा अनपढ़ दोनों की साधारण बोलचाल की भाषा है, जिसको प्रत्येक गाँव में थोड़े बहुत लोग अवश्य ही समझ लेते हैं, उसी का यथार्थ नाम हिंदी है।'

जार्ज ग्रियर्सन ने हिंदी को 'आम

बोलचाल की महाभाषा' कहा है।

हिंदी की व्यावहारिक उपयोगिता, देशव्यापी प्रसार एवं प्रयोगगत लचीलेपन के कारण अंग्रेजों ने हिंदी को अपनाया। उस समय हिंदी और उर्दू को एक ही भाषा माना जाता था। अंग्रेजों ने हिंदी को प्रयोग में लाकर हिंदी की महती संभावनाओं की ओर राष्ट्रीय नेताओं एवं साहित्यकारों का ध्यान खींचा था।

ब्रह्म समाज के संस्थापक राजा राममोहन राय ने सन 1828 में कहा, इस समग्र देश की एकता के लिए हिंदी अनिवार्य है। ब्रह्मसमाजी केशव चंद्र सेन ने 1875 ई. में एक लेख लिखा, भारतीय एकता कैसे हो, 'जिसमें उन्होंने लिखा– उपाय है सारे, भारत में एक ही भाषा का व्यवहार। अभी जितनी भाषाएँ भारत में प्रचलित हैं, उनमें हिंदी भाषा लगभग सभी जगह प्रचलित है। यह हिंदी अगर भारतवर्ष की एकमात्र भाषा बन जाए तो यह काम सहज ही और शीघ्र ही सम्पन्न हो सकता है। एक अन्य ब्रह्मसमाजी नवीन चंद्र राय ने पंजाब में हिंदी के विकास के लिए स्तुत्य योगदान दिया। आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती गुजराती भाषी थे एवं गुजराती व संस्कृत के अच्छे जानकार थे। हिंदी का उन्हें सिर्फ. कामचलाऊ ज्ञान था, पर अपनी बात अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने के लिए तथा देश की एकता को मजबूत करने के लिए उन्होंने अपना सारा धार्मिक साहित्य हिंदी में ही लिखा। उनका कहना था कि हिंदी के द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है। वे इस 'आर्यभाषा' को सर्वात्मना देशोन्नति का मुख्य आधार मानते थे। उन्होंने हिंदी के प्रयोग को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। वे कहते थे, 'मेरी आँखें उस दिन को देखना चाहती हैं, जब कश्मीर से कन्याकुमारी तक सब भारतीय एक भाषा समझने और बोलने लग जाएँगे। मातृभाषा कोई भी हो, उसे बोलना व लिखना बेहद सहज होता है। चूंकि मेरी मातृभाषा हिंदी है, जो मेरे लिए गौरव की बात है। सच पूछिए तो हिंदी को मात्र भारत की भाषा नही कह सकते। देवनागरी हिंदी भाषा मे अ, आ,इ, ई,ओ,उ,में जो स्वर गूंजते है वही स्वर नवजात शिशु के रुदन से प्रकट होते है।चूंकि दुनिया के सभी शिशुओं के रुदन ध्वनि एक ही प्रकार की है। इसलिए कह सकते है कि हिंदी हर मानव प्राणी की जन्म की भाषा है।

किसी भी देश की राष्ट्रभाषा राष्ट्रीय एकता एवं अंतर्राष्ट्रीय संवाद सम्पर्क की आवश्यकता की उपज होती है। राष्ट्र की जनता जब स्थानीय एवं तत्कालिक हितों व पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर अपने राष्ट्र की कई भाषाओं में से किसी एक भाषा को चुनकर उसे राष्ट्रीय अस्मिता का एक आवश्यक उपादान समझने लगती है तो वही भाषा,राष्ट्रभाषा कहलाने लगती है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हिंदी स्वाधीनता सेनानियों के सम्पर्क की भाषा रही,तभी तो हिंदी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राष्ट्रभाषा कहलाई और उसने यह सम्मान प्राप्त भी किया। हालांकि राष्ट्रभाषा शब्द कोई संवैधानिक शब्द नहीं है, बल्कि यह प्रयोगात्मक, व्यावहारिक व जनमान्यता प्राप्त शब्द है। राष्ट्रभाषा सामाजिक, सांस्कृतिक स्तर पर देश को जोड़ने का काम करती है अर्थात राष्ट्रभाषा की प्राथमिक शर्त देश में विभिन्न समुदायों के बीच भावनात्मक एकता स्थापित करना है। राष्ट्रभाषा का प्रयोग क्षेत्र विस्तृत और देशव्यापी होता है। राष्ट्रभाषा सारे देश की सम्पर्क भाषा होती है।

(कविता)

युद्ध

फिजाओं में घुली है
बारूद की गंध
मलबों में चीखती
हैं लाशें
खंडहर हो चुके
शहर-दर-शहर
रक्त से रंजीत हैं सड़कें ...

मासूम आँखों में सवाल है
शांत शहर में क्यों बवाल है
क्यों गरजती हैं तोपें
बरसते हैं क्यों गोले

तुम किसे जीतना चाहते हो
डर को, मृत्यु को या खुद को
जो डरता है वहीं युद्ध लड़ता है
मुझे युद्ध नहीं बुद्ध चाहिए

तुम जीत सकते हो सम्राज्य
तुम जीत सकते हो राज्य
तुम जीत सकते हो शहर
लेकिन नहीं जीत सकते इंसाननियत

स्वतंत्र लेखक और पत्रकार
प्रभुनाथ शुक्ल (स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार)
ग्रामः हरीपुर, पत्रालय : अभिया
जिला : भदोही
पिन : 221404 (उप्र)
मोबाइल : 9450254645
व्हाट्सप: 8924005444

बसंत की बहे ला ब्यार 'घर लौट आओ सजना हमार'

भारत को पर्व त्योहारो का देश कहा गया है।यहाँ की संस्कृति - सभ्यता ही विश्व के मानचित्र में हमारी पहचान है। लेकिन दुःख की बात यह है कि इस भौतिक वादी युग में आज मानव अपने भोग विलास इतना लिप्त हो गया है कि उसे पता ही नही है कि उसके जीवन का लक्ष्य क्या है।आज उसके पास समय नही है।विगत वर्षो में प्रकृति ने मानव को उसके जीवन के वास्तविक जीवन से परिचय वैश्विक महामारी कोरोना संकट काल में कराया दिया है।

वसंत ऋतु का आगमन हो चुका है।वसंत के स्पर्श मात्र से प्रकृति पुल्लकित व पल्लवित हो गई है । प्रकृति ने अपना श्रंगार किया है । खेतो में खड़ी सरसों के लहराते पीले फूलों ने वसंत बयारों के साथ नव यौवनाओं की तरह अठ खेलियाँ कर रही है।बागों में आम के पेड़ो पर नव मंजरी की मन मोहक मादकता की सुगंध से जग जाहिर हो गया है कि ऋत राज का आगमन हो चुका है।ऋतराज वसंत अपने साथ प्राकृतिक आनंद लेने की सुःखद सौगात लेकर आपके घर आँगन में अपनी उपस्थित दर्ज करा दी है।जिस की चर्चा गाँव में बुजुर्गों के चौपाल,पनघट पर पन हारियों की घूंघट के अन्दर से निकलती विरह की गीतों सुनाई पड़ने लगी है।बसंत आगमन की खुशी में बाग -बगीचे व उपवन में रंग बिरंगे सुमन की सुंगध चहुं दिशायें महक उठी है,चिड़ियाँ चहकने लगी है।प्रकृति का पराग पर्यावरण में इस कदर छलका है कि देश का सम्पूर्ण परिवेश आनंदित हो गया है।सारे जहान में सरसता ही सरसता झलकता है। मै अपनी विस्तर पर लेटा ही था,तभी मेरी नजर अनायास ही समाने की दीवार पर टंगे हुए पर पड़ते ही पता चला कि वसंत के मनमोहक मादकता की महक से भरे वातावरण में प्रकृति रानी एक नव नवेली दुल्हन की तरह सातों श्रृंगार करने के लिए तत्पर है ' वही ओर पर्वत राज हिमालय के स्वेत हिम खण्डों से सर्द हवाओं का हाड़ कप कपाने वाली सर्दी हम कहानी सम्राट मंशी प्रेमचंद जी द्वारा लिखित कहानी 'पुस की रात 'की यादें ताजा कर रही है। आज के भौतिकवादी युग में वसंत की यादें धूमिल सी हो गई है। खासकर विकाश के नाम पर जगह - जगह विकाश काय कंकरीट के जंगल गगन चुम्वी इमारतों में रहने वाले समाज के सभ्य मानव मशीनों की तरह अपने जीवन जीने को मजबूर है। मै सोचने को बाध्य हो गया हुँ कि काश इस समय मै अपने गाँव में होता जहाँ ऋतु राज वसंत आगमन के स्वागत में गाँव के सभी बच्चे बुड़े ,नव युवक -नव युवतियां' किसान व ग्रहणी अपने अपने स्तर तैयारियो में जुट जाते है।अन्न दाता किसान अपने खेतों में लहराते हुए रवि फसलों में लगे हरे हरे गेंहू की बाली,चने-मटर व तीसी के रंग बिरंगें फुलों के संग वसंत वयारो प्रकृति अपनी अल्हड यौवन की अटखेलियाँ थकते नही है।यहाँ के सभी वन उपवन में खिले रंग विरगें फुलों से स्वयं प्रकृति ने श्रृंगार किया है। तभी तो रसिक भंवर में अपने मधुर संगीत की प्रेम धुन छेड़ दी है।संगीत के मर्मज्ञ संगीतकारो ने अपनी साज व वाध्य यंत्रो से संगीत के मधुर रस घुलने वाली तान का रियाज करने में व्यस्त हो गए है।इस वासंतिक स्पर्श से साधको का अन्त करण भी कैसे अछुता रह सकता है। साधकों के

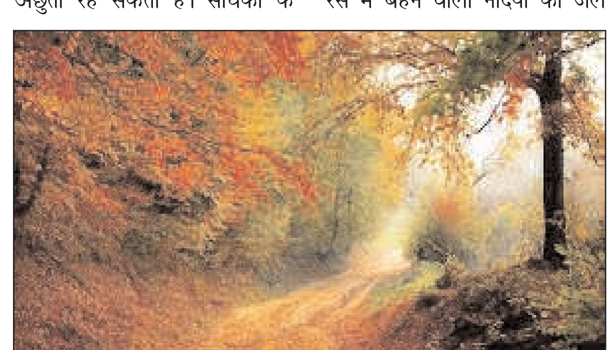

संकल्प में नये सुमन खिले है जो साधना में बिखेर रही है।अपने सद्गुरु की सानिध्य में साधकों द्वारा साधना के सातो स्वर 'आस्था,श्रद्धा,सेवा , समपर्ण,त्याग 'करूणा व प्रेम ने माधुर्य रस बरसाने लगे है। सद्गुरू प्रेम के सरगम ने साधकों के अंत करण इस कदर तान छेडी है कि आज सम्पूर्ण वातावरण स्पंदित होने लगा है।यहाँ तक की स्वयं अज्ञानता रूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश अथार्त स्वयं ज्ञान की देवी सरस्वती विभोर व भाव विहल हो कर महाप्रज्ञा कि ऋतम्भरा बन कर समस्त मानव समुदाय को वरदान देते हुए साधको के अन्तस के अस्तित्व में स्वयं अवतरित हो रही है।वसंत की उपस्थित में सदा मौन रहने वाला पर्वतराज हिमालय भी आज अपने आप को अछुता नही रख पाया है। बसंत के माधुर्य बयारों से हिमखंड हिमालय को मुखर कर दिया है।उससे गुजरने वाला वायु के वात रस में बहने वाली नदियों की जल धारा में मिठास घोल दी है।मधुमास के रंग में मधुवती हो गई है देवदार चीर - चिनार के संग अनेकों जुड़ी बुटी व औषिध पौधे ने अभय दान का अमृत रस घोलने शुरू कर दिया है।हिमालय के कंदराओं में साधना रत ऋषि मुनि अपना मौन तोड़कर मुखर हो गए है। स्वेत हिम खण्ड से सदा ही अच्छादित कैलाश वासी सदगुरु शिव शंकर ने अपने साधक संतानों को साधना द्वारा अपने अंतकरण क्रे द्वार की चाबी सौप कर उनका मार्ग दर्शन कर रहे है। आज मलयाचल पर्वत से अमृत वेला में बहने वाली ब्यार के संग संदेश भेजा है कि यह साधना की वेला है जन जागरण का समय व अध्यात्मिक कान्ति के माध्यन से नर से नारायण बनने की वेला है । जो जागृत है ,साधना रत है लेकिन अपने अंतराल के अंधकारमय अंहकार मे उलझे है ' वे ये नही जानते है कि बाहर से दिखने वाला स्वर्ण कलश में भड़कीले - चमकीले पश्चिमी सभ्यता ने हमारे समाज में शनै शनै विष घोल रही है।इस सभ्यता के प्रबल समर्थक भारतीय प्राचीन सभ्यता व संस्कृति की मिटटी कलश में छिपे अमृत कलश की अनदेखी करने है।जिसके दुष्परिणाम आज आप व हमारे समाने है। ऐसे मे प्रेम पथिक वसंत ने भारत भुमि के निवासी यह कहने को मजबूर हो गया है कि " तुमने मुझे रुला दिया रे -- -- -- रुला दिया।तुम ने मुझे भूला दिला रे --- - भुला दिया लैकिन मै तुझे कैसे भुला सकता हूँ । मुझे तो इस देव भुमि से प्रगाढ़ प्रेम है । आप के पुर्वजों से वे शर्त प्रेम है।इसलिए मै प्रत्येक वर्ष अपने चाहने वाला निष्क्राम प्रेमियों के लिए आता था ' आ गया हूँ और भविष्य में भी आता रहुँगा।अपने प्रेमी के जीवन में आनंद रस घोल कर अमृत पान कराने के लिए! आज के भौतिकवादी युग में खास कर शहरी करण में मानव अपने जीवन के आपा धापी में इतना मसगूल हो गया है उसे पता ही नही उसके जीवन का लक्ष्य क्या है। मै भी इससे अछूता नहीं रह गया हूँ । तभी अचानक अपने गाँव के गलियों में वितायें हुए दिन की स्वर्णिम यादें सताने लगी है। मेरे नजर के समाने चलचित्र के समान बसंत पंचमी के बहने वाले वासंतिक बयार व गांव नव विवाहित महिला का नव यौवनायें से रोजी रोटी कमाने गये प्रियतम के नाम प्रेम .. में प्रेम भाव से उल्हाने व स्नेह भाव निमंत्रण भेजने का आग्रह करती है कि मेरे प्रिय प्रियतम अब तुम्हारे बिना मेरे से नही रहा जाता है। तुम कब घर आओगे ' मेरे नयन के आंसू भी सुख गये है ! माँ जी बात बात उल्हानें व छोटी ननद की ताने सुन सुन कर मै अब और नही जी सकती हूँ ' गाँव की गलियों ' पनघट पर पनिहारी के विरह गीतों नें मेरे हृदय में तीर चला कर घायल कर दिया है। उपर कोमल की प्यारी सी कू - कू भी अभी नही भाती है। उपर से ऋतु राज बसंत के आगमन से प्रकृति ने भी अपना सोलह श्रृंगार कर मेरे जीवन में विरह की आग लगा दिया है। अब तो घर लौट कर आ जाओ । बसंत की बहे ला ब्यार ' सजना घर लौट आओ हमार। प्रिय पाठक आप के जीवन मे भी वसंत आप के दलहिज पर आ कर दस्तक दे रहा है। आपको हंसाने ' जीवन का सच्चे आनंद लेने के लिए! यह वसंत आपके जीवन में प्रेम अनुराग ' उल्लास लाये यही हमारी कामना है।फिल हाल यह कहते हुए विदा लेते है - ना ही काहू से दोस्ती,ना ही काहूं से बैर। खबरी लाल तो माँगे सबकी खैर॥

महाशिवरात्रि का महत्त्व एवं शिवजी को अभिषेक करने का शास्त्राधार

पृथ्वी का एक वर्ष स्वर्ग लोक का एक दिन होता है । पृथ्वी स्थूल है । स्थूल की गति कम होती है अर्थात स्थूल को ब्रह्मांड में यात्रा करने के लिए अधिक समय लगता है । देवता सूक्ष्म होते हैं एवं उनकी गति भी अधिक होती है । इसलिए उन्हें ब्रह्मांड में यात्रा करने के लिए कम समय लगता है । यही कारण है कि, पृथ्वी एवं देवता इनके काल गणना में एक वर्ष का अंतर होता है । शिवजी रात्रि एक प्रहर विश्राम करते हैं । उनके इस विश्राम के काल को महाशिवरात्रि कहते हैं । महाशिवरात्रि दक्षिण भारत एवं महाराष्ट्र में शक संवत कालगणनानुसार माघ कृष्ण चतुर्दशी तथा उत्तर भारत में विक्रम संवत कालगणनानुसार फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को आती है ।

महाशिवरात्रि का शास्त्रीय दृष्टि से महत्त्व– महाशिवरात्रि पर शिवजी जितना समय विश्राम करते हैं, उस कालको प्रदोष अथवा निषिथकाल कहते हैं । इस समय शिव ध्यानावस्था से समाधि-अवस्था में जाते हैं । पृथ्वी पर यह काल सर्वसामान्यतः एक से डेढ घंटे का होता है । इस काल में किसी भी मार्ग से, ज्ञान न होते हुए, जाने-अनजाने में उपासना होने पर भी अथवा उपासना में कोई दोष अथवा त्रुटी भी रहे, तो भी उपासना का 100 प्रतिशत लाभ होता है । इस दिन शिवतत्त्व अन्य दिनों की तुलना में एक सहस्त्र गुना अधिक कार्यरत रहता है । इस दिन की गई शिव की उपासना से शिवतत्त्व अधिक मात्रा में ग्रहण होता है । इस कालावधि में शिवतत्त्व अधिक से अधिक आकृष्ट करनेवाले बेलपत्र, श्वेतपुष्प इत्यादि शिवपिंडी पर चढाए जाते हैं । इनके द्वारा वातावरण में विद्यमान शिवतत्त्व आकृष्ट किया जाता है । शिवतत्त्व के कारण अनिष्ट शक्तियों से हमारी रक्षा होती है । महाशिवरात्रि के दिन शिवतत्त्व के अधिक मात्रा में कार्यरत होने से आध्यात्मिक साधना करने वालों को विविध प्रकार की अनुभूतियां होती हैं ।

शिवजी का अभिषेक करने का महत्त्व एवं शास्त्राधार– महाशिवरात्रि पर कार्यरत शिवतत्त्व का अधिकाधिक लाभ लेने हेतु शिवभक्त शिवपिंडी पर

अभिषेक भी करते हैं । इसके रुद्राभिषेक, लघुरुद्र, महारुद्र, अतिरुद्र ऐसे प्रकार होते हैं । रुद्राभिषेक अर्थात रुद्र का एक आवर्तन, लघुरुद्र अर्थात रुद्रके 121 आवर्तन, महारुद्र अर्थात 11 लघुरुद्र एवं अतिरुद्र अर्थात 11 महारुद्र होते है ।

शिवपिंडी पर संततधार अभिषेक करने के प्रमुख कारण– शिव-पार्वती को जगत के माता-पिता मानते हैं । अभिषेक पात्र से गिरने वाली सततधार के कारण पिंडी एवं अरघा नम रहते हैं । अरघा योनि का प्रतीक है । जगन्माता की योनि निरंतर नम रहना अर्थात गीली रहना शक्ति के निरंतर कार्यरत होने का प्रतीक है । शक्ति शिव को कार्यान्वित करने का कार्य करती है । शिव तत्त्व कार्यान्वित होना अर्थात शिव का निर्गुण तत्त्व सगुण में प्रकट होना । अभिषेक करने से पूजा करने वाले को शिव की सगुण तरंगों का लाभ मिलता है । पिंडी में शिव-शक्ति एकत्रित होने के कारण अत्यधिक मात्रा में ऊर्जा निर्मित होती है । सामान्य दर्शनार्थियों में यह ऊर्जा सहने की क्षमता न होने के कारण उन्हें इस उर्जा से कष्ट हो सकता है । इसलिए पिंडी पर निरंतर पानी की धारा प्रवाहित की जाती है । इससे दर्शनार्थियों के लिए वहां की शक्ति सहने तथा ग्रहण करने योग्य बनती है ।

बिल्वार्चन – शिव जी बिल्व के पत्ते चढ़ाना– महाशिवरात्रि पर कुछ लोग विशेष रूप से शिवजी को बिल्वार्चन अर्थात बेल पत्र अर्पित करते हैं । शिवजी के नाम का जप करते हुए अथवा उनका एक-एक नाम लेते हुए शिवपिंडी पर बिल्वपत्र अर्पण करने को बिल्वार्चन कहते हैं । इस विधि में शिवपिंडी को बिल्व पत्रों से संपूर्ण ढक दिया जाता है । शिवजी को अगरबत्ती दिखाते समय तारक उपासना के लिए चमेली एवं हिना की गंधों की अगरबत्तियों का उपयोग किया जाता है तथा इन्ही सुगंधों का इत्र अर्पण करते है । परंतु महाशिवरात्रि के पर्व पर शिवजी को केवडे की सुगंध वाला इत्र एवं अगरबत्ती का उपयोग बताया गया है ।

महाशिवरात्रि के पर्व पर शिवजी की पूजा में केवडे के सुगंध वाला इत्र एवं अगरबत्ती का उपयोग क्यों न करें? – केवडे में ज्ञान तरंगों के प्रक्षेपण की क्षमता अधिक होती है । केवडा ज्ञान शक्ति के स्तर पर मारक रूपी कार्य करता है। इसलिए उसे पूर्णतः लयकारी कहा गया है । पूजाविधि लयकारी शक्ति से संबंधित नहीं है, इसलिए जहां तक संभव हो, शिव पूजन में केवडे का उपयोग नहीं करते । तत्पश्चात भी अनिष्ट शक्तियों के कष्टों पर उपाय स्वरूप केवडे के पत्ते का उपयोग किया जाता है । इस दृष्टि से महाशिवरात्रि के पर्व पर शिवजी के मारक रूप की उपासना के लिए केवडे के सुगंध वाला इत्र एवं अगरबत्ती का उपयोग करने के लिए कहा गया है ।

आमतौर पर कोई बात भूलने को या सही समय पर कुछ याद ना आने को कमजोर याद्दाश्त (दिमाग) की निशानी मान लिया जाता है। जबकि वैज्ञानिक भूलने को स्वस्थ मस्तिष्क का लक्षण मानते हैं। कुछ वैज्ञानिकों के द्वारा किए गए शोध अध्ययनों से प्राप्त निष्कर्षों के बारे में जानकर आप भी कुछ भूलने पर परेशान या मायूस नहीं होंगे, बल्कि खुद को स्वस्थ दिमाग वाला व्यक्ति मानेंगे।

अरे, भूल गए... तो क्या हुआ!

साइंस फैक्ट

याद्दाश्त बढ़ाएं। मेमोरी शार्प करें। सीखें स्मार्ट मेमोरी के वैज्ञानिक तरीके। इन दिनों हर रोज हम ना जानें ऐसे कितने विज्ञापन मीडिया के अलग-अलग माध्यमों पर बार-बार देखते, सुनते और पढ़ते हैं। तो क्या भूलना इंसान के लिए कोई बहुत बड़ी समस्या है, इसलिए याददाश्त को बढ़ाने का इतना बड़ा और आकर्षक बाजार है? ये विज्ञापन तो यही कहते हैं। लेकिन बाजार कुछ कहे, वैज्ञानिकों का कहना तो कुछ और ही है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर आप अल्जाइमर जैसी स्मृतिभ्रंश की बीमारी से ग्रस्त नहीं हैं, जिसमें याद करने की समूची क्रिया ही बिगड़ जाती है, तो भूलना कोई समस्या नहीं बल्कि सेहत के लिए एक वरदान है।

बेहतर याद्दाश्त में मददगार

वैज्ञानिकों के मुताबिक यह सीखने और सहेजने की प्रक्रिया है। वास्तव में सूचनाओं से भरी इस दुनिया में शोर को कम करने और बेकार के विवरणों को त्यागने में सक्षम होने की यह दिमागी ताकत है। अपनी इसी ताकत की बदौलत दिमाग नई बातों और विचारों तक पहुंच पाता है और दिमाग में यादों के रूप में भरी तमाम गैरजरूरी बातें हस्तक्षेप नहीं कर पातीं। मस्तिष्क यह सब काम तब करता है, जब हम दिमागी रूप से सक्रिय नहीं होते, विशेषकर नींद के दौरान। जब हम सो रहे होते हैं, तब हमारा मस्तिष्क यह तय करने में लगा रहता है कि किस याद को सहेजकर रखा जाए और किसे मिटा दिया जाए। दिमाग की इसी प्रक्रिया की बदौलत ही हम बेहतर तरीके से सोच पाते हैं, निर्णय ले पाते हैं और अधिक रचनात्मक बन रहे सकते हैं। वास्तव में यह सामान्य विस्मृति सही मायनों में स्मृति यानी याद्दाशत के साथ संतुलन साधने में मदद करती है। इसी की बदौलत हम सूचनाओं के अंबार में चीजों को समझने के लिए, मानसिक लचीलेपन की सामर्थ्य रखते हैं। भूलने की आदत दरअसल, हमें महत्वपूर्ण जानकारियों तक पहुंचने में मदद करती है।

भूलना भी है महत्वपूर्ण

कोलंबिया विश्वविद्यालय में अल्जाइमर रोग अनुसंधान केंद्र के निदेशक और मेमोरी के संबंध में हाल ही में प्रकाशित अपनी किताब 'फॉरगेटिंगः द बिनेफिट्स ऑफ नाट रिमैंबरिंग' के लिए चर्चा में आए डॉक्टर स्कॉर्ट ए स्मॉल (एमडी) कहते हैं, 'स्वस्थ लोगों में ना केवल भूलना सामान्य है बल्कि यह स्वस्थ मस्तिष्क के लिए जरूरी है ताकि वह सही से अपना कामकाज कर सके। स्मृति का समाप्त होना याद रखने की क्षमता जितनी ही महत्वपूर्ण है।' डॉ. स्मॉल अपनी किताब में इसे विस्तार से समझाते हैं कि भूलने से हमारी रचनात्मक और संज्ञानात्मक क्षमताएं कैसे बढ़ती हैं, जिनका हमें व्यक्तिगत तौर पर लाभ होता है। वे कहते हैं, 'वास्तव में भूलने का महत्व विज्ञान पहले नहीं समझता था, यह उसकी हाल की कोशिशों का नतीजा है।'

जटिल मस्तिष्कीय प्रक्रिया

वैज्ञानिकों ने अपने विभिन्न अध्ययनों में पाया है कि न्यूरांस के भीतर अलग-अलग आणविक नैनो मशीन होती हैं, जिनमें से एक स्मृति के लिए और दूसरी भूलने के लिए होती है। न्यूरांस की यह स्थिति हमारे मस्तिष्क के भीतर एक सक्रिय तंत्र की ओर इशारा करती है, जो हमें सूचनाओं के अनावश्क टुकड़ों को साफ करने की क्षमता देती है ताकि हम दीर्घकालिक भंडारण के लिए अधिक प्रासंगिक बने रहें। वैज्ञानिकों की यह एक बेहद रोमांचक खोज है, जो यह स्पष्ट करती है कि हमारा मस्तिष्क कैसे चीजों को संग्रहित करता है और फिर उन्हें पुनः प्राप्त करता है। हालांकि डॉक्टर स्माल अपनी किताब में फॉरगेटिंग यानी भूलने को उन प्राकृतिक प्रक्रियाओं के साथ जोड़ते हैं, जिनके साथ हम पैदा होते हैं और जो सभी स्वस्थ व्यक्ति में होती है और जो बहुत जरूरी भी है।

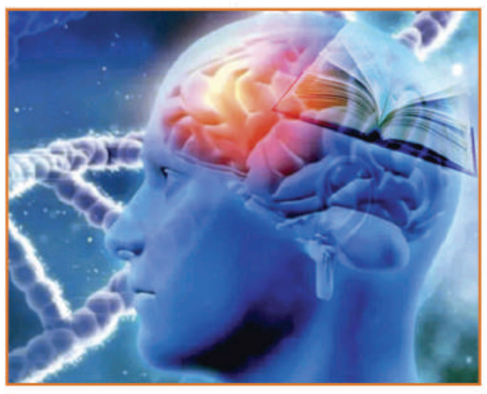

दिमाग स्वयं लेता है निर्णय

कुल मिलाकर अंतिम निष्कर्ष यह है कि जीवन में भूलना भी सहज और स्वस्थ जीवन प्रक्रिया का हिस्सा है, क्योंकि ऐसा कभी नहीं होता कि जो चीजें हम भूल जाएं वे कभी हमें दोबारा याद ही ना आएं। कम से कम ऐसा नियम तो लागू नहीं ही हो सकता। क्योंकि सैकड़ों बातें हमें याद नहीं आतीं, वे किसी दूसरे समय याद आ जाती हैं, इसका मतलब यह भी है कि दिमाग यानी कि हमारा मस्तिष्क एक समय उन तक पहुंच नहीं पाता। शायद इसके पीछे मस्तिष्क की वरीयता का सवाल है। हमारे मस्तिष्क की कुछ अपनी वरीयताएं होती हैं। हो सकता है जब हम वो चीजें याद करना चाह रहे हों, उस समय हमारे मस्तिष्क को वह याद करना जरूरी ना लग रहा हो। तो दिमाग ही तय करता है कि हमें कौन-सी बात याद रखनी है और कौन-सी भूल जानी है। इसलिए अगर आप भी घर से निकलते समय गाड़ी की चाबी भूल जाते हैं या बातचीत में उदाहरण देने के लिए किसी किताब का नाम भूल जाते हैं तो इसमें जरा भी परेशान होने की बात नहीं है, यह ना तो कोई कमी है और ना कोई समस्या है। इससे बस यही पता चलता है कि आपका मस्तिष्क स्वस्थ है और सामान्य रूप से काम कर रहा है। *

तब आप देखेंगे मनचाहे ख्वाब

हम सभी नींद में सपने जरूर देखते हैं। हालांकि इनमें से कुछ सपने हमें याद रहते हैं तो कुछ हम भूल जाते हैं। अब तक माना जाता रहा है कि सपनों पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं होता है। लेकिन हाल के शोध से यह बात सामने आई है कि सपनों पर नियंत्रण संभव है, यानी हम मनचाहे ख्वाब देख सकते हैं।

अगर आप अकसर सपने देखते हैं तो यह इस बात का सबूत है कि आप उर्वर मस्तिष्क के हैं। जी हां, यह कोई मजाक नहीं, एक हालिया शोध का निष्कर्ष है। दरअसल, वैज्ञानिक मानते हैं कि सपने इस बात के लक्षण हैं कि सोते समय हमारा मस्तिष्क अधिक सक्रियता से काम कर रहा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक कुछ नई चीज सीखने के बाद झपकी लेना अकसर फायदेमंद होता है, क्योंकि झपकी के बाद नई सीख को लंबे समय तक याद रखने में मदद मिलती है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि जो लोग किसी नए काम को पूरा करने के बारे में सपना देखते हैं, जागने के बाद उनका प्रदर्शन उन लोगों से बेहतर होता है, जो इस तरह के सपने नहीं देखते।

शोध से मिले निष्कर्षः वैज्ञानिकों ने इस संबंध में बाकायदा शोध किया है। उन्होंने शोध में शामिल लोगों से 3-डी कंप्यूटर पहेली का लेआउट सीखने के लिए कहा ताकि कई घंटे के बाद ये लोग वर्चुअल स्पेस में पहेली का समाधान पा सकें। हॉर्वर्ड मेडिकल स्कूल के डॉक्टर रॉबर्ट स्टिकगोल्ड के मुताबिक इन लोगों को झपकी लेने को कहा गया। जिन लोगों ने सपने में भी काम को याद किया, उनके सीखने के नतीजे उन लोगों के मुकाबले काफी प्रभावी थे, जिन्हें कोई सपना नहीं आया। शोध टीम के मुताबिक जब आप सपने देखते हैं तो अचेतन मस्तिष्क सूचनाओं से समाधान निकालने के लिए कड़ी मेहनत करता है। इस शोधपत्र के लेखक डॉक्टर रॉबर्ट स्टिकगोल्ड कहते हैं, 'सपने इस बात के प्रमाण हैं कि समस्या के निदान की दिशा में मस्तिष्क कई स्तरों पर प्रयास कर रहा है।' वे आगे कहते हैं, 'सपने इस बात के भी लक्षण हैं कि याद रखने के लिए मस्तिष्क कोशिश कर रहा है। ये यादें भविष्य के लिए काफी उपयोगी हो सकती हैं।' शोधपत्र की सह-लेखिका डॉक्टर ईरिन वैंसले का भी निष्कर्ष है कि अचेतन मस्तिष्क उन चीजों के प्रति सर्वाधिक सक्रिय होता है, जिनको वह सबसे अहम मानता है। तमाम अन्य वैज्ञानिकों का भी मानना है कि एकेडमिक जर्नल सेल बायोलॉजी में प्रकाशित इस शोध के नतीजे व्यावहारिक हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस नतीजे का इस्तेमाल करके छात्रों में सीखने और याद करने की प्रक्रिया को बेहतर बनाया जा सकता है।

प्रचलित रहीं कई धारणाएंः हालांकि सपने इंसान का ध्यान आकर्षित करने वाले कोई नए विषय नहीं हैं। हमेशा से इंसानी समाज को सपने रोमांचित करते रहे हैं। हर दौर में लोगों में यह जिज्ञासा बलवती रही है कि आखिर हमें सपने आते क्यों हैं? वैसे अभी भी इस सवाल का कोई सर्वमान्य आखिरी जवाब नहीं मिला है, बावजूद इसके कि 16वीं शताब्दी से ही लेकर इस बारे में कई मिथक प्रचलित हैं। कोई कहता है कि सपनों का हकीकत से कोई लेना-देना नहीं है, तो किसी का मानना है सपने हमारे अनुभवों की झलक हैं और इन पर हमारा कोई बस नहीं। लेकिन अब वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क की कार्यविधि का काफी हद तक खुलासा कर लिया है और किसी हद तक मस्तिष्क की गतिविधियों पर नियंत्रण भी हासिल कर लिया है, जिससे यह भी दावे किए जाने लगे हैं कि आप अपनी मर्जी के सपने देख सकते हैं।

सपने देखने की प्रक्रिया : वैज्ञानिकों का मानना है कि नींद के कई चरण होते हैं। इन्हीं चरणों को ही कच्ची नींद और पक्की नींद कहा जाता है। पक्की नींद में दिमाग इतना शांत हो चुका होता है कि सपने नहीं देखता। कच्ची नींद में बहुत हलचल होती है। इस दौरान आंखों की पुतलियां भी हिलती रहती हैं। इसे रैपिड आई मूवमेंट या आरईएम कहा जाता है। यह अचेतन मन की स्थिति है। वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि जगे होने और आरईएम के बीच एक चरण होता है, जब अच्छे सपने आते हैं। इसे चेतना और अवचेतना के बीच द्वंद्व की स्थिति बताया गया है। यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें व्यक्ति को पता होता है कि वह सपना देख रहा है और अगर वह कोशिश करे तो अपने सपनों पर नियंत्रण भी कर सकता है या यूं कहे कि वह सपने के नतीजे को अपनी इच्छा के हिसाब से तय कर सकता है।

बिजली के नाजुक और नियंत्रित झटकों के जरिए वैज्ञानिकों ने शोध में शामिल वालंटियरों को यह महसूस करने के लिए बाध्य कर दिया कि वे अपने ही सपने को एक-दूसरे और तटस्थ व्यक्ति के रूप में देख सकते हैं या कि उन्हें अपनी मर्जी के मुताबिक दिशा दे सकते हैं। उम्मीद की जा रही है कि इस इस रिसर्च का जल्द ही मानसिक बीमारियों के इलाज में फायदा मिल सकेगा। साथ ही जो लोग किसी सदमे से गुजर रहे हैं, या बुरे सपनों से परेशान हैं, उन्हें भी मदद मिल सकेगी। इस रिसर्च का नेतृत्व करने वाली उर्सुला फॉस का कहना है कि वह दिन दूर नहीं, जब इस टीएसीएस तकनीक वाली मशीन बाजार में मिला करेंगी और लोग अपनी मर्जी के लुभावने सपने देखा करेंगे। *

काश! ऐसा होता

लाली के हाथ में एक थैला था। बगल में उसका पति खड़ा था। पति की गोद मे चार साल की बच्ची थी। बच्ची किसी ऐसी बीमारी से ग्रस्त थी, जिसे दो-तीन महीने में शहर डॉक्टर के पास दिखाने जाना पड़ता था। लाली और उसका पति आज मजदूरी करने नहीं जा सके थे। आज कमाई ना होने के कारण इसकी भरपाई के लिए लाली ने पति से बता दिया था, 'शहर में होटल का महंगा खाना ना खाकर पैसे बचा लेंगे, इसलिए मैंने रोटी सेंक कर रख ली है। भूख लगने पर चटनी के साथ खा लेंगे।'

पति ने इस बात की बड़ी आसानी से हामी भर दी थी। सरकारी बस के इंतजार में काफी समय से दोनों खड़े-खड़े थक गए थे। लाली सोच रही थी, 'काश! पति के पास साइकिल होती तो उसी पर बैठकर शहर चले जाते। बस का किराया बच जाता। लेकिन इतनी कमाई नहीं है कि पैसा बचाकर साइकिल खरीद लेते।' तभी दूर से गाड़ी की आवाज आई। लाली को लगा कि शायद बस आ रही है। लेकिन एक चमचमाती नई कार वहां से गुजरी। कार में सफेद कुरता, बादामी सदरी पहने एक आदमी बैठा था। लाली के पति ने बताया, 'ये जनता के सेवक हैं, हमारे विधायक हैं। इन्होंने अभी पिछले महीने ही पचास लाख की कार खरीदी है।' लाली ने आंखें फाड़ कर कहा, 'अच्छा! पर तुमको कैसे पता?'

'अरे, दसवीं पास हूं। चाय की दुकान पर अखबार में इस कार का विज्ञापन देखा था, उसमें दाम लिखा था।' पति ने बताया। लाली मन ही मन सोच रही थी, 'काश! ऐसा होता कि जनता के सेवक जी अपनी कार में हमें बैठा लेते, कार में इतनी जगह तो थी ही।' *

लोकजागरण का दस्तावेज

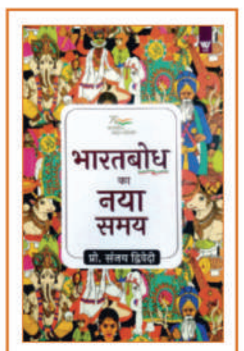

पुस्तकः भारतबोध का नया समय, **लेखकः** प्रो. संजय द्विवेदी, **मूल्य :** 500 रुपए, **प्रकाशकः** यश पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

स्वाधीनता के 75 वर्ष पूर्ण होने के पावन अवसर पर भारत का हर नागरिक गर्व के साथ आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इसी सुअवसर पर वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के वर्तमान महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी द्वारा रचित पुस्तक 'भारतबोध का नया समय', भारतीयता के गहन बोध को व्यापक स्वरूप में सामने रखती है। पुस्तक में कुल चौंतीस लेख संकलित हैं, जिन्हें 'विमर्श' और 'प्रेरक व्यक्तित्व' खंडों में विभाजित किया गया है। इन लेखों से गुजरते हुए यह स्पष्ट होता है कि लेखक इनके जरिए भारत की प्राचीन, ज्ञानमयी और सांस्कृतिक छवि को सरल ढंग से हमारे सामने उभारते हैं। वे लिखते हैं, 'हमारा राष्ट्र राजनीतिक नहीं सांस्कृतिक अवधारणा से बना है। सत्य, अहिंसा, परोपकार, क्षमा जैसे गुणों के साथ यह राष्ट्र ज्ञान से रत रहा है, इसलिए यह 'भा-रत' है।' व्यावहारिक पत्रकारिता और उसके अध्यापन से जुड़े रहने की वजह से लेखक, जनजागरण और लोकचेतना को प्रेरित करने में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका को गहनता से समझते हैं। पुस्तक में संकलित कुछ लेखों में वे पत्रकारिता के वर्तमान स्वरूप और भविष्य में इसके समक्ष उपस्थित होने वाली चुनौतियों के प्रति इससे जुड़े लोगों को जागरूक करते हैं।

पुस्तक के दूसरे खंड में लेखक ने स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, भीमराव अंबेडकर, वीर सावरकर समेत कई ऐसी विभूतियों के व्यक्तित्व की विशेषताओं, उनके अवदान और उनके जीवन दर्शन को रेखांकित किया है, जिन्होंने ना केवल भारतीयता को उसके मूल स्वरूप में समझा, लोकमंगल और लोकजागरण के लिए भी आजीवन प्रयासरत रहे। वास्तव में यह पुस्तक लोकजागरण का दस्तावेज है, जैसा कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विवि, रायपुर के कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा ने अपनी भूमिका में कहा है। *

व्यंग्य

मिर्जा ने अपनी तीस साला नौकरी में बस एक काम जिम्मेदारी से किया है और वह काम है हाजिरी रजिस्टर में दस्तखत करना। मैंने पूछा था कि मिर्जा जब तुम ऑफिस में कोई काम करते ही नहीं हो फिर दस्तखत भी क्यों करते हो? इस पर मिर्जा ने बताया कि मैं काम करने के लिए दस्तखत नहीं करता हूं बल्कि इसलिए करता हूं क्योंकि दस्तखत करना भी एक काम है। सरकार मेरे को जितनी तनख्वाह देती है, उसमें दस्तखत करने जितना ही काम किया जा सकता है। दस्तखत करके मैं अपने होने का सबूत देता हूं।

मिर्जा की याद में

मिर्जा सरकारी नौकरी से रिटायर्ड हुए तो मैं उन्हें बधाई देने गया। हालांकि बधाई का असली हकदार वह विभाग था, जहां से मिर्जा रिटायर्ड हुए थे, क्योंकि मिर्जा को रिटायर्ड कर विभाग भार मुक्त हुआ था। मुझे देखकर मिर्जा वैसे ही रोने लगे, जैसा पिछले तीन दशक से उन्हें देख विभाग रो रहा था। मैंने कहा, 'मिर्जा रो क्यों रहे हो, तुमको तो खुश होना चाहिए कि तुमने तीस साल तक बिना काम किए सरकार को अपनी सेवाएं दी हैं।' मिर्जा की गिनती उन सरकारी कर्मचारियों में होती थी, जो कर्मचारी कम सरकारी ज्यादा होते हैं। मिर्जा तो बचपन से ही सरकारी थे, क्योंकि इन्हें जब भी कोई काम बताया जाता था, वह पेंडिंग हो जाता था।

कुछ बरस पहले मिर्जा ने अपने दफ्तर में हिंदी दिवस के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया था, जिसमें मैंने भी अपनी हास्य व्यंग्य की रचना का पाठ किया था। रचना पाठ के दौरान मैंने महसूस किया कि पहले इस कोने वाले हंसते थे फिर उस कोने वाले हंसते थे, फिर इस तरफ वाले हंसते थे फिर उस तरफ वाले हंसते थे। बाद में मैंने मिर्जा से पूछा कि तुम्हारे दफ्तर वाले इस तरह टुकड़ों में क्यों हंस रहे थे? इस पर मिर्जा ने बताया, 'यह सरकारी महकमा है, यहां हर काम थ्रू प्रॉपर चैनल होता है। पहले चीफ सेक्रेटरी हंसे, उसके बाद असिस्टेंट सेक्रेटरी हंसे फिर क्लर्क और प्यून हंसते हैं। आप शायद नहीं जानते क्लर्क की हंसी को दबा देने की पुरानी आदत है।' मिर्जा इस थ्रू प्रॉपर चैनल के इतने आदि हो गए थे कि घर में छोटा बेटा शरारत करता तो पहले बीवी को डांटते फिर बड़े बेटे को फिर मंझले बेटे को तब छोटे बेटे की डांटते।

मिर्जा ने अपनी तीस साला नौकरी में बस एक काम जिम्मेदारी से किया है और वह काम है हाजिरी रजिस्टर में दस्तखत करना। मैंने पूछा था कि मिर्जा जब तुम ऑफिस में कोई काम करते ही नहीं हो फिर दस्तखत भी क्यों करते हो? इस पर मिर्जा ने बताया कि मैं काम करने के लिए दस्तखत नहीं करता हूं बल्कि इसलिए करता हूं क्योंकि दस्तखत करना भी एक काम है। सरकार मेरे को जितनी तनख्वाह देती है, उसमें दस्तखत करने जितना ही काम किया जा सकता है। दस्तखत करके मैं अपने होने का सबूत देता हूं।

हाजिरी रजिस्टर में दस्तखत करने से मिर्जा को थकावट महसूस होने लगती और एक कप चाय पीने का मन करता तो मिर्जा हाजिरी रजिस्टर को एक तरफ फेंककर ऐसे आदमी की तलाश में निकल पड़ते, जो उन्हें चाय पिला दे। इस दौड़-भाग के बाद जब बारह बजे मिर्जा अपनी सीट पर पहुंचते तो उन्हें लंच का ख्याल आ जाता और वो खाना खाने चले जाते। खाना खाने के बाद एक पान और फिर सिगरेट के कश लेने के बाद मिर्जा अपनी टेबल पर पड़ी फाइलों की धूल झाड़ने लगते और उन्हें सूंघ-सूंघ कर अपनी जगह पर वापस रख देते। मिर्जा की टेबल पर फाइलें इतने लंबे समय से रखी हुई थीं कि फाइलों की अपनी सुगंध तो खत्म हो गई थी और उसमें मिर्जा की बू समा गई थी। उनके साथी कर्मचारी फाइल सूंघ कर ही बता देते थे कि फाइलों के ढेर में कौन-सी फाइल मिर्जा की है। फाइलों की धूल झाड़ने के बाद मिर्जा कुछ देर अपनी कुर्सी पर भी बैठ जाते थे ताकि कुर्सी की धूल भी साफ हो जाए।

मिर्जा का यही तरीका था कि दफ्तर पहुंचते ही बिना समय बर्बाद किए फाइल हाथ में लेते धूल झाड़ने के लिए और अपनी सीट पर बैठते उसमें जमी धूल साफ करने के लिए फिर टेबल पर अपनी टोपी रख कर अज्ञात स्थान की ओर निकल पड़ते। मैं जब भी मिर्जा से मिलने उनके ऑफिस गया, मुझको वहां उनकी टोपी ही मिली है, मिर्जा कभी नहीं मिले। मैंने उनकी टोपी उठाकर भी देखा कि शायद टोपी के नीचे मिर्जा भी हों पर वे वहां कभी नहीं थे। ना कभी टोपी के नीचे मिर्जा मिले, ना कभी मिर्जा के ऊपर टोपी मिली।

मिर्जा लंच बॉक्स में कभी भी दो चपाती से ज्यादा नहीं लाए और इसे खाने में उनको तीन घंटे लगते थे। लंच से आते ही घर जाने की तैयारी में जुट जाते। कभी-कभी ऐसा भी होता था, जब वो ऑफिस में रहते थे तो पूरे समय घड़ी देखते रहते कि पांच कब बजेंगे और कब छुट्टी होगी। इस बीच कोई मिर्जा से टाइम पूछता तो बताते, 'अभी दो घंटे बाकी हैं, ढाई घंटे बाकी हैं।' इस तरह ऑफिस से जाने का वक्त देखते-देखते एक दिन नौकरी से जाने का वक्त आ गया। मिर्जा की टेबल पर भांति-भांति की फाइलें रखी रहती थीं। इस संबंध में उनका कहना था कि इन फाइलों से उनका कोई ताल्लुक नहीं है, क्योंकि जब वो यहां आए थे, तब ये फाइलें यहां पहले से मौजूद थीं। अब ये उन्हें बुजुर्गों की निशानी मान कर सहेजे हुए हैं।

मिर्जा को छुट्टी लेने में महारथ हासिल थी। आए दिन वो अचानक तबियत खराब हो जाने के कारण 'दफ्तर आने में असमर्थ हूं' जैसा आवेदन भेज देते थे। एक दिन बॉस ने कहा, 'कब तक एक जैसा झूठ लिखते रहोगे कभी तो छुट्टी के लिए नया झूठ पेश करो।' अतः मिर्जा ने छुट्टी के आवेदन में लिखा- 'आज बहुत दिनों बाद तबियत अच्छी लग रही है, इसलिए परिवार के साथ घूमने-फिरने के लिए एक दिन की छुट्टी देने की कृपा करें।' जब-जब मिर्जा सही में बीमार हुए है, तब उन्होंने कभी छुट्टी नहीं ली, क्योंकि उनका कहना था कि डॉक्टर ने आराम करने को कहा है और घर में यह मुमकिन नहीं है।

रिटायर्ड होने के बाद जब मैं मिर्जा से मिला तो वो बोले, 'अब तो कब्रस्तान वाले ऑफिस में नियुक्ति का वक्त आ रहा है। कब्र भी एक फाइल है, जिसमें इंसान के कर्मों का लेखा-जोखा मौजूद रहता है। इस फाइल का ना तो कोई पेज फटा हुआ रहता है, ना कोई लाइन कटी हुई रहती है।' *

उर्दू से अनुवाद - अखतर अली

सलमान खान को 'द-बैंग' टूर में मिली जबरा फैन

मुंबई। एक्टर सलमान खान बालीवुड के उन सेलिब्रिटीज में शामिल हैं जिन्हें एक बड़ी तदात दिवानों की तरह फॉलो करती है। फैंस उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं। वह दुनिया में जहां भी जाते है उन्हें जबरा फैंस जरूर मिल जाते हैं। जिसका ताजा उदाहरण हाल ही में दुबई एक्सपो 2020 में देखने को मिला। जहां एक्टर की एक फीमेल फैन उनसे मिलने के लिए रोते और चिल्लाते हुए दिखाई दी। बीते शुक्रवार को सलमान खान ने दुबई एक्सपो में आयुष शर्मा, सोनाक्षी सिन्हा, गुरु रंधावा, पूजा हेगड़े, दिशा पटानी, मनीष पॉल और सई मांजरेकर के साथ परफॉर्म किया।

लाइफ Style

कियारा

पहनी 88 हजार रुपए की सैंडल

एजेंसी ▸▸| मुंबई

बॉलीवुड अभिनेत्री किआरा आडवाणी हर लुक में बेहद खूबसूरत लगती हैं, फिर चाहे वो ट्रेडिशनल लुक हो या वेस्टर्न लुक। उनका फैशन गेम हमेशा ऑन-प्वाइंट रहता है। हाल ही में एक बार फिर कुछ ऐसा ही देखा गया। दरअसल, बीते दिन बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर ने अपना 41वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया।

इस खास मौके पर शाहिद कपूर और मीरा राजपूत ने अपने घर में एक पार्टी रखी थी, जिसमें यूं तो कई सेलेब्स पहुंचे थे लेकिन इस दौरान कियारा के लुक ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस दौरान कियारा आडवाणी ब्लू ब्लेजर के साथ व्हाइट कलर की डीप नेकलाइन वाली शॉर्ट ड्रेस में काफी स्टनिंग लग रही थीं। इसे उन्होंने एम्बेलिश्ड शूज के साथ पेयर किया। डबल क्रिस्टल बो शूज कथित तौर पर सेलिब्रिटी के पसंदीदा ब्रांड 'मच एंड मच' के हैं। ब्रांड की आधिकारिक साइट के अनुसार, इसकी कीमत 88,145.06 रुपए है। कियारा अपने लुक्स के अलावा सिद्धार्थ मल्होत्रा संग पार्टी में पहुंचने का कारण भी सुर्खियों में रहीं। पार्टी में पहुंचने की दोनों की तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं, जिसे सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। सिद्धार्थ और कियारा साथ में बहुत हसीन लग रहे थे और जाहिर है दोनों को साथ देखना फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगा। बताते चलें कि, कियारा और सिद्धार्थ को लेकर काफी समय से ऐसी अफवाह है कि यह दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों को अक्सर साथ में भी देखा जाता है।

हॉलीवुड मसाला

शांति की अपील हुईं ट्रोल

लॉस एंजिलिस। रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग में सभी लोग शांति की अपील कर रहे हैं। सब यही चाहते हैं कि यह सब जल्दी ही खत्म हो जाए और इसके लिए लोग शांति की मांग कर रहे हैं। इन्हीं सब के बीच अमेरिकी अभिनेत्री एनालिन मैककॉर्ड द्वारा इस मामले में शांति की अपील करने का एक प्रयास सोशल मीडिया पर उनके लिए भारी पड़ गया। उन्होंने अपनी इस अपील में 'व्लादिमीर पुतिन' की मां बनने की इच्छा जताई, जिसके चलते उन्हें ट्रोलिंग का समना करना पड़ रहा है।

डिकैप्रियो को डेट कर रहीं नताशा

लॉस एंजिलिस। अमेरिका के कैलिफोर्निया में जन्में लियोनार्डो डिकैप्रियो अच्छे फिल्मकारों के पसंदीदा अभिनेता हैं और ऑस्कर के अलावा वो कई अन्य अवार्ड जीत चुके हैं। लियोनार्डो डिकैप्रियो और इंडियन बिजनेसवुमन नताशा पूनावाला लंदन के एक रेस्टोरेंट में एक दूसरे के साथ हैंगआउट करते हुए देखे गए। दोनों की तस्वीरें सामने आने के बाद चर्चा है कि ये एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। नताशा सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के सीइओ अदार पूनावाला की वाइफ हैं। इतना ही नहीं नताशा को अक्सर आपने करीना कपूर खान, मलाइका अरोड़ा, करिश्मा कपूर और अमृता अरोड़ा के साथ पार्टी करते हुए देखा जाता है। लियोनार्डो, नाओमी कैंपबेल और ऑरलैंडो ब्लूम जैसी हाई-प्रोफाइल हस्तियों के साथ नताशा भी पार्टी में मौजूद थीं। यह पार्टी एक पत्रकार की शादी के बाद आयोजित की गई थी।

'भूल भुलैया 2' की शूटिंग तब्बू ने की पूरी

मुंबई। बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस तब्बू अपनी एक्टिंग और ग्लैमरस को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। अब उन्होंने फिल्म भूल भुलैया 2 की शूटिंग को पूरा कर लिया है। फिल्म की शूटिंग पूरी होने की जानकारी अभिनेत्री अपने सोशल मीडिया हैंडल पर तस्वीर शेयर कर दी है। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर शुक्रवार को रैपअप पार्टी की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनके साथ पूरी कास्ट और क्रू टीम के साथ सेलिब्रेशन करती हुई दिख रही हैं। इस तस्वीर को अपने इंस्टाग्राम पर साझा कर अभिनेत्री ने लिखा, 'जिसकी शुरुआत अच्छी होती है, उसका अंत भला होता है। भूल भुलैया 2 बनाने का हमारा सफर आज समाप्त हो गया है।' वहीं, अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें एक केक नजर आ रही हैं, जिसपर लिखा है, बहुत-बहुत धन्यवाद।

वर्दी के प्रति मेरा गहरा लगाव : मोहित

मुंबई। बॉलीवुड में फिल्मों के जरिए वर्दी की एक छवि को एक अलग ढंग से पेश किया है। वर्दी पुलिस की हो या सेना की, उसे पहनने के बाद एक अलग रुतबे और गर्व का अहसास होता है। वास्तविक जीवन में न सही, लेकिन कैमरे के सामने अभिनेता मोहित रैना सेना और पुलिस दोनों ही वर्दी पहन चुके हैं। उन्होंने साल 2019 में रिलीज फिल्म उरी द सर्जिकल स्ट्राइक में मेजर करण कश्यप तो वेब सीरीज भौकाल में आईपीएस नवीन सिकेरा का किरदार निभाया चुके हैं। इस बारे में अभिनेता मोहित रैन ने खास बातचीत कहते हुए कहा कि, पुलिस या सेना को लेकर मेरे कुछ व्यक्तिगत अनुभव तो नहीं रहे हैं, लेकिन वर्दी के प्रति मेरा लगाव बहुत गहरा है। मैं उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं। मैं कश्मीर से हूं।

टीवी मसाला

'तारक मेहता...' की एक्ट्रेस ड्रेसिंग रूम में हुई बोल्ड

मुंबई। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' शो बीते 13 सालों से दर्शकों का पसंदीदा बना हुआ हैं। ये एक ऐसा शो है जिसके लीड एक्टर से लेकर बाल कलाकारों तक को दर्शक बराबर से प्यार देते हैं। वहीं शो में काम कर चुके कलाकारों को भी दर्शक आज भी काफी पसंद करते हैं। एक ऐसी ही कलाकार इस शो का हिस्सा रह चुकी हैं। ये कोई और नहीं बल्कि शो में 'दीप्ति' का रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस आराधना शर्मा हैं। आराधना रियल लाइफ में काफी बोल्ड हैं। एक्टिंग के साथ आराधना सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। उनका सोशल मीडिया अकाउंट बोल्ड और हॉट तस्वीरों और वीडियोज से भरा पड़ा है। इसी बीच उनका एक बेहद बोल्ड वीडियो इंटरनेट पर आग की तरह वायरल हो रहा है। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की एक्ट्रेस आराधना शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर बेहद बोल्ड वीडियो और अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें आप देख सकते हैं कि आराधना ब्लैक कलर की स्पोर्ट ब्रालेट के साथ शॉर्ट्स पहने हुए शीशे के सामने पोज देती दिख रही हैं।

'लॉक अप' में पहुंचे करणवीर बोहरा

मुंबई। कंगना रनोट का रिएलटी शो 'लॉक अप' जल्द ही शुरू होने वाला है। शो के लिये अब तक कई सारे कंटेस्टेंट्स के नाम का खुलासा किया जा चुका है। जिसने शो को लेकर लोगों के बीच पहले ही काफी एक्साइटमेंट बढ़ा दी हैं और अब मेकर्स ने एक और कंटेस्टेंट के नाम का खुलासा कर दिया है। यह और कोई नहीं टीवी की दुनिया के जाने-माने एक्टर करणवीर बोहरा हैं। शनिवार को शो के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर 'लॉक अप' का एक नया प्रोमो शेयर किया है और इसके साथ ही कंगना रनोट की खतरनाक जेल के एक और कैदी के नाम का खुलासा किया। प्रोमो में करणवीर बोहरा की एंट्री मीडिया के बीच फैंस को हाथ दिखाकर हैलो करते हुए होती है। इसके बाद एक्टर सीधा जेल में पहुंच जाते हैं और कंगना आकर करणवीर के हाथों में हथकड़ी बांध देती हैं।

बर्थडे के अगले दिन वायरल हुआ उर्वशी रौतेला का वीडियो

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौटेला इंडस्ट्री में न सिर्फ अपनी फिल्मों बल्कि अपने ग्लैरस अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। उर्वशी ने कल यानी 25 फरवरी को अपना 28वां जन्मदिन मनाया है। इस मौके पर उर्वशी के फैंस और दोस्तों ने उन्हें जमकर बधाई दी। उर्वशी के बर्थडे सेलिब्रेशन की कई तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई थीं। वहीं अब बर्थडे के अगले दिन ही उर्वशी की एक बेहद ही बोल्ड वीडियो इंटरनेट पर चर्चा में बनीं हुई है। इस वीडियो में वह बेहद ही बोल्ड बिकिनी अवतार में फैंस के होश उड़ा रही हैं। एक्ट्रेस उर्वशी रौटेला ने अपने बर्थडे के अगले दिन ही अपनी एक खास वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो को एक्ट्रेस ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया है। वीडियो में आप देख सकते हैं कि उर्वशी पर्पल और ब्लू कलर की मल्टी बिकिनी पहने नजर आ रही हैं।

विद्युत के बर्फीली झील में नहाने का वीडियो हुआ वायरल

मुंबई। विद्युत जामवाल जमी हुई झील में बिना कपड़ों के नहाते हुए नजर आ रहे हैं। उनका यह वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हो गया है। वीडियो में विद्युत जामवाल को स्टंट करते हुए देखा जा सकता है। विद्युत जामवाल फिटनेस एक्सपर्ट है। इसके अलावा वह बॉलीवुड के अच्छे कलाकारों में गिने जाते हैं। वह सोशल मीडिया पर अपनी फिटनेस से जुड़ी रूटीन बातें शेयर करते हैं। अब एक बार फिर विद्युत जामवाल है ने ऐसा ही किया है। विद्युत जामवाल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्हें एक जमी हुई झील में डुबकी लगाते हुए देखा जा सकता है। उनका यह वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हो गया है। इसपर कई लोग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वीडियो की शुरुआत में विद्युत जामवाल ठंडी के कपड़े पहने नजर आ रहे हैं। हालांकि इसके बाद वह अपने कपड़े उतारते हैं और सीधे जमी हुई झील में उतर जाते हैं। वीडियो में वह कह रहे है, 'कल यहां पर बर्फबारी हुई है लेकिन मैं आज आया हूं।'

रकुल प्रीत सिंह ने शेयर किया वेकेशन की तस्वीर

मुंबई। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपने ब्वॉयफ्रेंड जैकी भगनानी के साथ छुट्टियां मना रही हैं। अब उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर मालदीव वेकेशन की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो समुंदर किनारे चिल करती हुई दिख रही हैं। इस तस्वीर को अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अपनें आधिकारिक इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें वो बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। फोटो में देखा जा सकता है कि अभिनेत्री येलो कलर की ड्रेस पहने और अपने सिर पर एक हैड लगाए हुए समुंदर किनारे बने एक प्वाइंट पर खड़े होकर पोज देती दिख रही हैं। इस फोटो को सोशल मीडिया पर शेयर कर उन्होंने कैप्शन लिखा, हम समंदर से उधार लिए हुए रंगों में सपने देखते हैं। रकुल प्रीत सिंह की इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर खूब पसंद किया जा रहा है। फोटो को अब तक ढ़ाई लाख से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं और बॉलीवुड कलाकार कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बता दें, हाल ही में रकुल अपने ब्वॉयफ्रेंड जैकी भागनानी के साथ दुनिया के सात अजूबों में से एक ताज महल के दीदार के लिए पहुंचे थे।

रोजाना एक चम्मच घी खाकर रहें जीवनभर हेल्दी

नई दिल्ली। घी खाना कई मायनों में सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। इससे आपकी ओवरऑल हेल्थ सुधरती है साथ ही बालों और स्किन की क्वॉलिटी भी। आइए जानते हैं इसमें मौजूद न्यूट्रिशन और अन्य फायदों के बारे में। घी का एक चम्मच ही काफी होता है दाल से लेकर और दूसरे व्यंजनों को स्वादिष्ट बनाने के लिए लेकिन क्या आप जानते हैं इसके रोजाना सेवन से आप अपने हेल्थ के साथ-साथ स्किन और बालों को दुरुस्त रख सकते हैं। जी हां, सीमित मात्रा में घी का सेवन किसी भी तरह से नुकसानदायक नहीं होता। आयुर्वेद की मानें तो घी के सेवन से आंतों की कार्य क्षमता में सुधार होता है। खराब खानपान, लाइफस्टाइल, बहुत ज्यादा दवाओं के सेवन से हमारी आंतों पर नकारात्मक असर पड़ता है तो इसे हेल्दी बनाए रखने के लिए घी का सेवन अच्छा होता है। घी ओमेगा-3 फैटी एसिड्स और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूरा होता है।

एनर्जी का बेहतरीन स्त्रोत

घी के सेवन से बॉडी में एनर्जी बनी रहती है। तो इसे आप ऐसे ही एक चम्मच खाएं या फिर खाने में हर तरह से फायदेमंद ही होता है।

कब्ज की समस्या नहीं होती

घी पूरे शरीर को आवश्यक चिकनाई प्रदान करता है और आंतें रास्ता साफ करता है जिससे कब्ज का समस्या नहीं होती और अगर है तो मल त्याग में बहुत परेशानी नहीं होती।

पाचन तंत्र की कार्य क्षमता में सुधार

घी खाने से पेट में एसिड का स्राव सही तरीके से होता है जिससे भोजन आसानी से पच जाता है।

स्किन के लिए फायदेमंद

घी स्किन को नौरिश करने का काम करता है। इसकी वजह से इसमें मौजूद ओमेगा 3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सिडेंट। जो एजिंग प्रक्रिया को तो धीमा करता ही है। स्किन के साथ इसे आप बालों की क्वॉलिटी सुधारने में भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

पेट रखता है फुल

घी को अपने भोजन में शामिल करने से पेट लंबे समय तक भरा हुआ रहता है जिससे अनावश्यक भूख नहीं लगती जो ओवरइटिंग करने से रोकता है। इससे वजन और मोटापा दोनों कंट्रोल में रहते हैं।

वेट लॉस से लेकर एसिडिटी की प्रॉब्लम को दूर करती है काली मिर्च, जानें किन चीजों में मिलाकर खाएं

काली मिर्च ऐसा मसाला है जिसे किसी भी डिश में डालने से स्वाद बढ़ जाता है। खासतौर पर अगर आपको डिश फीकी लग रही हो, तो आप काली मिर्च पाउडर डालकर उसे चटपटा बना सकते हैं। कई लोग चाय का स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें काली मिर्च पाउडर डालते हैं। काली मिर्च में पैपरीन नामक तत्व पाया जाता है। यह तत्व औषधीय गुणों से भरपूर है। इसमें आयरन, पोटैशियम, मैग्नीशियम, मैंग्नीज, जिंक, क्रोमियम, विटामिन ए जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। काली मिर्च को किसी भी तरह से खाने के बहुत फायदे हैं।

कब्ज दूर करे: कब्ज की समस्या है, तो आपको काली मिर्च जरूर खानी चाहिए। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए एक कप पानी में नींबू का रस और काली मिर्च का चूर्ण और नमक डालकर पीने से गैस व कब्ज की समस्या कुछ ही दिनों में ठीक हो जाती है।

स्टेमिना बढ़ाए: गुनगुने पानी के साथ काली मिर्च का सेवन करने से शरीरिक क्षमता बढ़ती है। साथ ही शरीर में पानी की कमी भी दूर होती है। कभी-कभी ऐसा होता है कि एसिडिटी रहने की वजह से शरीर में हमेशा थकान रहती है, इस थकान को दूर करने के लिए काली मिर्च बहुत फायदेमंद है।

डिहाइड्रेशन: आपको डिहाइड्रेशन की प्रॉब्लम है, तो काली मिर्च का गुनगुने पानी के साथ सेवन करने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती। इससे थकान भी नहीं होती। इससे आपकी स्किन ड्राय नहीं होगी। इस उपाय को सर्दी में जरूर फॉलो करना चाहिए।

वेट लॉस: काली मिर्च और गुनगुना पानी शरीर में बढ़ा हुआ फैट कम करता है। साथ ही यह कैलोरी को बर्न करके वजन कम करने में भी मदद करता है। काली मिर्च को गर्म दूध में मिलाकर पीने से वेट कंट्रोल में रहता है। सुबह खाली पेट दूध पीना चाहिए।

बेटियों की पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन पर बोले राष्ट्रपति कोविंद- देश लैंगिक समानता बनने की ओर अग्रसर

असम। लड़कियों की असाधारण प्रतिभा से अभीभूत देश के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि विभिन्न परीक्षाओं में लड़कियां का लड़कों से बेहतर प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि भारत लैंगिक समानता वाला देश बनने की ओर अग्रसर है। असम में तेजपुर विश्वविद्यालय के 19वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कोविंद ने कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी हुई कि विश्वविद्यालय शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रहा है। कोविंद ने कहा, मुझे बताया गया है कि आज लगभग 1,250 छात्रों ने स्नातक की डिग्री प्राप्त की है, जिनमें से लगभग 45 प्रतिशत छात्राएं हैं। तेजपुर विश्वविद्यालय के विजिटर कोविंद ने कहा कि जिन 47 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया है, उनमें से 27 लड़कियां हैं और यह संख्या स्वर्ण पदक प्राप्त करने वालों की कुल संख्या में आधे से अधिक है। राष्ट्रपति ने कहा, मैंने अधिकांश दीक्षांत समारोहों में गौर किया है कि हमारी बेटियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। महिलाओं द्वारा यह उत्कृष्ट प्रदर्शन भविष्य में भारत के लैंगिक समानता वाला देश बनने का प्रतिबिंब है। मैं प्रत्येक बेटी को आज उनकी विशिष्ट उपलब्धि के लिए अपनी विशेष बधाई देता हूं। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रों और

शिक्षकों से इसे नवाचार का एक प्रमुख केंद्र बनाने और स्थानीय एवं राष्ट्रीय समस्याओं का समाधान प्रदान करने का प्रयास करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, मुझे असम के कई गांवों में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए अभिनव समाधानों के बारे में जानकर प्रसन्नता हो रही है। विश्वविद्यालय के गांवों के साथ जुड़ाव का दायरा और बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार के तहत उच्च शिक्षा संस्थानों के एक विजिटर के रूप में, मैं संस्थानों को कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) की तर्ज पर विश्वविद्यालयों की सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करता रहा हूं। कोविंद ने कहा कि ग्रामीण आबादी के साथ छात्रों की भागीदारी विश्वविद्यालयों की सामाजिक जिम्मेदारी (यूएसआर) की प्रमुख विशेषताओं में से एक है और तेजपुर विश्वविद्यालय इस पहल के तहत कुछ गांवों को उनके समग्र विकास में मदद के लिए गोद ले सकता है। उन्होंने उत्तीर्ण छात्रों से पूर्वोत्तर से जैविक कृषि उत्पादों के प्रचार और विपणन में सक्रिय रूप से भाग लेने की भी अपील की। उन्होंने कहा, मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि विश्वविद्यालय को कटहल और खाने के लिए तैयार अनाज आधारित उत्पादों के प्रसंस्करण के लिए प्राइम मिनिस्टर फॉमेर्लाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेज स्कीम के तहत एक इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित करने के लिए मंजूरी मिली है। उन्होंने कहा, इस संदर्भ में, मुझे असम के अनूठे जोहा चावल की याद आ रही है, जो अपने उत्कृष्ट स्वाद और सुगंध के लिए जाना जाता है। असम के विश्वविद्यालय चावल की इस अनूठी किस्म की ब्रांडिंग, उसे लोकप्रिय बनाने और विपणन में किसानों की मदद कर सकते हैं। कई ऐसे कृषि उत्पाद हैं जिन्हें बढ़ावा दिया जा सकता है। राष्ट्रपति ने जैव विविधता के संरक्षण में असम सरकार के प्रयासों की भी सराहना की और कहा कि वह प्रसिद्ध काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान का दौरा करके वहां की पहल का जायजा लेंगे। उन्होंने कहा, असम को प्रकृति की असाधारण सुंदरता और समृद्ध जैव विविधता का उपहार मिला है। इसे संरक्षित किया जाना है।

यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को शीघ्र निकालने की व्यवस्था करे सरकार : राहुल गांधी

नई दिल्ली। यूक्रेन पर रूस के हमले से पैदा हुए संकट के चलते वहां फंसे भारतीय छात्रों को स्वदेश लाने की अपील कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से की है। राहुल गांधी ने कर्नाटक के कुछ भारतीय छात्रों का एक वीडियो साझा किया, जो यूक्रेन में एक बंकर में फंसे हुए हैं। यूक्रेन पर रूस की सेना ने गुरुवार को हमला कर दिया और आज तीसरे दिन भी वह आगे बढ़ रही है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर यूक्रेन में फंसे हजारों भारतीयों को वापस लाने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह भी किया है। गांधी ने यूक्रेन में फंसी दो भारतीय छात्राओं का एक वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया, बंकर में मौजूद भारतीय छात्रों का यह दृश्य परेशान करने वाला है। बहुत सारे छात्र पूर्वी यूक्रेन में फंसे हुए हैं जहां भीषण हमला हो रहा है। मैं उनके चिंतित परिजन के साथ हूं। मैं एक बार फिर भारत सरकार से उन्हें तत्काल निकालने की अपील करता हूं। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह भी कहा कि यूक्रेन में स्थिति ऐसी है कि छात्र कड़ाके की ठंड में अपनी जान बचाने की कोशिश कर रहे हैं और दूतावासों तथा मिशनों के बाहर लंबी कतारें हैं जो कथित तौर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रही हैं।

उन्होंने कहा, भारतीय नागरिक और छात्र बिना किसी मदद और मार्गदर्शन के असहाय हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास इस समस्या से तुरंत निपटने की कोई रूपरेखा नहीं है। सुरजेवाला ने एक बयान में कहा, कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री से मांग करती है कि वह रूस और यूक्रेन की सरकारों से बात करके मुश्किल परिस्थितियों में फंसे भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए तुरंत हर संभव प्रयास करें। गांधी द्वारा साझा किए गए वीडियो में, बेंगलुरु की एक छात्रा मेघना ने कहा कि कई लोग हैं जो भारत में विभिन्न स्थानों से यूक्रेन आए हैं।

उन्होंने अंधेरे बंकर से एक वीडियो संदेश में कहा, हमें भारत सरकार से मदद की जरूरत है। हम किसी को, या किसी उच्च अधिकारी या भारत सरकार को हमारी मदद के लिए कदम उठाते हुए नहीं देख रहे हैं। हमारे लिए कोई विशेष उड़ान की व्यवस्था नहीं की गई है। उन्होंने कहा, हम इस बंकर में रह रहे हैं। यह वास्तव में हम सभी के लिए कठिन है। कृपया, आपसे अनुरोध है कि हमें जल्द से जल्द मदद भेजें। उन्होंने यह भी कहा कि दुकानें बंद कर दी गई हैं और वे 24 घंटे से अधिक समय से बंकर में बिना भोजन, पानी और ऐसे स्थान में फंसी हुई हैं जो हवादार नहीं है।

धार्मिक नगरी में आस्था के मुद्दे की होगी परख

प्रयागराज। यूपी विधानसभा चुनाव अब धार्मिक नगरी में पहुंच चुका है। अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी, चित्रकूट और मिजार्पुर यूपी के प्रमुख धार्मिक केंद्र हैं। भाजपा के एजेंडे में यही धार्मिक केंद्र हमेशा से रहे हैं। मगर, इस बार विधानसभा चुनाव में भाजपा के साथ सपा हो या बसपा या फिर कांग्रेस...। सभी के एजेंडा में धार्मिक केंद्र रहा है। धार्मिक नगरी में कुल 31 सीटें हैं। इन सीटों पर अब सभी पार्टियों की आस्था की परीक्षा होगी और पता चलेगा किसको कितना फायदा मिला। वर्ष 2017 के चुनाव में देखा जाए तो सर्वाधिक 28 सीटें भाजपा ने जीती थी। बसपा को दो और सपा को मात्र एक सीट पर संतोष करना पड़ा था, मगर वर्ष 2012 के चुनाव में सपा ने 17 सीटें जीती थी। इस बार विधानसभा चुनाव से पहले धार्मिक नगरी से ही अधिकतर ने अभियान की शुरूआत की। बसपा ने ब्राह्मणों को जोड़ने के लिए अयोध्या से ही इसकी शुरूआत की। सपा मुखिया अखिलेश यादव भी मथुरा गए। अब देखना होगा कि पार्टियों को उनके प्रयासों में कितनी सफलता मिलती है। अयोध्या की पांच सीटे हैं। वर्ष 2017 के चुनाव में भाजपा ने सभी पांचों सीटों पर जीत का परचम लहराया था। वर्ष 2012 के चुनाव में भाजपा सिर्फ रुदौली की सीट जीत पाई थी और शेष चारों सीटें सपा ने जीती थी। चित्रकूट की दो सीटों चित्रकूट और मानिकपुर में वर्ष 2017 में भाजपा ने दोनों सीटें जीती थीं। वर्ष 2012 में चित्रकूट सपा तो मानिकपुर बसपा के खाते में गई थी। इलाहाबाद में कुल 12 विधानसभा सीटें हैं। वर्ष 2017 के चुनाव में तीन सीटें छोड़कर नौ सीटें भाजपा व उसके सहयोगी दल ने जीती थी।

केंद्र सरकार एमएसपी पर कानून के बारे में नहीं दे रही संतोषजनक जवाब : बसपा सांसद

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के लोकसभा सदस्य दानिश अली ने केंद्र सरकार पर संसद के शीतकालीन सत्र में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून बनाने की उनकी मांग का संतोषजनक जवाब देने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी दावा किया कि केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर केवल एमएसपी की प्रक्रिया की व्याख्या करके वास्तविक मुद्दे से बचने की कोशिश कर रहे हैं।

चुनाव वाले राज्य, उत्तर प्रदेश के लोकसभा के सदस्य ने अपने पक्ष को सामने लाने के लिए तोमर के एक पत्र को ट्विटर पर साझा किया। अली ने पिछले साल एक दिसंबर को शून्यकाल के दौरान एमएसपी पर कानून बनाने का मुद्दा उठाया था। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री ने 21 फरवरी को बसपा सांसद को पत्र लिखा था। तोमर ने लिखा कि केंद्र सरकार, कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए हर साल दोनों फसल मौसमों में उचित औसत गुणवत्ता

(एफएक्यू) की 22 प्रमुख कृषि वस्तुओं के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा करती है। मंत्री ने कहा कि इसके अलावा, तोरिया और छिलके वाले नारियल के लिए एमएसपी भी क्रमशः रेपसीड, सरसों और खोपरा के एमएसपी के आधार पर तय किया जाता है। तोमर ने बताया, सरकार अपनी विभिन्न हस्तक्षेप योजनाओं के माध्यम से किसानों को लाभकारी मूल्य भी देती है। इसके अलावा, समग्र बाजार एमएसपी और सरकार के खरीद कार्यक्रमों की घोषणा के अनुरूप काम किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप विभिन्न अधिसूचित फसलों के लिए एमएसपी पर या उससे अधिक की निजी खरीद होती है। मंत्री ने कहा, सरकार भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और राज्य एजेंसियों के माध्यम से धान और गेहूं के लिए मूल्य समर्थन प्रदान करती है। साथ ही, विभिन्न प्रकार के पोषक-अनाज और मक्का की खरीद राज्य सरकारों द्वारा स्वयं एफसीआई के परामर्श से की जाती है ताकि वे लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (टीपीडीएस) के साथ-साथ अन्य कल्याणकारी योजनाओं के तहत उन्हें वितरित कर सकें।

गडकरी बोले- देश के राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में करदाताओं का योगदान बहुत उल्लेखनीय

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश के पुनर्निर्माण में करदाताओं (टैक्सपेयरों) का योगदान उल्लेखनीय और ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि ईमानदार करदाताओं की रक्षा करना सरकार का कर्तव्य है। गडकरी ने दूसरे टीआईओएल राष्ट्रीय कराधान पुरस्कार 2021 समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार कर क्षेत्र में निरंतर सुधार कर रही है। उन्होंने कहा, आज देश के राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में करदाताओं का योगदान बहुत ही उल्लेखनीय और ऐतिहासिक है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि करदाता दरअसल सबसे महत्वपूर्ण हितधारक होते हैं जो राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हैं। उन्होंने कहा, और यह एक कारण है जिसके चलते ईमानदार करदाता की रक्षा करना सरकार का कर्तव्य

है। हालांकि इसके साथ ही जो लोग व्यवस्था की खामियों का फायदा उठा रहे हैं उनका पता लगाना भी आवश्यक है। गडकरी ने कहा कि आयकर के सरलीकरण के लिए सरकार ने कई फैसले लिए हैं।

बंदरों के आतंक से लोग बेहाल, प्रशासन सुस्त

सादाबाद। सादाबाद नगर में बढ़ती हुई बंदरों की आबादी को चलते नगर की संपूर्ण आबादी बंदरों के आतंक से परेशान होने से नगर पंचायत प्रशासन व तहसील स्तरीय प्रशासन के अधिकारियों से शिकायतें करने के बावजूद भी प्रशासन ने आज तक कोई कदम नहीं उठाया गया है जिसको लेकर नगर की आम जनता में अनेक तरह की भ्रांतियां फैली हुई है और आम आदमी इन बातों से लेकर परेशान हो गए हैं। नगर निकाय के चुनावों के समय प्रत्याशियों से नगर की जनता ने अनेक बार इस संबंध में मांगे रखी गई थी। नगर में बंदरों के आतंक से निजात दिलाएं लेकिन चुनावों के समय नगर निकाय के उम्मीदवारों ने आम जनता को आश्वासन दिया कि चुनाव जीतने के बाद इस गंभीर समस्या से प्रमुखता के साथ निजात दिलाएंगे लेकिन आज तक इस गंभीर समस्या का निराकरण नगर पंचायत प्रशासन द्वारा तहसील स्तरीय प्रशासन अधिकारियों ने निस्तारण नहीं कराया गया है।

कुशीनगर में पोस्टल वैलेट से 5959 मतदान अधिकारियों ने किया मतदान

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में छठे चरण के दौरान सम्पन्न होने वाले चुनाव में मतदान अधिकारियों ने पोस्टल बैलेट में जागरूकता दिखायी है। पिछले लोक सभा चुनाव के सापेक्ष 5958 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। जानकारी के अनुसार विधान सभा सामान्य निर्वाचन 2022 में इस बार मतदान अधिकारियों ने मतदान में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। आठ दिनों तक पडरौना नगर के उदित नारायण इंटर कालेज में चले मतदान में 5958 मतदान अधिकारियों ने अपना मतदान किया। एक नजर पोस्टल बैलेट पर डाले तो कुशीनगर जिले की खड्डा विधान सभा क्षेत्र में 577 मतदान अधिकारियों ने वोट की चोट की है। वही पडरौना में 1082, तमकुहीराज में 586, फाजिलनगर में 1187, कुशीनगर में 1164, हाटा में 773 व रामकोला विधान सभा क्षेत्र में 589 मतदान अधिकारियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि अगर कुशीनगर की सभी सात विधान सभा क्षेत्रों में ईवीएम से मतों की गिनती में हार जीत का अंतर अगर कम रहा तो मतदान अधिकारियों का मत निर्णायक हो सकता है। इस बार मतदान अधिकारियों ने बीते 2019 के लोकसभा चुनाव के सापेक्ष 1252 अधिक मतदान अधिकारियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। ज्ञात हो कि विधान सभा सामान्य निर्वाचन में मतदान अधिकारियों के आठ दिन चले द्वितीय प्रशिक्षण के बाद विधान सभावार वोटिंग के लिये बूथ बनाएं गये थे। जिसमें अबकि बार सर्वाधिक 5958 मतदान अधिकारियों ने मतदान किया, जो बीते चुनाव से 1252 मत अधिक है।

विधान सभा सामान्य निर्वाचन 2022 के छठे चरण में कुशीनगर जिले की सातों विधान सभा क्षेत्र के मतदान अधिकारियों ने प्रशिक्षण स्थल उदितनारायण इंटर कालेज पर बने बूथों पर अंतिम दिन शनिवार को सर्वाधिक 963 मतदान अधिकारियों ने पोस्टल बैलेट से मतदान किया। जिसमें आठवे दिन मतदान अधिकारियों ने 329 खड्डा विधान सभा क्षेत्र में 99 मतदान अधिकारी तो 330 पडरौना में 189 , 331 तमकुहीराज में 83, 332 फाजिलनगर 144, 333 कुशीनगर में 218, 334 हाटा में 204 व 335 रामकोला सुरक्षित विधान सभा क्षेत्र में 26 मतदान अधिकारियों ने पोस्टल बैलेट से मतदान किया।मतदान अधिकारियों ने मतदान के बाद पोस्टल बैलेट मतपत्र को लिफाफा में रखने के बाद मतपेटिका में डाला। पोस्टल बैलेट के नोडल अधिकारी डॉ. बाबू राम मौर्या व सहायक नोडल अधिकारी रामप्यारे की देख रेख में मतदान अधिकारियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस सम्बन्ध में डॉ. बाबूराम मौर्या, नोडल अधिकारी पोस्टल बैलेट ने बताया कि बीते लोकसभा चुनाव में 4705 मतदान अधिकारियों ने मतदान में हिस्सा लिया था, इस बार सर्वाधिक 5958 मतदान अधिकारियों ने मतदान किया, जो बीते चुनाव से 1252 मत अधिक है।

भाजपा प्रत्याशी पर कुशीनगर में मुकदमा दर्ज

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में भाजपा प्रत्याशी पी एन पाठक के खिलाफ चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का मुकदमा दर्ज किया गया है। पी एन पाठक के खिलाफ यह कार्रवाई शनिवार की देर रात हुई है। जानकारी के अनुसार कुशीनगर विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी पीएन पाठक की बिना परमिशन की गाड़ी, माईक व प्रचार समाग्री के साथ कसया नगर के पडरौना रोड पर देखी गयी। जिसे प्रेक्षक संतोष कुमार राय ने पकड़ लिया। इधर पकड़ी गयी गाड़ी का परमिशन मांगा गया तो ड्राइवर नही दिखा पाया। प्रेक्षक ने गाड़ी का वीडियो बनवाया और इसकी सूचना उड़नदस्ता टीम को दी। जिसको लेकर हरकत में आयी टीम मौके पर पहुंची और गाड़ी को कब्जे में लेकर मुकदमा पंजीकृत कराया। टीम के प्रभारी एडीओ पंचायत देवेंद्र प्रसाद की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कराया। इस संदर्भ में प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार उपाध्याय ने बताया कि भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघ का मुकदमा दर्ज किया गया है।

स्वाट टीम ने मुठभेड़ में पकड़े चार शातिर बैटरी चोर

मैनपुरी। स्वॉट टीम ने शनिवार को एक सूचना पर मोबाइल टावर से बैटरी चोरी करने वाले चार शातिर चोरों को एलाऊ क्षेत्र से मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जा से एक कार, चोरी की बैटरियां, चार तमंचा व नकदी बरामद हुई। शातिर दूसरे राज्यों में भी चोरी की वारदात अंजाम देते थे। एसपी ने शनिवार को प्रेसवार्ता कर कार्रवाई के संबंध में जानकारी दी।थाना एलाऊ, किशनी और कुरावली क्षेत्र से बीते कुछ दिनों में मोबाइल टावरों से बैटरी चोरी की वारदात हुईं, जिनमें थाना पर मुकदमा भी पंजीकृत कराए गए थे। शनिवार को बैटरियां चोरी करने वाले चार शातिर स्वॉट टीम ने गिरफ्तार किए हैं। कार्रवाई के संबंध में एसपी अशोक कुमार राय ने प्रेसवार्ता कर जानकारी दी। बताया कि चोरों को पकड़ने के लिए स्वाट/साइबर सेल प्रभारी विक्रम सिंह व टीम को लगाया गया था। शनिवार की सुबह टीम को सूचना मिली कि मोबाइल टावर से बैटरियां चोरी करने वाले शातिर एक कार द्वारा किशनी से मैनपुरी की ओर आ रहे हैं। टीम ने थानाध्यक्ष एलाऊ सुनील भारद्वाज व पुलिस बल के साथ क्षेत्र में घेराबंदी की। इस दौरान पुलिस ने जब कार को रोकने का प्रयास किया तो उसमें सवार चोरों ने फायर करना शुरू कर दिया। अचानक हुए हमला से संभलते हुए कार सवार चार आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए।एसपी ने बताया कि पकड़े गए चोरों ने अपने नाम राजेश कुमार सिंह निवासी बडवारी कलां कासगंज, नौशाद निवासी भगवानपुर हापुड़, आकाश निवासी डामई थाना मिरहची एटा और राहुल निवासी इंद्राजसनपुर सिकंदरपुर वैश्य कासगंज बताया। इनके कब्जा से सात चोरी की बैटरी, चार तमंचा कारतूस, वारदात में प्रयुक्त कार और चोरी का माल बेचकर अर्जित किए गए 26300 रुपये भी बरामद हुए हैं। एएसपी मधुवन कुमार ने बताया कि पकड़े गए चोरों पर लूट चोरी के भी मामले दर्ज हुए हैं। आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी की जा रही है।

मतदान पर भारी पड़ी ग्रामीणों की नाराजगी

मैनपुरी। विधानसभा क्षेत्र किशनी के गांव इलाहबांस में मुख्य सड़क न बनने को लेकर ग्रामीणों की नाराजगी का वोटिंग प्रतिशत पर असर देखा गया। मतदान बहिष्कार का एलान करने वाले ग्रामीणों ने अधिकारियों के समझाने पर मतदान तो किया, लेकिन उत्साह नहीं दिखाया। यहां 3131 में से 1821 लोगों ने ही मतदान में भाग लिया विधानसभा किशनी के गांव इलाहबांस की आबादी लगभग साढ़े पांच हजार है। मैनपुरी-कुसमरा मार्ग से इलाहबांस को जाने वाला मुख्य मार्ग लंबे समय से बदहाल है। मुख्य बाजार की मुख्य सड़क कच्ची होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। बारिश के मौसम में इस मार्ग की स्थिति और ज्यादा खराब हो जाती है। मुख्य मार्ग पर बारिश के मौसम में दलदल हो जाता है। जबकि गर्मी के मौसम में पूरे दिन धूल उड़ती रहती है। विधानसभा चुनाव के दौरान ग्रामीणों ने सड़क नहीं तो वोट नहीं का बैनर लगाकर मतदान बहिष्कार का एलान किया तो अधिकारी ग्रामीणों को समझाने पहुंचे।

डीएम ने कंट्रोल रूम व एमसीएमसी रूम का किया निरीक्षण

वीवीटी रूम एवं वेयर हाउस का भी लिया जायजा

मऊ। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के दृष्टिगत जनपद में होने वाले चुनाव को लेकर तैयारियों के संबंध में आज जिलाधिकारी अरुण कुमार द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कंट्रोल रूम, एमसीएमसी रूम, वीवीटी रूम, वेयरहाउस एवं अप्रयुक्त ईवीएम, खराब ईवीएम मशीनो आदि के रखने के स्थान का निरीक्षण किया गया। कंट्रोल रूम के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वहां पर सभी विधानसभाओं में एफएसटी एवं एसएसटी के टीमों का कंप्यूटर पर लोकेशन देखा। कंट्रोल रूम में अब तक प्राप्त शिकायतो एवं उनके निस्तारण की स्थिति की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने सी-विजिल एप पर अबतक प्राप्त शिकायतों एवं उसके निस्तारण की स्थिति की भी जानकारी ली। उन्होंने वहां पर तैनात कर्मियों को समस्त नोडल अधिकारियों के नाम एवं मोबाइल नंबर पास रखने को

कहा जिससे शिकायतें प्राप्त होने पर तत्काल सम्बंधित नोडल अधिकारी को सूचित किया जा सके। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने एमसीएमसी रूम का निरीक्षण किया वहां पर तैनात कार्मिकों से अब तक आचार संहिता के उल्लंघन के मामले एवं पेड न्यूज के बारे में जानकारी ली। एमसीएमसी रूम में लगी एक एलईडी खराब होने पर उसे तत्काल बदलने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने वीवीटी रूम का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित नोडल अधिकारी मनीष कुशवाहा ने बताया कि अब तक विभिन्न प्रत्याशियों के कार्यक्रमों की 50 सीडी प्राप्त हुई है जिसके निरीक्षण के दौरान अभी तक कोई मामला आचार संहिता के उल्लंघन का सामने नहीं आया है। जिलाधिकारी ने नोडल अधिकारी को निर्देश दिया कि आप स्वयं एवं अपने सहायकों द्वारा अलग-अलग एक-एक सीडी का ध्यान से निरीक्षण रिपोर्ट दें। इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा ईवीएम मशीनों के रखने के स्थान वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया, जहां पर बूथवार सभी विधानसभाओं के ईवीएम मशीनों की सेटिंग का कार्य चल रहा है। जिलाधिकारी ने सभी रिटर्निंग ऑफिसर को निर्देश दिया कि यहां कार्य करने वाले सभी कर्मचारियों को पहचान पत्र उपलब्ध करा दें एवं मोबाइल वेयरहाउस के अंदर लाने की अनुमति न दे। उन्होंने वेयरहाउस के बाहरी इलाकों में बैरिकेटिंग कराने एवं वहां पर पर्याप्त पुलिस बल रखने के भी निर्देश दिए, जिससे बाहरी लोगों की आवाजाही न हो सके। इसके पश्चात जिलाधिकारी द्वारा अप्रयुक्त एवं खराब हुई ईवीएम मशीनों को रखने स्थान का भी निरीक्षण किया गया। यहां पर स्थित हाल एवं कमरों की खिड़कियों एवं बाहरी हिस्सो के दरवाजों को पूरी तरह से सील करने एवं सीसीटीवी कैमरे लगवाने के जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिए गये। इस दौरान अपर जिलाधिकारी भानु प्रताप सिंह, समस्त रिटर्निंग ऑफिसर, सह निर्वाचन अधिकारी हर्षिता तिवारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस प्रेक्षक ने कोतवाली का किया निरीक्षण, दिया निर्देश

मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ। विधान सभा चुनाव में पुलिस तैयारियों का जायजा और पुलिस कार्यप्रणाली को परखने को लेकर जनपद में तैनात पुलिस प्रेक्षक प्रसाद प्रह्लाद अक्कानुरु ने शनिवार को मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली का निरीक्षण किया। श्री प्रसाद ने कार्यालय का निरीक्षण के साथ अपराध रजिस्टर, चुनाव रजिस्टर, पुलिस पिकेट, रैपिड फोर्स बॉर्डर आदि के बारे में जानकारी प्राप्त किया। उन्होंने क्षेत्र में शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने हेतु निरोधात्मक कार्यवाही के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए कोतवाल शैलेश सिंह को निर्देशित किया कि क्षेत्र में अपराधी तत्वों पर कड़ी नजर रखें। साथ ही क्षेत्र में किसी भी प्रकार के विवाद अथवा अशांति की जानकारी पर त्वरित कार्यवाही करें और संबंधित पक्षों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। उन्होंने पूर्व में हुए चुनाव के दौरान किसी भी गांव में कोई विवाद अथवा कोई गैर कानूनी गतिविधि हुई हो तो उस गांव के बूथों पर लोगों से चुनाव के बारे में जानकारी प्राप्त किया। उन्होंने मुहम्मदाबाद आजमगढ़ रोड पर उम्मनपुर बॉर्डर के पास पुलिस

विशेष नजर रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के बाद प्रेक्षक ने मुहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के खैराबाद, और मुहम्मदाबाद गोहना कस्बा स्थित वनरेबल और क्रिटिकल मतदान केंद्रों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने स्थानीय चेक पोस्ट का भी निरीक्षण किया और वहां तैनात पुलिसकर्मियों को अलर्ट रहने और थाना क्षेत्र के हर छोटी-बड़ी घटनाओं पर नजर रखने का निर्देश दिया। इस दौरान कोतवाल शैलेश सिंह के साथ स्थानीय पुलिस टीम मौजूद रही।

टीम इंडिया ने घरेलू सरजमीं पर जीती लगातार सातवीं सीरीज

रिकॉर्ड 11वीं जीत के साथ श्रीलंका के खिलाफ 2-0 की अजेय बढ़त

धर्मशाला (एजेंसी)। मैन ऑफ द मैच श्रेयस अय्यर (नाबाद 74), आलराउंडर रवींद्र जडेजा (नाबाद 45) और संजू सैमसन (39) की आतिशी पारियों से भारत ने श्रीलंका को एकतरफा अंदाज में शनिवार को 17 गेंद शेष रहते सात विकेट से हराकर लगातार 11वीं रिकॉर्ड टी20 जीत हासिल की और तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अपराजेय बढ़त बना ली। टीम सर्वाधिक लगातार जीत दर्ज करने के रिकॉर्ड के भी करीब है।

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत अगर धर्मशाला में ही होने वाला तीसरा और आखिरी मैच भी जीत जाता है तो उसके नाम लगातार 12 जीत हो जाएगी। अभी लगातार 12 जीत का रिकॉर्ड अफगानिस्तान और रोमानिया के नाम है। यह घरेलू सरजमीं पर भारत की लगातार सातवीं सीरीज जीत भी है। श्रीलंका ने कप्तान दासुन शनाका (47) और सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका (75) की विस्फोटक फिनिश से 20 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन का बड़ा स्कोर बना लिया। लेकिन भारत ने 17.1 ओवर में तीन विकेट पर 186 रन बनाकर जीत अपने नाम की। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत खराब रही और पहले ही ओवर में रोहित शर्मा एक रन और ईशान किशन 16 रन बनाकर आउट हुए। तीसरे विकेट के लिए श्रेयस अय्यर और संजू सैमसन ने 47 गेंदों पर 84 रन जोड़कर पारी को संभाल लिया। सैमसन 25 गेंदों पर 39 रन बनाकरआउट हुए। इसके बाद अय्यर और रवींद्र जडेजा ने मेहमान टीम को कोई मौका नहीं दिया। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 26 गेंदों पर नाबाद 58 रन जोड़कर भारत को मुकाबला जीता दिया। जडेजा ने मैदान पर आते ही चौके-छक्कों की बरसात कर डाली और 18 गेंदों पर नाबाद 45 रन बनाए। सीरीज का अंतिम मैच इसी मैदान पर रविवार को खेला जाएगा।

स्कोर बोर्ड

श्रीलंका पारी	रन	गेंद	4	6
पथुम निसांका पगबाधा भुवनेश्वर	75	53	11	0
गुनतिलका कै. वेंकटेश बो. जडेजा	38	29	4	2
चरिथ असलंका पगबाधा चहल	02	05	0	0
कमिल मिशारा कै. श्रेयस बो. हर्षल	01	04	0	0
दिनेश चांदीमल कै. रोहित बो. बुमराह	09	10	1	1
दासुन शनाका नाबाद	47	19	2	5
चमीका करुणाल्ने नाबाद	00	00	0	0

अतिरिक्त : 11, **कुल**: 20 ओवर में पांच विकेट 183 रन **विकेट पतन**: 1-67, 2-71, 3-76, 4-102, 5-160, **गेंदबाजी**: भुवनेश्वर कुमार 4-0-36-1, जसप्रीत बुमराह 4-0-24-1, हर्षल पटेल 4-0-52-1, युजवेंद्र चहल 4-0-27-1, रवींद्र जडेजा 4-0-37-1,

भारतीय पारी	रन	गेंद	4	6
रोहित शर्मा बो. चमीरा	01	02	0	0
इशान किशन कै. शनका बो. कुमारा	16	15	2	0
श्रेयस अय्यर नाबाद	74	44	6	4
संजू सैमसन कै. फर्नाडो बो. कुमारा	39	25	2	3
रवींद्र जडेजा नाबाद	45	18	7	1

अतिरिक्त: 11, **कुल**: 17.1 ओवर में तीन विकेट पर 186 रन **विकेट पतन**: 1-9, 2-44, 3-128, **गेंदबाजी**: चमीरा 3.1-0-39-1, फर्नाडे 4-0-47-0, लहिरु कुमारा 3-0-31-2, प्रवीण जयाविक्रमा 2-0-19-0, चमीका करुणाल्ने 3-0-24-0, दासुन शनाका 2-0-24-0,

श्रीलंका के लिए निसांका ने जड़ा अर्धशतक

कप्तान दासुन शनाका (47) और सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका (75) के विस्फोटक फिनिश से श्रीलंका ने 183 रन का बड़ा स्कोर बनाया। श्रीलंका ने पहले पांच ओवरों में 25 रन देकर किफायती गेंदबाजी की, लेकिन पहला पावरप्ले (छह ओवर तक) खत्म होते ही श्रीलंका ने तूफानी अंदाज में खेलना शुरू कर दिया। हालांकि बीच में लगातार तीन विकेट चटका कर भारत ने कुछ हद तक वापसी की, लेकिन पथुम और शनाका ने विस्फोटक अंदाज में खेलते हुए फिर से भारतीय गेंदबाजों को दबाव में डाल दिया। दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए महज 26 गेंदों पर 58 रन की साझेदारी की , वहीं भारत की ओर से सभी पांचों गेंदबाजों बुमराह, भुवनेश्वर, हर्षल पटेल, चहल औरजडेजा ने एक-एक विकेट लिया।

टी20 में सर्वाधिक कैच लेने वाले भारतीय खिलाड़ी बने रोहित शर्मा

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टी20 में भारत की ओर से सर्वाधिक कैच लेने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने दूसरे टी20 के दौरानप अपना 50वां कैच लिया। बुमराह की गेंद पर उन्होंने दिनेश चांदीमल का कैच पकड़कर ये उपलब्धि हासिल की। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर पूर्व कप्तान विराट कोहली हैं, जिनके नाम 43 कैच हैं। टी20 में सर्वाधिक कैच लेने के मामले में दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर शीर्ष पर हैं। उन्होंने कुल 69 कैच लिए हैं। दूसरे नंबर पर 64 कैच के साथ मार्टिन गप्टिल हैं। तीसरे स्थान पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा हैं। इस लिस्ट में चौथे नंबर पर पाकिस्तान के अनुभवी खिलाड़ी शोएब मलिक हैं। उन्होंने भी 50 कैच लिए हैं।

खाली स्टेडियम में खेला जाएगा कोहली का 100वां टेस्ट

टी-20 सीरीज के बाद टीम इंडिया श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की सीरीज खेलेगी। पहला मुकाबला मोहाली में खेला जाएगा, जो कि विराट कोहली का 100वां टेस्ट मैच भी है। मगर चार मार्च से शुरू होने वाला यह टेस्ट मैच खाली स्टेडियम में होगा। पंजाब क्रिकेट संघ (पीसीए) के एक अधिकारी ने कहा कि फैंस को मैदान आने की अनुमति नहीं है।

ईशान किशन के हेलमेट पर लगी लहिरू कुमारा की बाउंसर

भारतीय पारी के चौथे ओवर की दूसरी गेंद पर ईशान किशन चोटिल हो गए। लहिरू कुमारा की बाउंसर ईशान किशन के हेलमेट पर लगी, जिसके कारण गेम को कुछ देर के लिए रोकना पड़ा। हालांकि हेलमेट पर गेंद लगने के बाद ईशान अपनी लय हासिल नहीं कर सके और लहिरू कुमारा की गेंदों पर अंधाधुंध शॉट लगाने का प्रयास करने लगे। जिसका नतीजा ये हुआ कि अगले ही ओवर में वह लहिरू कुमारा को अपना विकेट दे बैठे।

अनुभव ने झटके पांच विकेट, मप्र जीता

रणजी ट्रॉफी: मेघालय को पारी और 301 रन से रौंदा

राजकोट। अनुभव अग्रवाल (38 रन पर पांच विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मध्य प्रदेश ने मेघालय को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए मैच के तीसरे दिन शनिवार को पारी और 301 रन से रौंद कर बोनस सहित सात अंक हासिल कर लिए।

मेघालय को पहली पारी में 61 रन पर ढेर करने के बाद मध्य प्रदेश ने छह विकेट पर 499 रन बनाकर अपनी पारी घोषित कर दी। मध्य प्रदेश ने दूसरी पारी में मेघालय को 137 रन पर ढेर कर मुकाबला पारी के बड़े अंतर से जीत लिया। अनुभव अग्रवाल ने 38 रन पर पांच विकेट, कुमार कार्तिकेय ने 18 रन पर तीन विकेट और गौरव यादव ने 39 रन पर दो विकेट झटके। मेघालय ने दूसरी पारी बिना विकेट गंवाये 16 रन से शुरू की थी। उसके लिए कप्तान पुनीत बिष्ट ने सबसे ज्यादा 38 रन बनाए। उनके अलावा चार बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंच सके। ग्रुप के एक अन्य मैच में गुजरात के पहली पारी में 388 रन के जवाब में केरल ने विकेटकीपर बल्लेबाज विष्णु विनोद शतक से पहली पारी में 439 रन बनाए। इस तरह केरल ने पहली पारी की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। स्टंप तक गुजरात ने पांच विकेट गंवाकर 128 रन बना लिये हैं जिससे उसकी कुल बढ़त 77 रन की है।

हिमाचल प्रदेश ने त्रिपुरा को हराया

मयंक डागर (50 रन पर सात विकेट), ऋषि धवन (53 रन पर छह विकेट) और आकाश वशिष्ठ (24 रन पर पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी और कप्तान अंकित कलसी (147) की शानदार शतकीय पारी की बदौलत हिमाचल प्रदेश ने यहां रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप एच मैच के तीसरे दिन त्रिपुरा को पारी और 30 रन से हरा दिया। हिमाचल ने मयंक, ऋषि और आकाश की घातक गेंदबाजी की बदौलत त्रिपुरा को पहली पारी में 202 और दूसरी पारी में 133 रन पर ऑलआउट कर दिया, जबकि अपनी एकमात्र पारी में अंकित के शतक और राघव धवन के अर्धशतक के दम पर 365 रन बनाए। मयंक ने दोनों पारियों में 85 रन पर नौ, ऋषि ने और आकाश ने चार-चार विकेट लिए। वहीं अंकित नें 147, जबकि राघव 68 रन बनाए। बल्तेज सिंह, सिद्धार्थ कौल और अर्शदीप सिंह की घातक गेंदबाजी की बदौलत पंजाब ने तीसरे दिन हरियाणा को पहली पारी में 282 रन पर ऑलआउट करने और फिर फॉलोऑन देते हुए 149 रन पर चार विकेट ले लिए। हरियाणा अभी पंजाब से 13 रन पीछे है और संकट की स्थिति में है।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय ब्रिज टीम घोषित

कोलकाता। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता सुमित मुखर्जी सहित देवव्रत मजूमदार, जग्गी शिवदासानी, राजेश्वर तिवारी, कीजाद अंकलेसरिया और संदीप ठकराल को चीन के हांग्जो में सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों के ब्रिज इवेंट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। ब्रिज फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) के एक अधिकारी ने शनिवार को कहा कि भारत के पूर्व अंतरराष्ट्रीय देबाशीष रॉय भारतीय टीम के कप्तान सह कोच होंगे। वहीं बीएफआई के मुताबिक इस हफ्ते की शुरुआत में पुणे में हुए कठिन ट्रायल के बाद चुनी गई टीम अगले महीने इटली में होने वाली विश्व ब्रिज चैंपियनशिप में भी देश का प्रतिनिधित्व करेगी। इंडोनेशिया में पिछले एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता प्रणब बर्धन और शिबनाथ दे सरकार उम्मीद पर खरे नहीं उतर सके और टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे।

शुरुआती झटकों के बाद मिचेल व ग्रैंडहोम ने न्यूजीलैंड को संभाला

न्यूजीलैंड ने पांच विकेट खोकर 157 रन बनाए

क्राइस्टचर्च। डैरिल मिचेल (29) और कॉलिन डी ग्रैंडहोम (54) की साझेदारी ने यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन शनिवार को न्यूजीलैंड को संभाल लिया।

दोनों बल्लेबाजों के बीच छठे विकेट के लिए हुई 66 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने 45 ओवर में पांच विकेट पर 157 रन का स्कोर बनाया। दक्षिण अफ्रीका के तीन विकेट पर 238 के स्कोर पर खेल शुरू हुआ। न्यूजीलैंड की ओर से शानदार गेंदबाजी देखने को मिली। नील वैगनर, मैट हेनरी और काइल जैमिसन की घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका 126 रन ही और जोड़ पाया और 133 ओवर में 364 रन पर ऑलआउट हो गया। वैगनर ने 31 ओवर में 102 रन पर सर्वाधिक चार लिए। न्यूजीलैंड हालांकि बल्लेबाजी में पस्त हो गया। कैगिसो रबादा और मार्को यान्सन की घातक गेंदबाजी के आगे न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम के पांचों बल्लेबाज महज 91 के स्कोर के अंदर पवेलियन लौट गए। इस बीच डैरिल मिचेल और कॉलिन ग्रैंडहोम ने न्यूजीलैंड को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने सूझ-बूझ के साथ खेलते हुए पारी को आगे बढ़ाया और दिन के अंत तक और विकेट नहीं गिरने दिया। मिचेल ने चार चौकों की मदद से 78 गेंदों पर 29, जबकि ग्रैंडहोम ने सात चौकों और दो छक्कों के सहारे 61 गेंदों पर 54 रन की नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली।

कांटे के मुकाबले में भारत ने स्पेन को 5-4 से हराया

हॉकी प्रो लीग: हरमनप्रीत ने आखिरी मिनट में दागा निर्णायक गोल

भुवनेश्वर। टोक्यो ओलंपिक खेलों 2020 में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीत हासिल करने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021-22 मुकाबले में गजब की वापसी करते हुए स्पेन को 5-4 से हरा दिया।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग के अपने पांचवें मुकाबले में भारत को दुनिया की नंबर आठ टीम स्पेन से कड़ी टक्कर मिली। 43वें मिनट में एक अन्य भारतीय फॉरवर्ड शमशेर सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर स्कोर को 4-3 किया। इसी के साथ तीसरे क्वॉर्टर की समाप्ति हुई। चौथे और आखिरी क्वॉर्टर में करो या मरो के मकसद के साथ उतरी भारतीय टीम ने आक्रामक हॉकी खेली और स्पेन के डिफेंस को दुविधा में डाला। परिणामस्वरूप भारत को 55वें और 60वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिले, जिन्हें क्रमशः डिफेंडर वरुण कुमार और हरमनप्रीत सिंह ने गोल में तब्दील कर भारत को 5-4 से जीत दिलाई। हरमनप्रीत का आखिरी मिनट में गोल निर्णायक रहा। उल्लेखनीय है कि भारतीय टीम रविवार को यहां फिर स्पेन से भिड़ेगी।

भारतीय महिला टीम की लगातार तीसरी जीत

भुवनेश्वर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने लिंगा स्टेडियम में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में मजबूत टीम स्पेन को 2-1 से हरा दिया। दुनिया की छठे नंबर की स्पेनिश टीम ने मार्ता सेगु के मैदानी गोल से 18वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली थी। लेकिन विश्व रैंकिंग पर नौवें स्थान पर काबिज भारत ने तुरंत ज्योति के मैदानी गोल से जवाब दिया और फिर नेहा गोयल के 52वें मिनट में किए गए मैदानी गोल से स्पेन को पराजित कर चौंका दिया। भारतीय खिलाड़ी शुरुआत में थोड़ी धीमी थी जिससे स्पेन ने शुरू में दबदबा बनाया और चौथे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। जिसका भारतीय खिलाड़ियों ने अच्छा बचाव किया।

एसी मिलान- इंटर मिलान ने खेला ड्रॉ

मिलान। इटली की फुटबॉल लीग में शीर्ष पर चल रहे एसी मिलान और गत चैंपियन इंटर मिलान को शुक्रवार को यहां सिरी ए में उनके प्रतिद्वंद्वियों ने बराबरी पर रोक दिया। इटली के अंडर-21 लेफ्ट बैक डेस्टिनी उडोगी (66वें मिनट) ने इतालवी लीग का अपना पहला गोल दागकर उडिनसे को एसी मिलान के खिलाफ 1-1 से मुकाबला ड्रॉ कराने में मदद की। राफेल लियो ने 29वें मिनट में एसी मिलान को बढ़त दिलाई थी। इंटर मिलान को निचली लीग में खिसकने का खतरा झेल रहे जिनोवा ने गोल रहित बराबर पर रोका। इंटर मिलान की टीम अपने पिछले चार मुकाबले जीतने में नाकाम रही है। एसी मिलान ने अंक तालिका के शीर्ष पर इंटर मिलान पर दो अंक की बढ़त बरकरार रखी है।

मैक्सिको ओपन के फाइनल में पहुंचे नडाल

डेनियल मेदवेदेव को हराया, कैमरन नोरी से होगी खिताबी भिड़ंत

अकापुल्को (एजेंसी)। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी स्पेन के राफेल नडाल ने अकापुल्को में दुनिया के नंबर दो टेनिस खिलाड़ी रूस के डेनियल मेदवेदेव को हराकर मैक्सिको ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

नडाल ने मेदवेदेव के खिलाफ वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल मैच के प्रदर्शन को दोहराया। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन की तरह मेदवेदेव को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हराया। नडाल अब अपने करियर के 128वें फाइनल में 91वें टूर-लेवल खिताब के लिए ग्रेट ब्रिटेन के कैमरन नोरी से भिड़ेंगे। 20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नडाल तीन बार (2005, 2013, 2020) के मेक्सिकन ओपन चैंपियन हैं। उन्होंने पहले दो खिताब तब जीते थे जब इवेंट क्ले कोर्ट पर खेला गया था। पिछले महीने आस्ट्रेलियाई ओपन में 35 साल के नडाल ने पहले दो सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए मेदवेदेव को हराया था जो सोमवार को नई रैंकिंग जारी होने पर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बनेंगे। नडाल ने मौजूदा सत्र में अपने सभी 14 मुकाबले जीते हैं और अब वह अकापुल्को में चौथा खिताब जीतने उतरेंगे। छठे वरीय नोरी ने सेमीफाइनल में अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी सितसिपास को 6-4, 6-4 से हराया।

पोलैंड का रूस के खिलाफ फुटबॉल विश्व कप प्ले-ऑफ मैच खेलने से इनकार

वारसॉ। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के कारण पोलैंड रूस के खिलाफ अपना फीफा फुटबॉल विश्व कप 2022 क्वॉलीफाइंग प्ले-ऑफ मुकाबला नहीं खेलेगा। पोलैंड फुटबॉल संघ ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। पोलैंड फुटबॉल संघ के प्रमुख सेजरी कुलेजा ने बताया कि अब बोलने का नहीं, करके दिखाने का समय है। यूक्रेन के खिलाफ रूस की आक्रामकता बढ़ने के कारण पोलिश फुटबॉल टीम का रूस के खिलाफ प्ले-ऑफ मैच खेलने का इरादा नहीं है। यही एकमात्र सही निर्णय है। हम फीफा के लिए एक सामान्य स्थिति लाने के लिए स्वीडन और चेक गणराज्य के संघों के साथ बातचीत कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले पोलैंड (पीजेडपीएन), स्वीडन (एसवीएफएफ) और चेक गणराज्य (एफएसीआर) के फुटबॉल संघों ने अपना पक्ष रखते हुए कहा था कि कतर में 2022 फीफा फुटबॉल विश्व कप में क्वालीफाई करने के लिए 24 और 29 मार्च को निर्धारित प्लेऑफ मैच रूसी संघ के क्षेत्र में नहीं खेले जाने चाहिए।

बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में दूसरे दर्जे की हॉकी टीम भेजेगा भारत

नई दिल्ली। भारत इस साल होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष और महिला हॉकी स्पर्धाओं के लिए दूसरे दर्जे की टीम भेजेगा क्योंकि बर्मिंघम में होने वाले इन खेलों और हांगझोउ एशियाई खेलों के बीच अधिक समय नहीं है। एशियाई खेल 2024 पेरिस ओलंपिक के क्वॉलीफायर हैं। हॉकी इंडिया के एक शीर्ष अधिकारी ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। इससे पहले भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने ऐसा दावा किया था। हॉकी इंडिया के अधिकारी ने बताया, हमारे पास तीन टीम हैं, इंडिया सीनियर, भारत ए और जूनियर टीम और इस साल हम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अपनी ए टीम भेजेंगे क्योंकि हम नहीं चाहते कि हमारे मुख्य खिलाड़ी अधिक महत्वपूर्ण एशियाई खेलों से पहले ही अपने शीर्ष पर पहुंच जाएं। उन्होंने कहा, एशियाई खेलों की टीम में जगह नहीं बनाने वाले रिजर्व खिलाड़ियों को वहां (बर्मिंघम) भेजेंगे क्योंकि दोनों खेलों के बीच में सिर्फ 32 दिन का अंतर है। हम चाहते है कि हमारे मुख्य खिलाड़ी एशियाई खेलों के लिए पूरी तरह फिट हों क्योंकि यह ओलंपिक क्वॉलीफायर हैं।

स्ट्रैंड्जा मुक्केबाजी में नंदिनी को कांस्य पदक से करना पड़ा संतोष

भारतीय मुक्केबाज को सेमीफाइनल में लज्जात ने 5-0 से हराया

नई दिल्ली । भारतीय मुक्केबाज नंदिनी (81 किग्रा से अधिक) को बुल्गारिया के सोफिया में चल रहे 73वें स्ट्रैंड्जा मुक्केबाजी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में कजाखस्तान की पूर्व विश्व चैम्पियन लज्जात कुंगेबाएवा से 0-5 से हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

अब भारतीयों में पूर्व युवा विश्व चैम्पियन निकहत जरीन (52 किग्रा) और नीतू (48 किग्रा) ही बचे हैं जो अपने वजन वर्गों के फाइनल में पहुंच चुकी हैं और रविवार को फाइनल खेलेंगी। नीतू का सामना इटली की एरिका प्रिसयांदारो से होगा जबकि जरीन यूक्रेन की तेतियाना कोब के सामने होंगी। जरीन ने टोक्यो ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप की रजत पदक विजेता बुसे नाज काकिरोग्लू को और नीतू ने यूक्रेन की हन्ना ओखोटा को हराया था। भारत ने पिछले चरण में दो पदक जीते थे जिसमें दीपक कुमार ने रजत और नवीन बूरा ने कांस्य पदक प्राप्त किया था। पुरूष टीम का प्रदर्शन इस बार काफी खराब रहा जिसमें सात में से कोई भी पदक दौर में नहीं पहुंच सका।

साइबर क्राइम सेल ने एमबीए पास आंनदपाल को गिरफ्तार किया

गाजियाबाद। दिल्ली से सटे गाजियाबाद पुलिस की साइबर क्राइम सेल ने एमबीए पास आंनदपाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि आनंदपाल डेटिंग एप्लीकेशन पर मॉडल की फोटो लगाकर अपनी प्रोफाइल बनाता था और महिलाओं-युवतियों को प्रेमजाल में फंसाकर उनसे रुपए ऐंठता था। आनंदपाल ने पिछले दिनों गाजियाबाद के सीए से इसी तरह 24 लाख रुपए ठगे थे, जिसके बाद पुलिस ने केस में जांच-पड़ताल शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी वैभव अरोड़ा युवतियों-महिलाओं से दोस्ती करता। फिर अश्लील चैटिंग के दौरान आरोपी शादी का झांसा देकर फांसता था। फिर कभी बीमारी तो कभी एक्सीडेंट का बहाना बताकर उनसे रुपयों की डिमांड शुरू कर देता। दोस्ती के दौरान वह इन महिलाओं से उनके कुछ फोटो भी हासिल कर लेता था। इसके बाद वह इन फोटो को छेड़छाड़ करके वायरल करने की धमकी देकर और रुपए वसूलता था। आरोपी ने गाजियाबाद के सीए से 24 लाख रुपए हड़पे। इसके अलावा पंजाब की युवती से तीन लाख रुपए ठगे। बताया जा रहा है कि आरोपी के बैंक अकाउंट में एक साल में ही करीब 66 लाख रुपए आए हैं। अब तक एक करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी इस तरह कर चुका है। दरअसल, राजनगर एक्सटेंशन के चाटर्ड अकाउंटेंट ने पिछले दिनों इस संबंध में गाजियाबाद पुलिस को एक शिकायत दी थी। साइबर क्राइम सेल के प्रभारी सुमित कुमार ने बताया कि आरोपी आनंदपाल गाजियाबाद में विजयनगर थाना क्षेत्र के मिजार्पुर का रहने वाला है। वह कोलकाता में एक फर्म भी चलाता था, लेकिन लॉकडाउन में नुकसान होने के बाद वह डेटिंग एप पर ठगी करने के धंधे से जुड़ गया। उसने फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिंडर, ओकेक्यूपिड, बंबल जैसी तमाम डेटिंग एप्स पर वैभव अरोड़ा नाम की प्रोफाइल बनाई। फिलहाल पुलिस आरोपी युवक से पूछताछ में जुटी है।

चार मार्च से शुरू होगा महिला विश्व कप का महाकुंभ

31 दिनों में खेले जाएंगे 31 मुकाबले, तीन अप्रैल को होगा फाइनल

क्वींसटाउन । महिला वनडे वर्ल्ड कप टूर्नामेंट चार मार्च से तीन अप्रैल के बीच न्यूजीलैंड में खेला जाएगा। टीम इंडिया इस अहम टूर्नामेंट की तैयारी के लिए न्यूजीलैंड पहुंच चुकी है। यह टूर्नामेंट 31 दिन चलेगा। इन 31 दिनों में कुल 31 मुकाबल खेले जाएंगे। सेमीफाइनल मुकाबला बासिन रिजर्व में 30 मार्च को खेला जाएगा।

वहीं दूसरा सेमीफाइनल 31 मार्च को हेगली ओवर में होगा। फाइनल तीन अप्रैल, 2022 को खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक छह वर्ल्ड कप जीता है। वह इस बार भी फेवरिट है। भारत की बात करें तो उसने पिछले वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। इंग्लैंड ने चार बार खिताब जीता है। वहीं मौजूदा होस्ट न्यूजीलैंड ने एक बार वर्ल्ड कप जीता है। महिला विश्व कप 2022 में ग्रुप स्टेज के 28 मैच राउंड रॉबिन फॉर्मेट में खेले जाएंगे, जिसमें हर टीम एक-दूसरे से एक बार भिड़ेगी। इसके बाद अधिक अंक वाली चार टीमें सेमीफाइनल में खेलेंगी। एक मैच जीतने पर टीम को दो अंक मिलेंगे, जबकि मैच टाई या बेनतीजा रहने पर दोनों टीमों को एक-एक अंक मिलेंगे। इस बार विश्व विजेता टीम को करीब 10 करोड़ रुपए मिलेंगे, जो कि 2017 विश्व कप के दौरान चैंपियन टीम को मिली राशि से दोगुनी है। टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वालीं आठ टीमों के बीच करीब 26 करोड़ रुपए की राशि बांटी जाएगी, जो कि पिछली बार से 11 करोड़ रुपाए ज्यादा है।

पाक के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेंगी भारतीय महिलाएं

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपने विश्वकप अभियान की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। यह मैच छह मार्च को खेला जाएगा। इसके बाद टीम ग्रुप स्टेज में 10 मार्च को न्यूजीलैंड, 12 मार्च को वेस्टइंडीज, 16 मार्च को इंग्लैंड, 19 मार्च को ऑस्ट्रेलिया, 22 मार्च को बांग्लादेश और 27 मार्च को दक्षिण अफीका से भिड़ेगी। इससे पहले आईसीसी ने वर्ल्ड कप से पहले वार्म अप मैचों का शेड्यूल जारी कर दिया है। भारतीय टीम 27 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका और एक मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ दो वार्म अप मुकाबले खेलेगी। यह दोनों मुकाबले रैंगियोरा में खेले जाएंगे। सभी टीमों को दो-दो प्रैक्टिस मैच खेलने हैं।

दबाव नहीं, आनंद लें: मिताली

भारतीय कप्तान ने विश्व कप में पहली बार खेलने जा रही खिलाड़ियों को सलाह दी है कि वह दबाव नहीं लें और बड़े मंच पर खेलने का लुत्फ उठाएं। मिताली ने कहा, हमने टीम में कुछ युवा प्रतिभाओं को आजमाया और उनमें से अधिकतर ने दिखाया कि उनमें इस स्तर पर खेलने की क्षमता है। इनमें रिचा, शेफाली जैसी खिलाड़ी शमिल हैं, हमारे पास तेज गेंदबाजों में मेघना सिंह, पूजा वस्त्रकार हैं। इन सभी को काफी मैच खेलने को मिले हैं और इन सीरीज से कप्तान के रूप में मुझे काफी मदद मिली कि वे टीम के संयोजन में कहां फिट बैठती हैं। उन्होंने कहा, जहां तक मेरी बात है तो मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं और मैं विश्व कप में इस फॉर्म को जारी रखना चाहती हूं।

होली व दीपावली पर हर घर को मुफ्त मिलेगा सिलेंडर

60 वर्ष से ज्यादा उम्र की महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। गोसाई की बाजार में लालगंज व दीदारगंज विधानसभा के बीजेपी प्रत्याशियों के समर्थन में पहुंचे देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहाकि उप्र में 10 मार्च को भाजपा की ही सरकार बनेगी, इसके लिए लोगों से भारी जनसमर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहाकि होली, दीपावली में हर घर को मुक्त सिलेंडर दिया जाएगा तथा 14 दिन के अंदर गन्ना का भुगतान किया गया जाएगा। केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को गिनाते हुए कहा कि इसका लाभ सभी वर्गों को खासकर गरीब पर को खूब मिला है। पहले एक रुपए देश की राजधानी से चलता था तो गरीब तक 15 पैसा पहुंचा था लेकिन अब 1 रू0 जाता है तो 1 रू0 ही मिलता है। उन्होंने आयुष्मान कार्ड के बारे में भी बात करते हुए कहा कि यह केवल आपके जिले में ही नहीं देश के किसी भी महानगर में काम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह तय किया गया है कि जल्द ही परिवहन बसों में 60 वर्ष से ज्यादा उम्र की महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। सरकार अन्नपूर्णा कैंटीन चलाएगी, जहां पर बहुत सस्ते दर में लोगों को भोजन प्राप्त होगा। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि अगर आपकी पत्नी से किसी बात की नाराजगी हो जाए तो आपको अन्नपूर्णा कैंटीन भोजन कराएगी।

नहीं दर्ज हुई प्राथमिकी, जमीन पर अतिक्रमण जस की तस

दोकटी (बलिया)। मंडलायुक्त के आदेशानुसार तत्कालीन उपजिलाधिकारी बैरिया द्वारा सरकारी जमीन से फर्जी तरीके से दर्ज काश्तकारों का नाम हटाकर उत्तर प्रदेश सरकार का नाम दर्ज तो दर्ज कर दिया गया किंतु एक वर्ष बीत जाने के बाद भी इस मामले में न तो प्राथमिक दर्ज की गई और न ही अतिक्रमण मुक्त ही किया जा सका। इससे लोगों में आक्रोश है। 28 जनवरी 2021 को इंटक के जिलाध्यक्ष विनोद सिंह ने तहसील प्रशासन व जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए आजमगढ़ शिकायती पत्र दिया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि ग्राम पंचायत सोनबरसा के गाटा संख्या 2684 रकबा 1,8780 हेक्टेयर पर काश्तकारों का नाम फर्जी तरीके से दर्ज कर दिया गया है। बार-बार आग्रह के बाद भी उसे सुधारा नहीं जा रहा है। इसे गंभीरता से लेते हुए मंडलायुक्त ने जिलाधिकारी उपजिलाधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा। मंडलायुक्त के इस आदेश से पूरे जिले में हड़कंप मच गया। उत्तर प्रदेश सरकार का नाम तो दर्ज हो गया किंतु अब तक आगे की कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। एक वर्ष बीत गया आरोपियों पर न तो प्राथमिकी दर्ज हो सका और न ही अतिक्रमण से जमीन मुक्त कराया जा सका। ग्राम पंचायत बहुआरा के गडेरिया, नरदरा, भुसौला, जगदीशपुर आदि कटान पीड़ित बस्तियों को बसाने के लिए काश्तकारों से जमीन खरीदा गया था। जमीन का पैसा तो शासन द्वारा काश्तकारों को उपलब्ध करा दिया गया किंतु बाद में काश्तकारों ने फजीर्वाड़ा कर उस जमीन पर अपना नाम चढ़ा लिया था और एक एक कर दर्जनों लोगों को पैसा लेकर जमीन बेच दिया। मंडलायुक्त के आदेश के बाद उत्तर प्रदेश सरकार का नाम तो दर्ज हो गया लेकिन वहां पर आज भी अतिक्रमण है जिसे नहीं हटाए जाने से लोगों में आक्रोश है।

रेलवे स्टेशन पर ऊपरगामी सेतु बनाने की मांग, सौंपा पत्रक

चितबड़ागांव (बलिया)। रेलवे स्टेशन पर ऊपरगामी पुल के न होने से यात्रियों को हो रही भारी कठिनाई को दूर करने हेतु निमार्णाधीन फुट ओवर ब्रिज को शीघ्र पूरा करने हेतु नगरपंचायत के भाजपा नेता अमरजीत सिंह के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने मंडल रेल प्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी को पत्रक भेजा। स्टेशन अधीक्षक चितबड़ागांव को दिए गए ज्ञापन में कहा है कि चितबड़ागांव रेलवे स्टेशन पर रेल दोहरीकरण का कार्य प्रगति पर है तथा स्टेशन पर दो प्लेटफार्म 1 व 2 का निर्माण किया गया है। वाराणसी की तरफ जाने वाली ट्रेनों का ठहराव अधिकतम प्लेट फार्म नंबर दो पर ही होता है। जबकि मुख्य टिकट घर एवं प्लेटफार्म नं.एक से प्लेटफार्म नं. 2 पर आने जाने के लिए अभी तक ऊपरगामी पुल का निर्माण पूर्ण नहीं किया गया है। इस कारण यात्रियों में आक्रोश व्याप्त है। भाजपा नेता अमरजीत सिंह ने ज्ञापन सौंपकर चितबड़ागांव स्टेशन पर अविलंब पुल निर्माण कराने की मांग की है। स्टेशन अधीक्षक कमल प्रकाश उपाध्याय ने कहा कि ज्ञापन उच्च अधिकारियों को भेज दिया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में मनीष तिवारी, संजीव तिवारी, सोनू गुप्ता, प्रवीण कुमार चंचल, रामजी सिंह, अभिषेक तिवारी, अंकित सिंह, अविनाश कुमार सिंह आदि दर्जनों लोग शामिल थे।

अबसेंट वोटर्स को मतदान हेतु प्रथम विजिट 28 फरवरी को

मऊ। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के दौरान अबसेंट वोटर, 80 वर्ष की आयु से अधिक एवं दिव्यांग मतदाताओं को मतदान की सुविधा प्रदान करने हेतु उनके निवास स्थल पर पोटिंग पार्टी के माध्यम से मतदान कराने की तिथि 28 फरवरी एवं 02 मार्च 2022 निर्धारित की गई है। 28 फरवरी 2022 को पोलिंग पार्टी द्वारा अबसेंट वोटर्स को मतदान हेतु प्रथम विजिट की जाएगी जबकि द्वितीय विजिट 02 मार्च 2022 को की जाएगी। पोलिंग पार्टी कलेक्ट्रेट परिसर में से 28 फरवरी 2022 को प्रातः 7ः00 बजे अपने संबंधित विधानसभा के रिटर्निंग ऑफिसर पंडाल से समस्त सामग्री प्राप्त करेंगे।

बच्चों ने रैली निकालकर मतदाताओं को किया जागरूक

प्रखर वाराणसी। प्राथमिक विद्यालय मुंगवार ब्लॉक आराजी लाइन वाराणसी में मतदाता जागरूकता अभियान की रैली निकाली गई। जिसमें विद्यालय के समस्त स्टाफ सहायक अध्यापक ममता पटेल, इंचार्ज प्रधानाध्यापक प्रेमनाथ, सहायक अध्यापक उषा देवी, राजकुमार, मीना कुमारी यादव, रसोईया कल्लू यादव, सफाई कर्मी, गाँव के मुखिया प्रधान प्रकाश यादव, रोजगार सेवक विनोद यादव एवं अभिभावक दिनेश यादव उत्साह पूर्वक रैली में सम्मिलित हुए। विद्यालय के समस्त नन्हे- मुन्ने बच्चे बड़े उत्साह पूर्वक नारा लगाते हुए पूरे गाँव का भ्रमण किए, सभी को शत-प्रतिशत अपना मतदान करने के लिए जागरूक किया गया। मुख्य रूप से सहायक अध्यापक ममता पटेल

द्वारा स्वरचित दर्जनों कविताएं एवं स्लोगन के माध्यम से गाँव के लोगों को लोगों को जागरूक किया गया। मतदाता जागरूकता सेल्फी प्वाइंट का निर्माण कर गाँव में घूम -घूम कर लोगों को वोट देने के लिए जागरूक किया गया जिसमें बड़े उत्साह से लोग फोटो खींचा कर मतदान देने की शपथ लिए, जिसमें विद्यालय के नन्हे मुन्ने बच्चों ने बड़े उत्साह से प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ रैली का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सुधाकर महिला पोस्ट ग्रैजुएट कॉलेज खजूरी, पांडेयपुर, वाराणसी के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिन स्वयंसेवी छात्राओं ने 26 फरवरी को तीनों इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारी प्रथम इकाई डॉक्टर प्रतिमा श्रीवास्तव, द्वितीय इकाई डॉ अनीता सिंह, तृतीय इकाई डॉक्टर हेमा गुप्ता के निर्देशन में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ रैली का आयोजन किया गया। सुधाकर महिला पोस्ट ग्रैजुएट कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रभु नारायण दूबे व समन्यवक डॉ. अशोक कुमार पाण्डेय ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्राचार्य जी ने कहा कि बेटियां शिक्षित होंगी तभी समाज भी शिक्षित होगा समन्यवक डॉ. अशोक कुमार पांडेय ने कहा कि वरुणा पर स्थित सुधाकर महिला शिक्षण संस्थान बेटियों को शिक्षित करने में अपनी अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर रही है। राष्ट्रीय सेवा योजना कि तीनों इकाइयों के स्वयंसेवी छात्राएं अपने-अपने कार्यक्रम स्थल पुष्प रंजन बालिका विद्यालय, दौलतपुर, वाराणसी प्राथमिक विद्यालय छोटा लालपुर प्रथम और प्राथमिक विद्यालय, छोटा लालपुर, द्वितीय से स्वयंसेवी छात्राओं ने टोली बनाकर क्षेत्र के पड़ोस के लोगों को भी शिक्षित करेंगी। निदेशक श्री आशीर्वाद दूबे ने भी अपने विचार करते हुए कहा कि बेटियां शिक्षित हो तो समाज और देश भी शिक्षित रहेगा। इस अवसर पर डॉ. श्याम सुंदर मिश्र, डॉ. दीपक कुमार डॉ. आशुतोष मिश्र डॉ. मंजू

गांव और नागरिकों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, बेटी शिक्षित होगी तो समाज शिक्षित होगा आदि नारों के साथ जागरूकता अभियान चलाया। सांध्य कालीन शिविर में उप प्राचार्या डॉ. रमा दूबे ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि बेटी शिक्षित होंगी, तो अपने घर को और शुक्ला, डॉ. प्रेम कुमार, डॉक्टर गीता सिंह, डॉ. उषा उपाध्याय, डॉ. अवनीश पांडेय, डॉ. अवनीश उपाध्याय. डॉ. मनोरमा त्रिपाठी, डॉ. मनोरमा तिवारी, डॉ. रोली पांडेय, डॉ. विष्णु गुप्त और डॉक्टर राजकुमार श्रीवास्तव ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

भाजपा कार्यकताओं ने प्रत्याशी रामराज बनवासी के लिए मांगा समर्थन

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर। जखनियां विधानसभा सुरक्षित 373के भाजपा प्रत्याशी अति दलित वर्ग विशेष के रामराज बनवासी के पक्ष में पार्टी पदाधिकारियों ने क्षेत्र में घर घर जाकर मतदान करने की अपील की। निवेदन कर अपने मताधिकार का खुलकर उपयोग करने तथा किसी के प्रलोभन में नहीं आने को प्रेरित किया। मंडल अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि राष्ट्र निर्माण और ने भारत के सशक्तिकरण में आप का बहुमूल्य मत मिल का साबित होगा। युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष श्रवण सिंह और अमित कुमार पटेल ने मतदान के महत्व बारीकी से समझाते हुए भाजपा के लिए समर्थन की गुजारिश की।इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री राजेश सोनकर,बूथ प्रमुख चन्द्र कुमार पांडेय गौरीशंकर पाण्डेय रवींद्र जी पुनम पाण्डेय दीपक पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

जो-जो समाचार पत्रों के साथ किया हो धोखाधड़ी, वह जनता की उम्मीदों पर कैसे उतरेगा खरा ?

प्रखर जौनपुर। सदर विधानसभा सीट के कांग्रेस प्रत्याशी एवं पूर्व विधायक नदीम जावेद द्वारा अपनी लोकप्रियता हेतु

बारंबार आदर्श आचार संहिता का उलंघन करना आम बात हो गई है हम बात करते हैं कि कांग्रेस प्रत्याशी नदीम जावेद के बारे में खबर लिखने पर जिले के एक टीवी चैनल रिपोर्टर को उनके समर्थकों द्वारा चुनाव बीतने के बाद देख लेने की दिया जा रहा हैं धमकी, आपको यह भी बताना चाहूंगा की सन् 2012 में पहली बार सदर विधानसभा सीट से कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़ कर सदर के विधायक चुने गए नदीम जावेद जिनके बारे में जिले के एक वरिष्ठ पत्रकार डा. राम सिंगार शुक्ल उर्फ गदेला गुरु ने बताया कि जो जो समाचार पत्रों के साथ किया हो धोखाधड़ी, वह जनता की उम्मीदों पर कैसे उतरेगा खरा, मामला पूरा यह है कि पूर्व विधायक नदीम जावेद का एक समाचार पत्र में 2012 में प्रकाशित हुए विज्ञापन की दस हजार रुपये धनराशि पूर्व विधायक डकार गए, जिसका आज तक नहीं हुआ भुगतान, सवाल यह उठता है की जब कांग्रेस पूर्व विधायक द्वारा पत्रकारों को नहीं बख्शा गया तो आप स्वयं तर्क लगा सकते हैं कि पुनः विधायक बनने के बाद जनता की उम्मीदों पर कैसे खरे उतरेगे यह अपने में एक बड़ा सवाल उत्पन्न होता हैं?

भाजपा कार्यकताओं का उत्साह चरम पर, निर्णायक भूमिका में दलित, गरमाई राजनीति

प्रखर जखनियां गाजीपुर। गुलाबी ठंड रूपी पिचकारी में चुनावी रंग निकल कर लोगों के तन मन में चटख दिखाई देने लगा है।एक तरफ जहां मतदाता खामोश नजर आरहे हैं वहीं समर्थकों का उत्साह चरम पर है। जनपद के जखनियां विधानसभा चुनाव में अब प्रचार के लिए महज सप्ताह भर दिन ही शेष रह गए हैं। ऐसे में मतदाताओं के रूख व आम सर्वेक्षण के बाद एक बात खुलकर सामने आ गई है कि अब जखनिया विधानसभा में मुख्य लड़ाई भाजपा व सपा के मध्य रह गई है। ऐसे में बसपा मतदाता निर्णायक की भूमिका अदा करने को तैयार हैं।

जखनिया विधानसभा क्षेत्र 373 में भाजपा द्वारा समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के रूप में एक मूसहर जिसे आज भी समाज अपनी मुख्यधारा में प्रवेश तक नहीं करने देता। ऐसे व्यक्ति को टिकट देकर दबे कुचले वंचित व अतिपिछड़ों को सम्मान देने का कार्य जो भाजपा ने करके दिखाया है सचमुच जखनियां के मतदाताओं में एक नया संदेश पहुंचा है। किसी जाति विशेष की पार्टी नहीं अपितु सर्व समाज की हितैषी के रूप में पहचान बनी है।यही वजह है कि भाजपा विधानसभा चुनाव के लिहाज से एक निर्णायक बढ़त के रूप में देखी गई। पार्टी के इस निर्णय पर बिल्कुल खरा उतरते हुए सहज स्वभाव के धनी रामराज मुसहर द्वारा भीअपने संस्कार और व्यवहार के दम पर जन सामान्य से लेकर गणमान्य तक का दिल जीत लिया गया। लगातार क्षेत्र में अपनी उपस्थिति व पूर्व में दलित वंचित समाज के लिए किए गए उनके कार्यों की चर्चा के साथ ही उनका व्यवहार व पार्टी कार्यकताओं का सहयोग वर्तमान में उन्हें इस स्थिति में पहुंचा दिया है कि अब भाजपा कार्यकताओं को आजाद भारत के इतिहास में पहली बार जखनिया विधानसभा क्षेत्र से रामराज के जरिए कमल खिलता नजर आने लगा। वहीं मुख्य विपक्षी दलों में टिकट वितरण के अंतिम दिन बसपा के स्थानीय प्रत्याशी का टिकट काटकर पूर्व विधायक विजय कुमार को टिकट दे दिया गया। लेकिन उनके नामांकन के 2 दिन पूर्व तक उनके द्वारा समाजवादी पार्टी में चक्कर लगाए जाने व सपा की सदस्यता बरकरार रखने की बात को बसपा कार्यकर्ता पचा नहीं पाए। जो उन्हें स्वीकार करने को तैयार नहीं हुए। सर्वेक्षण के अनुसार ऐसे में विजय कुमार लगभग मुख्य लड़ाई से बाहर नजर आने लगे है। समाजवादी पार्टी सुभासपा गठबंधन के रूप मे चुनावी मैदान में उतरने वाले जौनपुर निवासी बेदी राम को सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर द्वारा टिकट दिया जाना कोई बजूद नहीं रखता नजर आ रहा । ऐसे में समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं को यह निर्णय सांप छछूंदर जैसा नजर आने लगा। एक तरफ समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता बेदी राम को पचा नहीं पा रहे। वहीं

अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के नाम पर उनका प्रचार प्रसार करने को मजबूर नजर आरहे हैं।। लेकिन पिछले हफ्ते जखनिया के अलीपुर मदरा में आयोजित सपा सुभासपा गठबंधन रैली में दोनों पार्टी कार्यकताओं के बीच झड़प की घटना आम हो गई। जो उनके मध्य और दूरी बनाने का ही काम किया।

जातीय समीकरण के आधार पर देखें तो एक तरफ जहां समाजवादी पार्टी के पक्ष में भाजपा प्रत्याशी बेदी राम के समर्थन में यादव व मुसलमान लामबंद होते नजर आए वहीं बसपा के आम मतदाताओं को छोड़ सभी वर्गों के लोगों द्वारा रामराज मुसहर को हाथों हाथ उठा लिया गया। ऐसे में जखनिया विधानसभा क्षेत्र में अब यह लड़ाई भाजपा व सुभासपा/सपा के बीच बन कर रह गई है। ऐसे में जखनिया विधानसभा में बसपा के परंपरागत मतदाता हरिजन की काफी बड़ी संख्या होने से वह निर्णायक भूमिका में आ गए हैं। बसपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता मीरपुर ओढ़ासन ग्राम प्रधान अभय कुमार की माने तो गत चुनाव में जब जब भाजपा कमजोर रही है व मुख्य मुकाबला सपा बसपा के बीच में रहा है तब बसपा को भाजपा मतदाताओं का सहयोग मिलता रहा है। ऐसे में इस बार बसपा भाजपा का कर्ज चुकाने के मूड में आ चुकी है। बसपा के मतदाताओं ने अभी से मंथन करना शुरू कर दिया है कि यदि बसपा प्रत्याशी चुनावी मैदान से बाहर होता है तो उसी स्थिति में बसपा के मतदाताओं को भाजपा के पक्ष में जाना ही हितकर साबित होगा।

बसपा के ही एक अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता महेंद्र राम ने कहाकि राजनीतिक स्थितियां चाहे जो भी रही हो लेकिन क्षेत्र समाज में बसपा के मूल मतदाताओं को सबसे अधिक सपा के मूल कार्यकताओं द्वारा ही प्रताड़ित किया जाता है। खेत से लेकर बाजार तक प्राय मारपीट पशु व जमीन के झगड़ों में भी उनके द्वारा उपद्रव बसपा के लोग भूल नहीं सकते। ऐसे में जखनिया विधानसभा क्षेत्र में अभी बसपा मतदाता अंतिम क्षणों तक यह सुनिश्चित करना चाहेंगे कि क्या वाकई बसपा चुनाव से बाहर है। यदि ऐसा हुआ तो बसपा के परंपरागत मतदाताओं का समर्थन भाजपा को प्राप्त हो सकेगा।

संक्षिप्त खबरें

मुसलमानों की शादी में डीजे नाच गाना करने पर नहीं पढ़ाएंगे मौलाना निकाह- मौलाना अंसारूल हक

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। इत्तेहादुल मुस्लिमीन कमेटी की एक अहम बैठक टिकरा खरंजा स्थित मदरसा शहीदिया नुरूल उलूम के प्रांगण में संपन्न हुआ बैठक में उपस्थित क्षेत्र के सभी उलमा एवं मौलाना इत्तेहादुल मुस्लिमीन कमेटी के सदर साकिर खान, पूर्व सदर कलीम अहमद समेत मुसलमानों ने आपस में विचार विमर्श करने के बाद यह तय किया कि मुस्लिम बिरादरी में लड़के लड़कियों की शादी में डीजे नाच गाना समेत इस्लाम में जिन चीजों की मनाही है ऐसी चीजें ना इस्तेमाल की जाए अगर जिन भी मुस्लिम शादियों में डीजे नाच गाना का प्रोग्राम अगर रखा जाता है तो मौलाना ऐसी शादियों में निकाह नहीं पढ़ाएंगे बैठक की नुमाइंदगी कर रहे मौलाना अंसारुलहक ने बताया कि अहरौरा समेत आसपास के विभिन्न गांव में मुस्लिम समुदाय के लोगों को यह ताकीद कराई जा रही है कि होने वाली शादियां गैर शराई तरीके से न करें हमारे मजहब में नाच गाने की सख्त मनाही है जिन शादियों में इस तरह की चीजें होंगी वहां मौलानाओं को सख्त हिदायत दी गई है कि ऐसी जगह पर निकाह पढ़ाने से इंकार कर दें बावजूद इसके अगर किसी ने भी बात नहीं मानी इत्तेहादुल मुस्लिमीन कमेटी ऐसे लोगों के खिलाफ कमेटी के लोगों से विचार विमर्श कर उन्हें दंडित करने का काम करेगी इस मौके पर उपस्थित रहने वालों में मौलाना अंसार उल हक सदर साकिर खान बबलू पूर्व सदर कलीम अहमद, हाजी मुन्ना खान, सेक्रेटरी हनीफ अंसारी, मौलाना कलीम उर रहमान, हाफिज एजाज अहमद खान, हाफिज जफर मोबीन, नायब सदर सलीम अंसारी, शाकिर अंसारी, समेत सैकड़ों मुस्लिम समुदाय के लोग उपस्थित रहे।

कुर्मी कुल वंशज जागरुकता मंच ने किया समर्थन

प्रखर जमुई, मिजार्पुर। नारायनपुर चौकी अंतर्गत शेरपुर केंद्रीय कार्यालय पर कुर्मी कुल वंशज जागरूकता मंच के तत्वाधान में एक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 398 चुनार विधानसभा बसपा प्रत्याशी विजय कुमार सिंह उर्फ एवी भैया को कुर्मी कुल बंशज जागरूकता मंच के समस्त कुर्मी समाज बसपा प्रत्याशी को समर्थन करेगा, यह निर्णय राष्ट्रीय अध्यक्ष अलख नारायण सिंह पटेल की अध्यक्षता में लिया गया, इस अवसर पर संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय संयोजक चौधरी धीरेंद्र सिंह पटेल उर्फ धीरुभाई दादा ने कहा कि अब तक उत्तर प्रदेश में बनी सरकारों में बहन मायावती जी के सरकार में कुर्मी समाज के महापुरुषों को सम्मान दिया गया तथा सरकारी नौकरियों में इजाफा हुआ इसलिए कुर्मी समाज एवी भैया को जीता कर विधानसभा में भेजने का कार्य करेगा तथा पांचवी बार बहन मायावती को मुख्यमंत्री बनाएगा, बैठक में संगठन के राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट राम चरण सिंह पटेल, कोषाध्यक्ष तथा महाराष्ट्र प्रभारी लालबर्ती सिंह पटेल, इलाका सिंह, शिवपूजन सिंह ,प्रत्याशी विजय कुमार उर्फ एवी भैया ,पूर्व एमएलसी सुबोध राम जी ,घनश्याम पटेल शमशेर बहादुर सिंह ,प्रदेश अध्यक्ष नम्रता सिंह पटेल, बसपा नेता यशवंत राव जी ,आचार्य गणेश जी, डॉक्टर महेंद्र भारती, सदानंद पटेल, सुधीर पटेल, इत्यादि के साथ सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

आगामी पर्व शिवरात्रि को लेकर पीस कमेटी की बैठक संपन्न

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। आगामी पर्व शिवरात्रि को लेकर पीस कमेटी की एक आवश्यक बैठक स्थानीय चौकी परिसर में थाना अध्यक्ष संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में थाना अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि शिवरात्रि पर्व में निकलने वाले शिव बारात कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुए शांति पूर्वक त्योहार संपन्न कराने के लिए स्थानीय प्रशासन पूर्ण रूप से तैयार है बैठक में दोनों समुदाय से संभ्रांत लोगों की उपस्थिति रही दोनों समुदाय के लोगों ने प्रशासन को सहयोग देने का आश्वासन दिया इस अवसर पर उपस्थित रहने वालों में मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि सभासद सिद्धार्थ सिंह मिककी सिंह,अशोक अग्रहरि, इत्तेहादुल मुस्लिमीन कमेटी के सदर शाकिर खान बबलू, एडवोकेट असलम, हिमांशु केसरी, उदय अग्रहरी, सभासद शकील अहमद, सभासद राम चंद्र भारती, सभासद फरजंद अली, सुभासद कुमार आनंद, हाफिज एजाज खान, मौलाना कलीम रहमान, हनुमान केसरी, समेत भारी संख्या में संभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे।

प्रतिबन्ध पूर्ण होने पर अजय राय ने की ने नुक्कड़ सभा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय के ऊपर चुनाव आयोग द्वारा लगाये गये 24 घण्टे का प्रतिबंध पूरा होने के बाद रविवार को रामपुर में नुक्कड़ सभा की। इस दौरान पूर्व विधायक ने कहा कि यहाँ के जनता के स्नेह और आशीर्वाद से चुनाव में उतरा हु। महगाई और बेरोजगारी ने सबको हासिये पर कर दिया है। इस मौके पर न्याय पंचायत अध्यक्ष अंजनी पांडेय , छेदी सिंह, विनोद सिंह, जगदीश सिंह,सियालाल कनौजिया, सपन सिंह, वीरेंद्र यादव, आरडी यादव, रामाशंकर , तनवीर आलम, रिंकू ,संदीप मौर्य, बाबाराम पटेल, प्रिंस सिंह , प्रशांत सिंह गोलू अमित सिंह, बिंद कन्नौजिया, प्यारेलाल, संपत यादव, पन्नालाल प्रजापति, झगडु सिंह साबिर अली घनश्याम पांडे समेत अनेक ग्रामीण रहे।

ग्राम पंचायत की पोखरी से मछली मारने को लेकर प्रधान संग हुई हाथपाई

घोसी, मऊ। घोसी कोतवाली क्षेत्र के मदीना ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान मुक्खु ने घोसी कोतवाली में तहरीर देते हुये बताया कि शुक्रवार की रात्रि लगभग 8 बजे मेरे ग्राम पंचायत के जिगना मौजा स्थित ग्राम पंचायत की पोखरी में पड़ी मछली को गांव के ही धनपत, बबलू, दुल्य, एवं सूर्यभान, अशोक द्वारा गोलबंदी करके पोखरी में मोटर लगा कर मार लिया गया। इसके पूर्व भी उक्त लोगो द्वारा तीन बार जबरन पोखरी से मछली मारी जा चुकी है। जिसकी वजह से ग्राम सभा की राजस्व की क्षति हुई है। जब उक्त लोगो को मेरे द्वारा मना किया गया तो गाली गुफ्ता देते हुये मुझसे हाथा पाई कर लिये मेरे द्वारा डायल 112 को सूचना दी गई।

सामाजिक न्याय के ताने-बाने से मिलेगा सबको न्यायः प्रो. दीपक मलिक

राष्ट्रीय एकता, शांति व न्याय को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

प्रखर वाराणसी। वाराणसी के नव साधना प्रेक्षागृह, तरना में राइज एंड एक्ट के तहत राष्ट्रीय एकता, शांति व न्याय को लेकर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का समापन समता मूलक, सम्पन्न, खुशहाल भारत निर्माण के संकल्प के साथ हो गया। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीएचयू के पूर्व प्रो. दीपक मलिक ने आजादी के दौर की चर्चा करते हुए कहा कि देश पर अपना सब कुछ न्यौछावर करने वाले महान लोगों की जो सोंच थी आज क्या वही देश है। हमें सोंचने की जरूरत है। आजादी के पूर्व जो हमारा सामाजिक ढांचा था उसमें बदलाव लाकर समतामूलक बनना था। नए भारत की कल्पना देश की आजादी के पूर्व गांधी, नेहरू और अन्य बलिदानियों ने की थी लेकिन उनके मूल्यों पर आधारित मुल्क बन नहीं पाया जबकि गांधी को इसकी कीमत जान देकर चुकानी पड़ी। उन्होंने कहा कि आज हम मजबूती से दुनिया में खड़े हैं पर आम आदमी को जो संवैधानिक अधिकार मिलने

थे वे नहीं मिल पाए। जिस मुकाम के लिए हमें आजादी मिली आज सियासत उसके बरक्स चल रही है। लेकिन हम भूल रहे हैं कि इतिहास की प्रवृत्ति आगे बढ़ने की होती है। समाज को पीछे नहीं धकेला जा सकता। राजनैतिक मंचों पर 400 साल पुराने इतिहास की चर्चा के माध्यम से इतिहास को पीछे ले जाने की कोशिश हो रही है पर आज पीछे मोड़ने वाले लोग अस्वीकार हो रहे हैं। यह डेमोक्रेसी का चैलेंज है। जनता जागरूक हो रही है। नई पीढियां अच्छी तरह समझ रही हैं कि नव पूंजीवाद, नव उदारवाद से गरीबी का समाधान नहीं है। सामाजिक न्याय के ताने-बाने से देश और भेद रहित व्यवस्था से सबको न्याय मिलेगा। संजय कुमार ने कहा कि अपने वरिष्ठों के दिशा निर्देशन में अच्छी सोंच व कार्ययोजना के बल पर अच्छा काम किया जा सकता है। आयोजक प्रो मोहम्मद आरिफ ने वर्तमान दौर की मुश्किलों पर अपनी सोंच स्पष्ट रखने और अध्ययन पर बल दिया। कहा कि हमें सीखने पढ़ने और सोंचने की जरूरत है कि संविधान की अवधारणाओं के अनुरूप राष्ट्रीय एकता, शांति व न्याय के लिए कैसे हम आगे आकर एक अच्छे समाज व राष्ट्र के निर्माण में सहयोग कर सकते हैं। इसी क्रम में रंजीत कुमार, कमलेश, राजेश्वर, मनोज, विनोद कुमार, रामकिशोर, संतोष, संजय ने अपने लेखों को प्रस्तुत किया। अंत में प्रतिभागियों ने अपनी अगली कार्ययोजना पर आपसी चर्चा की। इस दौरान। रणजीत कुमार,हरिश्चन्द्र, लाल प्रकाश राही, सुरेश कुमार अकेला, असलम अंसारी, साधना यादव, प्रज्ञा सिंह, शमा परवीन, अब्दुल मजीद, रामकृत, हीरावती, रामजन्म कुशवाहा, अर्सिया खान आदि मौजूद रहे।

लबे सड़क स्थित ग्राम सभा की जमीन पर अवैध कब्जे को पुलिस ने रोका

प्रखर पिंडरा वाराणसी। वाराणसी जौनपुर मार्ग के लबे रोड स्थित करोड़ो रुपए के ग्राम सभा की जमीन पर रात में कतिपय लोगो द्वारा निमार्ण कार्य कराए जाने से आक्रोशित ग्रामीणों के विरोध कर पुलिस से कार्य रूकवाया और निमार्ण न करने की हिदायत दी। बताते है कि सुरही ग्राम सभा की जमीन को गत वर्ष एसडीएम पिंडरा ने गलत ढंग से दर्ज कराए गए नाम को निरस्त कर ग्राम सभा के खाते में दर्ज करा दिया था। उसके बावजूद विपक्षी द्वारा हाईकोर्ट में वाद दाखिल किया लेकिन वहाँ से भी कोई राहत नही मिली। इसके बावजूद बीती रात मजदूर लगाकर जबरन निमार्ण कार्य कराया जा रहा था। जिसपर ग्रामीणों ने रात में पुलिस को सूचित किया। जिसपर मौके पर कार्य को रोकवाते हुए दोनों पक्षो को थाने बुलवाया। रविवार को सुबह कागजात देखने के बाद इंस्पेक्टर फूलपुर ने जब तक कोर्ट से कोई आदेश नही आ जाता। निर्माण कार्य न करने की सख्त हिदायत दी। बताते हैं कि लगभग 28 विश्वा जमीन की कीमत करोड़ो में है। भूमाफिया किस्म के लोग उसपर कब्जा करने की गिद्ध दृष्टि गड़ाए हुए हैं और रोक के बावजूद कुछ न कुछ निर्माण कराते रहते है।

पोस्टल बैलेट मतदान में शिक्षकों ने दिखाया दमखम : सनत कुमार सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सनत कुमार सिंह जिला वरिष्ठउपाध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, वाराणसी ने बताया कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 के सम्पादन हेतु प्रशिक्षण के दूसरे दिन पोस्टल बैलेट के जरिए भारी संख्या में शिक्षकों ने मतदान की । प्रशिक्षण के तीसरे दिन 1253 लोगों ने पोस्टल बैलेट के जरिए मतदान किया। कतिपय कारणों से कुछ लोगों ने मतदान नहीं कर पाया है जो लोग मतदान से वंचित हैं वे भी मतदान अवश्य करें और प्रशिक्षण के दिन जो भी शिक्षक साथी प्रशिक्षण में जा रहे हैं अपना मतदाता क्रमांक,मतदाता आईडी और विधानसभा क्षेत्र का क्रमांक साथ में अवश्य ले जाएं और फार्म12 भर करके उसका परीक्षण कराकर पोस्टल बैलेट के जरिए मतदान अवश्य करें ताकि हम सब एक अच्छी और

मजबूत सरकार बनाने में भागीदारी दे सके,जो सबके लिए हितकारी हो। संगठन द्वारा भी मतदाता जागरूकता अभियान में बढ़ चढ़कर शिक्षकों के साथ हिस्सा लिया जा रहा है। सनत कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टल बैलेट जरिए मतदान करने वाले शिक्षकों द्वारा अवगत गया है कि खुले बाक्स में हम सबसे मतदान कराया जा रहा है। मौके पर रिटर्निंग अफसर ने बताया है कि मतदान के बाद प्रतिदिन सील बन्द हो रहा है शिक्षकों से अपील है कि शत प्रतिशत मतदान में भागीदारी सुनिश्चित करें। मतदान में शिक्षकों के सहयोग हेतु संघ के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सनत कुमार सिंह ,गौरी सिंह,रश्मि सिंह,रिचा चित्रांशी,प्रियंका मंजरी,वंदना यादव, मधुलिका पांडेय, सत्या तिवारी, वीरेंद्र सिंह,राकेश चन्द्र पाठक, डॉ सरोज पांडेय, मनोज चतुर्वेदी, राजेश शुक्ला आदि लोग मौजूद रहे ।

स्प्रिंट बालक में मोहित बालिकाओं में निधि को पहला स्थान

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। जनता पीजी कालेज रतनूपुर के परिसर में युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के सौजन्य से नेहरू युवा केन्द्र जौनपुर ने दो दिवसीय ब्लाक स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बालिकाओ की 100 मीटर की दौड़ में निधि यादव को पहला जुली यादव को दूसरा तथा अंजली निषाद को तीसरा स्थान मिला।बालको की 200 मीटर की दौड़ में मोहित यादव प्रथम मुकेश कुमार द्वितीय एवं विकास पाल तृतीय रहे।बालिकाओं की लंबी कूद में मनीषा प्रथम अंतिमा सरोज द्वितीय तथा जुली यादव तृतीय रही जबकि बालको की लंबी कूद में अवधेश यादव को पहला भानु निषाद को दूसरा तथा सिद्धांत कौल को तीसरा स्थान मिला। कबड्डी में जनता पीजी कालेज रतनूपुर ने इंटर कालेज को 14-11 के अंतर से हराया।पीजी कालेज रतनूपुर रस्साकसी में भी विजेता रहा। उपविजेता इण्टर कालेज रतनूपुर रहा। ऊंची कूद में सत्यम पाल रवि यादव विनोद यादव शिवशान्त और शिवम यादव को क्रमशः पहला दूसरा और तीसरा स्थान मिला।विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं ट्राफी प्राचार्य डॉ आशुतोष तिवारी एवं आरएसएस के प्रांत कार्यवाह मुरली पाल ने वितरित किया। संचालन डॉ अजय यादव ने किया।इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी हिमांशु सागर नेहरू युवा केन्द्र के ब्लाक प्रभारी रामसिंह यादव एनवाईवी अंजू यादव रविशंकर सिंह डॉ संध्या सिंह डॉ रीता गौतम सुनीता राजभर रचना सिंह नीरज सिंह और अमित सिंह विशेष सक्रिय रहे।

7 मार्च 2022 शत प्रतिशत मतदान ही हमारा संकल्प

रविंद्र जायसवाल ने किया अपने विधानसभा क्षेत्र में जनसम्पर्क जनता से की बीजेपी को जिताने की अपील

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पंजीयन शुल्क व रजिस्ट्रेशन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारतीय जनता पार्टी उत्तरी विधानसभा 388 के प्रत्याशी रविंद्र जायसवाल ने रमरेपुर, श्रीनगर कॉलोनी, अनौली, सिकरौल राजश्री मंडल के राम जानकी धाम,ऊचवॉ लाज, लक्ष्मणपुर शिवपुर पंचकोशी के गोड़ीया बस्ती,धोबियाना गली, इत्यादि जगहों पर सघन जनसंपर्क कर जनता का कुशलक्षेम जाना और लोगों का आशीर्वाद प्राप्त कर समस्याओं के समाधान हेतु पूर्ण आश्वासन दिया। इस पैदल अभियान में क्षेत्रीय पार्षद संदीप श्रीवास्तव, रोहित मौर्या,सुनील सोनकर,राकेश जायसवाल,अशोक मौर्य,अजीत सिंह, संदीप रघुवंशी, संजय गुप्ता, संजय जायसवाल, डा० अमित सिंह, सुनील दीक्षित,मुन्ना पटेल, भूपेंद्र सिंह, अभिषेक उपाध्याय, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मणिशंकर पांडेय ने शहर दक्षिणी प्रत्याशी अर्पण पाठक के समर्थन में किया घर घर जनसम्पर्क और प्रेस वार्ता

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के प्रदेश अध्यक्ष मणिशंकर पांडेय ने शहर दक्षिणी से पार्टी के प्रत्याशी अर्पण पाठक के समर्थन में किया घर घर जनसम्पर्क और प्रेस वार्ता । मणिशंकर पांडेय ने बताया कि इस बार विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जनता में विरोध का माहौल बना हुआ है और लोगो का कहना है कि उनके पास अभी तक शिक्षित और अच्छे विकल्प न होने के कारण दूसरी पार्टियों को चुनना पड़ता है परंतु इस बार लोजपा का प्रत्याशी शिक्षित और सेवा करने वाला है । लोजपा(र) मजबूती से चुनाव लड़ रही है और उनका प्रत्याशी युवा है और कर्मठ है और जनसेवा में हमेशा आगे रहता है। पासवान जी ने हमेशा गरीब और असहाय की लड़ाई लड़ी है और हम सब भी श्री चिराग पासवान के नेतृत्व में लड़ेंगे । युवाओ को मौका मिलना चाहिए वो ही देश के भविष्य है । प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश उपाध्यक्ष सौरभ गोस्वामी , युवा प्रदेश सचिव सक्षम जायसवाल, जिलाध्यक्ष गुड्डू पासवान सहित इत्यादि लोग मौजूद थे।

रेजॉइस हेल्थ फाउंडेशन द्वारा मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

प्रखर दिल्ली। रेजॉइस हेल्थ फाउंडेशन द्वारा दिल्ली के नरेला गांव में स्थित शिव मंदिर धर्मशाला में मुफ्त स्वास्थ्य जांच का कैंप लगाया गया जिसमें हजारों लोगों को मुफ्त सैनिटरी नैपकिन, फेस मास्क, सैनिटाइजर, दवाइयां एवं खाद्य पदार्थ मुहैया कराया गया, कैंप में 25 से 30 डॉक्टर्स और स्वयंसेवकों ने भाग लिया एवं अपनी सेवा प्रदान की. आप को बता दे कि देश का पहला रेजॉइस आयुष अवार्ड उस समय के आयुष मंत्री श्रीपद नाइक की अध्यक्षता में शुरू किया गया और उसी दिन रेजॉइस हेल्थ फाउंडेशन ने राष्ट्रीय स्तर पर आई लव मॉम के नाम से मुहिम शुरू की जिसमें दिव्यांग जनों के हित के लिए दिव्यांग प्रमाण पत्र उनके घर पर मुहैया कराया जाए. इस संस्थान द्वारा कोरोना काल में देश के विभिन्न राज्यों में लाखों लोगों को इम्युनिटी बूस्टर दवाइयां मुफ्त में वितरण कराई और हजारों जरूरतमंद लोगों को मुफ्त में राशन भी दिया गया , एवं सर्दी में जरूरतमंद लोगों को कंबल भी वितरण करें. संस्था ने भारत सरकार के आयुष मंत्रालय, एम्स अस्पताल, एवं जे. जे. अस्पताल (मुंबई) के साथ मिलकर कोरोना काल के दौरान कोविड पर शोध भी किया. संस्था को दिल्ली विश्वविद्यालय एवं विभिन्न संस्थानों द्वारा सहयोग मिलता रहता है. इस कार्यक्रम में संस्था की संस्थापक डॉ प्रीति वर्मा एवं ग्लोबल अध्यक्ष डॉ नवल कुमार वर्मा ने कैंप में आए अतिथिगण विमल अग्रवाल (मैनेजिंग डायरेक्टर, बीकानेरवाला राजौरी गार्डन) त्रिलोक सिंह (मैनेजिंग डायरेक्टर एथनिक ब्रांड वस्त्र), रुचि हुड्डा, विकास जैन, सी. ए. दिनेश जैन, स्वयंसेवी डॉ आँचल चमोली, डॉ सभ्या सबरवाल, डॉ पूजा, डॉ निष्ठा भारद्वाज, डॉ राजीव चोपड़ा, डॉ सनी कुमार, एडवोकेट मनोज कुमार राजपूत, रुचि हुड्डा, प्रीना, नवनीत कौर (संस्थापक, क्लासमी एजुकेशन स्टार्टअप), ख्याति हुड्डा, रिया भार्गव, आस्था राणा, मेहंदिया, स्वीटी रीना आदि मौजूद रहे।

लापता बालक का मिला शव मचा कोहराम परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

प्रखर कछवाँरोड वाराणसी। मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के अमिनी गांव से संबंधित है पिछले 2 दिनों से अमिनी ग्राम निवासी दिनेश राजभर का बड़ा पुत्र दीनदयाल रहस्यमई ढंग से गायब था परिजन ने बताया कि दीनदयाल (उम्र 13 वर्ष)कक्षा 7 का छात्र था 25 फरवरी की शाम बालक खेलते खेलते रहस्यमई ढंग से गायब हो गया परिजनों ने उसका बहुत तलाश किया बालक के न मिलने की स्थिति में प्रकरण की सूचना अजय कुमार राय ने मिजार्मुराद थाने पर दी और उसी आधार पर मुकदमा भी दर्ज हुआ। रविवार की सुबह सूर्योदय के साथ एक स्थानीय किसान अपने खेत में फसल को देखने के लिए आया,वो अपने खेत के बीच में पड़ा हुआ लाश देखकर सहम गया। वह इसकी सूचना गांव के लोगों को दिया। सूचना पाते ही मौके पर पूरे गांव के लोग आ गए। इसकी सूचना ग्रामीणों ने मिजार्मुराद थाने पर दी। सूचना पाते ही थाना प्रभारी एसबी सिंह अपनी पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुचे। उक्त शव की शिनाख्त दो दिन से लापता बालक दीनदयाल पुत्र दिनेश राजभर के रूप में हुआ । शिनाख्त की सूचना पूरे ग्राम व क्षेत्र में आग की तरह फैल गई और चारों तरफ कोहराम मच गया। घटनास्थल पर शव को देखने के लिए सैकड़ों की तादाद में लोग एकत्रित हो गए ।मृतक बालक की माता रेखा देवी का रो रो कर बुरा हाल रहा। मृतक बालक अपने भाइयों बहनों में सबसे बड़ा था।

कुछ ही देर में घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम व डॉग स्कॉट भी आ गई । फॉरेंसिक टीम ने मौके पर से नमकीन सिगरेट आदि के रैपर एकत्रित किए । वही डॉग स्कॉट भी पूरे गांव का डॉग के मदद से निरीक्षण किया।आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने शव पोस्टमार्टम के लिए ले जाने से मना कर दिया। पुलिस ने शव ले जाने का प्रयास किया तो ग्रामीणों ने पुलिस के विरोध में नारेबाजी के साथ पत्थरबाजी आरंभ कर दिया और महिलाओं ने सड़क पर बैठ कर मिजार्मुराद से कतवारुपुर वाली रोड को जाम कर दिया। पुलिस और ग्रामीणों के बीच नोकझोंक भी हुई ।मौके का जायजा लेने के लिए सीओ बड़ागांव जगदीश कालीरमण भी मौजूद रहे। अनियंत्रित हालात की स्थिति बनने से पहले उसे संभालने के लिए रोहनिया थाना कपसेठी थाना राजातालाब थाना का पुलिस बल भी मौके पर पहुँच गया। बिगड़ती हुई स्थिति को संभालने के लिए सेवापुरी विधायक नील रतन पटेल व्हीलचेयर के माध्यम से लोगों के बीच गए और लोगों को समझा-बुझाकर उग्र भीड़ को शांत करते हुए सड़क पर जाम को हटवाया। और आश्वासन दिया कि इसमें न्यायपूर्ण और निष्पक्ष जांच करा कर आरोपियों को जेल में भेजने का काम किया जाएगा। इनके अलाव कई और जनप्रतिनिधि , प्रत्याशी भी घटनास्थल पर पहुंचे जिनमें रिंकू सिंह, महेंद्र सिंह पटेल, मनोज चौबे, आदि लोग पहुंचे और संवेदना प्रकट किये। प्रकरण में थाना प्रभारी एसबी सिंह का कहना है कि मामला दर्ज कर लिया गया है पुलिस जांच में जुटी हुई है मामले की तहकीकात करके जल्द से जल्द अपराधियों को सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा।

रोटरी उदय के संयुक्त तत्वावधान में दिव्यांग मतदाता जागरुकता का आयोजन जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने दिव्यांगों को दिलाया शपथ

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। जिलाधिकारी वाराणसी कौशल राज शर्मा , मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक गोयल एवम तमाम अधिकारीगण की उपस्थिति में रोटरी उदय के संयुक्त तत्वावधान में दिव्यांग मतदाता जागरुकता का आयोजन निवेदिता स्कूल में आयोजित किया गया।

उक्त कार्यक्रम में शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम दिव्यांगजन ने प्रस्तु किये दिव्यांग जन को जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने मतदाता शपथ दिलाई। उदय के अध्यक्ष रोटेरियन धर्मेन्द्र त्रिपाठी ने रोटरी की अन्य शाखाओं के साथ शत प्रतिशत मतदान संकल्प संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला दिव्यांग कल्याण अधिकारी राजेश मिश्र , जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद राय , स्वीप आइकॉन नीलू मिश्र ,उदय के सचिव डॉ अजय चौरसिया , कोषाध्यक्ष संजय उपाध्याय , अगले सत्र के निर्वाचित अध्यक्ष अजय दुबे , रिया त्रिपाठी , शालिनी सिंह , गौरव त्रिपाठी के अलावा तमाम रोटेरियन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

बिजली के खम्भे के सहारे तार पर चढ़ी बंवर, ग्रामीणों में भय का माहौल

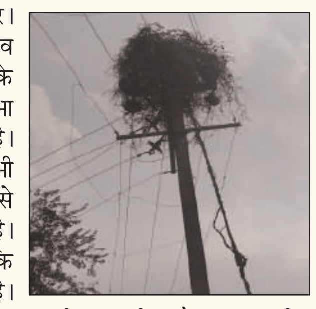

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के मई पसेवा गांव में जाने वाले मुख्य सड़क के किनारे स्थित बिजली का खम्भा खतरे का सबब बन सकता है। हाल यह है कि इससे कभी किसी दिन बड़ी अनहोनी से इंकार नहीं किया जा सकता है। गौर करने वाली बात यह है कि विद्युत विभाग इससे अनजान है। स्थानीय ब्लाक के मई गांव में आबादी से करीब डेढ़ सौ मीटर दूर पसेवा गांव की ओर जाने वाले रास्ते पर विद्युत का खम्भा लगा है जिससे 11 हजार वोल्टेज की बिजली सप्लाई होती है। खम्भे से लगे स्टे राड से एक बंवर तार तक पहुंच कर फल फूल रहा है।यदि उस बंबर में करेंट उतरा तो बड़ा हादसा हो सकता हैं बंवर को काट कर खम्भे और तार से छुड़ाया नहीं गया तो कभी कोई व्यक्ति या जानवर करंट की चपेट में आकर काल कवलित हो सकता है।ऐसे में एक सवाल बार बार मन को झकझोर देता हैं कि विद्युत के खम्भे के सहारे तार पर फल फूल रहे बंबर पर मीडिया की निगाह पड़ जाती हैं पर कूलर की हवा ले रहे विद्युत अधिकारियों की निगाह क्यो नही पड़ती हैं ग्रामीणों के सर पर खतरा मंडरा रहा है और विद्युत अधिकारी व कर्मचारी ऑफिस में बैठकर आराम फरमा रहे है बहरहाल कब और कैसे विजली के खम्भे से बंबर हटवाया जाएगा ये तो जिम्मेदार ही तय करेंगे।

पिण्डराई पहुचे एसडीएम, कराया सुलह, करेंगे मतदान

प्रखर पिंडरा वाराणसी। 'रोड नही तो वोट नही' के बहिष्कार के सूचना पर रविवार को पिंडराई गांव पहुँचे एसडीएम पिंडरा के हस्तक्षेप पर ग्रामीण विरोध प्रदर्शन खत्म करते हुए राजभर बस्ती के लोगों ने चढ़ बढ़कर मतदान करने का संकल्प लिया। शनिवार को धरने पर बैठे राजभर बस्ती के लोगो के बीच दोपहर में एसडीएम पिंडरा राजीव कुमार राय पहुचे और ग्रामीणों व काश्तकार के बीच वार्ता कर 3 फिट का रास्ता खेत मे से दिलवाने का आश्वासन दिया। जिससे ग्रामीण सन्तुष्ट हुए और 7 मार्च को होने वाले मतदान में अधिकाधिक संख्या में मतदान करने का संकल्प लिया। इस बाबत एसडीएम ने बताया कि राजभर बस्ती के लोंगो के लिए पीछे से रास्ता है लेकिन आगे आबादी के जमीन पर घर बना लिए जाने से रास्ता नही था। जिसे काश्तकार से सुलह समझौता कर 3 फिट का रास्ता देने पर राजी हो गए। इस दौरान ग्रामीण भी प्रशासन के पहल पर खुशी जताई और कहाकि लोकतंत्र की वजह से आज सुनवाई हुई मतदान कर लोकतंत्र को और मजबूत करेंगे। वही किसान बबलू सिंह व लालचंद वर्मा के प्रति आभार जताया। इस दौरान तहसीलदार न्यायिक रामनाथ, प्रधान प्रतिनिधि राजेन्द्र पटेल, गोरख राजभर, भैयालाल राजभर, राजकुमार समेत अनेक लोग रहे।

फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति ने मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति द्वारा कैंट निजी होटल प्रताप पैलेस में वाराणसी में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति सचिव अभिषेक निगम ने कहा की राष्ट्रहित ,समाज हित समाज उत्थान के लिए लोकतंत्र के महापर्व पर पूरे शहर भर के स्ट्रीट वेंडर को जागरूक किया जा रहा है कि वह अपना मतदान अवश्य करें शहर भर के स्ट्रीट वेंडरों को शत शत प्रतिशत मतदान करने का संकल्प भी दिलाया गया। कार्यक्रम में मुख्य रुप अरुण कुमार सिन्हा , दिलीप मिश्रा , वरिष्ठ समाजसेवी अजय सिंह (बॉबी) , वाराणसी टेंट व्यवसायी एसोसिएशन पूर्व अध्यक्ष प्रकाश कुमार श्रीवास्तव जी,फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति संरक्षक अनिल कुमार जी,महिला व्यापार मंडल अध्यक्ष सविता सिंह जी समेत सैकड़ों पदाधिकारी एवं पटरी व्यवसायीगण उपस्थित हुए।

काजी सादुल्लाह पूरा में समाजवादी पार्टी के वार्ड कार्यालय का हुआ उद्घाटन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। शहर उत्तरी विधानसभा क्षेत्र के समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अशफाक अहमद डब्लू के क्षेत्र काजी सादुल्लाह पूरा में वार्ड कार्यालय का उद्घाटन किया गया, जिसमें उद्घाटन के मुख्य अतिथि महानगर उपाध्यक्ष व्यापार सभा व समाजवादी पार्टी के स्टार प्रचारक दानिश अंसारी ने किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी की नीतियों के बारे में जनता को बखूबी समझाया और बताया कि इस बार 2022 के विधानसभा चुनाव में जिस तरीके से भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने गरीबों मजदूरों बेरोजगारों शिक्षकों पर अत्याचार व उत्पीड़न किया है इसका जवाब 10 मार्च को पूरे उत्तर प्रदेश की जनता देगी।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं